आज का विचार

खूबसूरत रिश्तों को संभाल कर रखना साहब... अगर यह खो गए तो गूगल से भी नहीं ढूंढ पाओगे।

दैनिक
सिटी दर्पण
आईना सच का

सिटी दर्पण-राष्ट्रीय दैनिक हिंदी समाचार पत्र की अधिकारिक वेबसाइट पर जाने के लिए स्कैन करें।

चंडीगढ़ । बुधवार, 11 फरवरी, 2026 वर्ष 24, अंक 35, मूल्यः 3 रुपए, पृष्ठ 8 RNI Regn No.: CHAHIN/2003/09265 Established 2003 www.citydarpan.com

मुख्यमंत्री सेहत योजना के बारे में पंजाब विरोधी ताकतों के दुष्प्रचार पर भरोसा न करें: सीएम भगवंत मान

मुख्यमंत्री सेहत योजना के तहत हर परिवार को 10 लाख रुपये तक कैशलैस इलाज देने की व्यवस्था : मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान

यज्ञांश शर्मा
चंडीगढ़

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज पंजाबवासियों से अपील की कि राज्य सरकार द्वारा हर परिवार के लिए शुरू की गई ह्यमुख्यमंत्री सेहत योजनाह्न के बारे में पंजाब विरोधी ताकतों द्वारा किए जा रहे दुष्प्रचार से गुमराह न हों।

एक वीडियो संदेश के माध्यम से लोगों को संबोधित करते हुए भगवंत सिंह मान ने कहा, पंजाब सरकार ने लोक भलाई वाली इस प्रमुख योजना की शुरूआत की है ताकि पंजाब के हर नागरिक, खास तौर पर समाज के कमजोर वर्गों को कैशलेस इलाज तक सीधी पहुंच मिल सके।

इस पहल के बारे में बताते हुए भगवंत सिंह मान ने कहा, लोगों को व्यापक स्वास्थ्य सुविधा प्रदान करने के लिए राज्य सरकार ने ह्यमुख्यमंत्री सेहत योजनाह्न शुरू की है, जो देश में अपनी तरह की पहली योजना है। इसके तहत पंजाब का हर परिवार 10 लाख रुपये तक का कैशलेस इलाज करवा सकता है।

इसे ऐतिहासिक उपलब्धि बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, यह बहुत गर्व और संतुष्टि की बात है कि पंजाब व्यापक स्तर पर मुफ्त स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने वाला भारत का पहला राज्य बन गया है। यह योजना लोगों पर वित्तीय बोझ को काफी कम करेगी और साथ ही गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच को सुनिश्चित करेगी।

इस योजना में रजिस्ट्रेशन के बारे में जानकारी देते हुए भगवंत सिंह मान ने कहा, इस ऐतिहासिक कदम का उद्देश्य राज्य के सभी परिवारों को कैशलेस स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना है। सभी सरकारी कर्मचारी, पेंशनभोगी और अन्य नागरिक स्वास्थ्य कार्ड के लिए पात्र हैं। यह स्वास्थ्य कार्ड सुविधा केंद्रों और कॉमन सर्विस सेंटरों से या आधार कार्ड या वोटर कार्ड का उपयोग करके ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है।

लोगों से मिल रहे उत्साह का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि इस योजना का पंजाब के लोगों ने भरपूर स्वागत किया है और लोग इस योजना का लाभ लेने के लिए बड़ी संख्या में आगे आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस पहल ने उन परिवारों को बड़ी राहत पहुंचाई है, जिन्हें पहले बीमारी के इलाज का भारी खर्च अपनी जेब से देना पड़ता था।

मुख्यमंत्री ने भ्राम जानकारी फैलाने के खिलाफ चेतावनी देते हुए कहा कि कुछ पंजाब विरोधी ताकतें, जो नहीं चाहतीं कि राज्य के लोगों को ऐसी सुविधाएं मिलें, जानबूझकर इस प्रमुख योजना के बारे में झूठ फैला रही हैं।

उन्होंने आगे कहा कि विपक्षियों द्वारा योजना को लेकर की जा रही बेतुकी बयानबाजी का मकसद लोगों को इस योजना से सिर्फ निराश करना है, जो पूरी तरह से गैर-वाजिब और अनुचित है।अस्पतालों को पैनल में शामिल करने की प्रक्रिया को स्पष्ट करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि राज्य सरकार ने इस योजना के तहत अधिक से अधिक निजी अस्पतालों को सूचीबद्ध किया है और इस योजना के तहत सरकार ने लगभग 2,600 बीमारियों और इलाज सेवाओं के लिए दरें निर्धारित की हैं। भुगतान विधि के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि सरकार अस्पतालों को आपसी सहमति से तय दरों के अनुसार भुगतान करेगी, चाहे वे अस्पताल किसी बीमारी या इलाज सेवा के लिए बाहर के व्यक्तियों से कितनी भी अधिक राशि वसूल रहे हों।

अस्पतालों की जवाबदेही के बारे में बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि योजना के तहत सूचीबद्ध सभी अस्पताल सरकार द्वारा निर्धारित दरों पर इलाज देने के लिए बाध्य हैं और उन्हें यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं कि लाभार्थियों को कैशलेस इलाज मिले।

योजना के बारे में किसी भी तरह की गलत जानकारी को सीधे तौर पर खारिज करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि अस्पतालों को सरकार द्वारा सीधा भुगतान किया जाएगा और लाभार्थियों से एक पैसा भी नहीं लिया जाएगा। उन्होंने पंजाब विरोधी ताकतों द्वारा इस योजना के संबंध में गुमराह करने वाली और गलत तस्वीर पेश करने की कोशिशों को सिरे से नकारते हुए लोगों से अफवाहों से दूर रहने की अपील की।

योजना के लाभों के बारे में बात करते हुए मुख्यमंत्री ने स्पष्ट रूप से कहा कि ह्यमुख्यमंत्री सेहत योजनाह्न के तहत लाभार्थियों के लिए इलाज सेवाएं कैशलेस हैं और अस्पतालों द्वारा मरीजों से कोई फीस नहीं ली जाएगी।

लोगों से सतर्क रहने की अपील करते हुए उन्होंने कहा कि लोगों को ऐसी ताकतों से सावधान रहना चाहिए जो बेबुनियाद अफवाहें फैलाकर जनहित को नुकसान पहुंचाने पर तुली हुई हैं। उन्होंने कहा कि मैं समूह पंजाबियों से अपील करता हूं कि वे किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न दें।

योजना के तहत इलाज सेवाओं के बारे में विस्तार से बताते हुए भगवंत सिंह मान ने कहा कि राज्य सरकार ने ठोस व्यवस्था बनाई है जिसके तहत अस्पताल में दाखिले से लेकर जांच या टेस्ट, इलाज और अस्पताल से छुट्टी तक की पूरी इलाज प्रक्रिया कैशलेस रहेगी।

उल्लंघन के संबंध में स्पष्ट चेतावनी देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि कोई अस्पताल इस योजना के तहत किसी मरीज से पैसे की मांग करता है तो तुरंत सरकार को शिकायत दर्ज करवाई जाए।

मुख्यमंत्री नायब सैनी ने बजट खर्च और जरूरी विभागीय स्कीमों की प्रगति की समीक्षा की

मुख्यमंत्री ने हरियाणा में पीएम कुसुम और रूफटॉप सोलर स्कीमों को समय पर लागू करने के दिए निर्देश

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने मंगलवार को अलग-अलग विभागों के बजट खर्च और जरूरी विभागीय स्कीमों की प्रगति को लेकर एक हाई-लेवल रिव्यू मीटिंग की अध्यक्षता की। मीटिंग में संबंधित विभागों के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने बिजली विभाग की योजनाओं की समीक्षा करते हुए, अधिकारियों को राज्य में खेती के पंपों को सोलर आधारित करने के कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिये। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि प्रधानमंत्री कुसुम योजना को समय पर लागू किया जाए ताकि ज्यादा से ज्यादा किसानों को इसका लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि सोलर पंपों से पैदा होने वाली सरप्लस बिजली को सरकारी ग्रिड में वापस भेजा जाना चाहिए, ताकि इसका सदुपयोग हो सके। उन्होंने अधिकारियों को राज्य की सभी सरकारी इमारतों पर रूफटॉप सोलर सिस्टम लगाने में तेजी लाने के भी निर्देश दिये। उन्होंने निर्देश दिये कि बस स्टैंड, हैफेड गोदाम और दूसरे सरकारी इंफ्रास्ट्रक्चर पर भी रूफटॉप सोलर पैनल लगाए जाएं।

मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत रूफटॉप सोलर के माध्यम से नवीनीकरण ऊर्जा उत्पादन को बढ़ाने पर विषेष बल दिया है। मीटिंग के दौरान, अधिकारियों ने बताया कि राज्य में 5,000 सरकारी इमारतों का सर्वे पूरा कर लिया गया है और रूफटॉप सोलर पैनल लगाने का काम चल रहा है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि सभी जिलों के उपायुक्त इस स्कीम को लागू करने में तेजी लाएंगें और तत्परता से इसकी निगरानी करेंगे ।परिवहन विभाग की स्कीमों की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को खराब हालत वाले बस स्टैंड की पहचान करने और उनकी मरम्मत एवं रखरखाव करने के निर्देश दिये। कनीना, बरवाला, टोहाना और निग्धू में बस स्टैंड कार्य लगभग पूरे हो चुके हैं, जबकि बादली, नीलोखेड़ी, बहल और दूसरे स्थानों पर काम चल रहा है। मुख्यमंत्री ने राज्य भर में इलेक्ट्रिक व्हीकल चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ाने और इको-फ्रेंडली पब्लिक ट्रांसपोर्ट को बढ़ावा देने तथा कार्बन ईमिशन को कम करने के लिए इलेक्ट्रिक बसों की संख्या बढ़ाने पर भी बल दिया।

उद्योग विभाग की स्कीमों की समीक्षा करते हुए, मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को एमएमएमई के तहत छोटे उद्योगों को अधिक प्रोत्साहन देने के निर्देश दिये। उन्होंने ऐसी पॉलिसी बनाने की जरूरत पर बल दिया जो खासकर महिलाओं और समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों को एंटरप्रेन्योरशिप को बढ़ावा दें, ताकि इनक्लूसिव इकोनॉमिक ग्रोथ को बढ़ावा दिया जा सके ।पर्यावरण, वन एवं वन्यजीव विभाग पर चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को खैर के पेड़ों की गैर-कानूनी कटाई के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिये। उन्होंने जंगलों की कटाई को रोकने, हरित क्षेत्र बढ़ाने और राज्य भर में पेड़ों की सही मार्किंग करने के लिए तत्परता से कदम उठाने के निर्देश दिये। उन्होंने अरावली क्षेत्र में कंजर्वेशन की जरूरत पर भी बल दिया ।विदेष सहयोग विभाग की समीक्षा के दौरान, मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को एनआरआई डायस्पोरा के साथ सीधा मजबूत जुड़ाव बनाने और जहाँ भी जरूरत हो, मदद देने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि विदेश में पढ़ने या काम करने की इच्छा रखने वाले विद्यार्थियों को विदेषी भाषा सिखाने के कार्यक्रम भी चलाएं जाएं। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के कार्यो की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि किसान हरियाणा की आर्थिक रीढ़ है और किसानों की आय और उत्पादन बढ़ाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने निर्देश दिये कि और ज्यादा से ज्यादा ह्यहर हित स्टोरह्न सीएम पेक्सस खोले जाएं और स्वयं सहायता समूहों को सौंपे जाएं ताकि महिलाओं और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गो को रोजगार के बेहतर अवसर सुलभ हो सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में दालों के उत्पादन को बढ़ावा दिया जाए और दालों की खेती करने वाले किसानों को बढ़ावा देने के लिए एक विषेष नीति बनाने के निर्देश दिये। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि हरियाणा में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विजन अनुसार दालों के उत्पादन में ह्यआत्मनिर्भरताह्न की ओर बढ़ना चाहिए। उन्होंने ऑर्गेनिक खेती को बढ़ावा देने की अपील करते हुए किसानों को ऑर्गेनिक खेती के तरीके अपनाने के लिए सहयोग और बढ़ावा देने के लिए भी विषेष स्कीम बनाने के निर्देश दिये।

पूर्व सेनाध्यक्ष नरवणे झूठ नहीं बोलेंगे मुझे उन पर भरोसा: राहुल गांधी

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

लोकसभा में जारी गतिरोध के बीच नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पूर्व सेनाध्यक्ष जनरल मनोज मुकुंद नरवणे की कथित किताब 'फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी' के प्रकाशक पर झूठ बोलने का आरोप लगाते हुए मंगलवार को दावा किया कि किताब बिक्री के लिए उपलब्ध है।

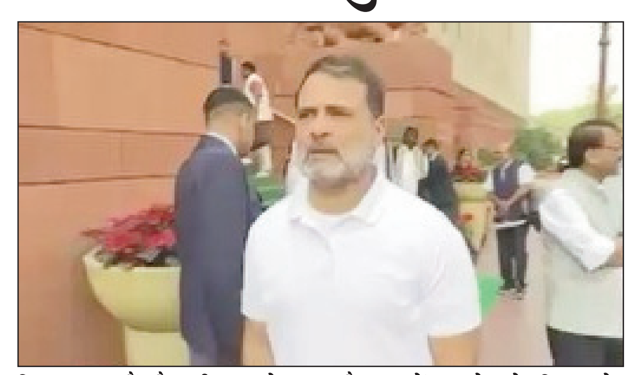

राहुल गांधी ने संसद भवन परिसर में पत्रकारों से बातचीत के दौरान अपने मोबाइल में जनरल नरवणे का 15 दिसंबर 2023 का पोस्ट दिखाया। उन्होंने कहा कि यह जनरल नरवणे का एक्स पोस्ट है जिसमें उन्होंने लिखा था, "नमस्ते दोस्तों। मेरी किताब अब उपलब्ध है। बस इस लिंक का अनुसरण करें। आनंदपूर्वक पढ़ें। जय हिंद।' राहुल ने कहा, "सवाल यह है कि या तो जनरल नरवणे झूठ बोल रहे हैं या फिर पेंग्विन प्रकाशन, लेकिन मुझे पूर्व सेनाध्यक्ष पर भरोसा है, वह झूठ नहीं बोलेंगे।"

उन्होंने कहा कि किताब में किए गए कुछ उल्लेख सरकार और प्रधानमंत्री के लिए असुविधाजनक हैं, इसलिए विवाद खड़ा किया जा रहा है। अब यह तय करना होगा कि सच्चाई कौन बता रहा है। प्रकाशक या पूर्व सेनाध्यक्ष।

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि जनरल नरवणे ने किताब में जो बातें लिखी हैं, वे सरकार और प्रधानमंत्री के लिए असहज हैं और इसी वजह से इस पर रोक लगाने की कोशिश की जा रही है। उल्लेखनीय है कि किताब के प्रकाशक पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया ने सोमवार को कहा था कि जनरल नरवणे की किताब अभी तक पब्लिश नहीं हुई है और इसकी कोई भी कॉपी, प्रिंट या डिजिटल, पब्लिश, बांटी, बेची या पब्लिक के लिए उपलब्ध नहीं कराई गई है।

राहुल गांधी ने जिस पोस्ट का जिक्र किया था उसे जनरल नरवणे ने 15 दिसंबर 2023 को एक्स पर साझा किया था ।इसमें उन्होंने पेंगुइन इंडिया के एक एक्स पोस्ट का स्क्रीनशॉट लगाया था। उसमें पेंगुइन प्रकाशन ने ई-कॉमर्स साइट अमेजन का लिंक साझा करते हुए लिखा था, "जैसे ही हम विजयदिवस की तैयारी कर रहे हैं। आइए अपने देश के नायकों का सम्मान करें। शुरूआत करते हैं मनोज नरवणे से, जो भारत के 28वें थलसेनाध्यक्ष रहे और दशकों तक देश के लिए लड़े। उनकी कहानी जानने के लिए अभी फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी, प्री ऑर्डर करें।"

एक दिन पहले यानी सोमवार को दिल्ली पुलिस ने एक बयान में बताया था कि सोशल मीडिया और समाचार मंचों पर यह जानकारी सामने आई कि किताब ह्यफोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनीह्न की प्री-प्रिंट कॉपी प्रसारित हो रही है। जांच में पाया गया कि पेंग्विन रैंडम हाउस इंडिया द्वारा तैयार की गई किताब की पीडीएफ कॉपी कुछ वेबसाइटों पर उपलब्ध है और कुछ ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर किताब का कवर भी बिक्री के लिए प्रदर्शित किया गया है। प्रकाशन की अनुमति अभी संबंधित अधिकारियों से प्राप्त नहीं हुई है। इस कथित लीक और प्रकाशन नियमों के उल्लंघन की जांच के लिए स्पेशल सेल में मामला दर्ज किया गया है और जांच जारी है।

छग का बस्तर पंडुम बस्तर की बदली पहचान का सशक्त प्रतीक : मोदी

एजेंसी (हि.स.)
रायपुर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 7 से 9 फरवरी के बीच छत्तीसगढ़ में आयोजित बस्तर पंडुम को बस्तर की समृद्ध संस्कृति, परंपरा और जनजातीय विरासत का भव्य उत्सव बताया और उन्होंने इससे जुड़े सभी सहभागियों को हार्दिक बधाई दी।

प्रधानमंत्री मोदी ने मंगलवार को ट्वीट करते हुए लिखा कि बस्तर पंडुम जैसे आयोजन हमारी सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करने के साथ-साथ स्थानीय समुदायों को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा, एक समय बस्तर का नाम आते ही माओवाद, हिंसा और विकास में पिछड़ेपन की छवि उभरती थी, लेकिन आज परिस्थितियाँ पूरी तरह बदल चुकी हैं। अब बस्तर शांति, विकास और स्थानीय लोगों के बढ़ते आत्मविश्वास के लिए जाना जा रहा है। उन्होंने कामना की कि बस्तर का आने वाला समय शांति, प्रगति और सांस्कृतिक गौरव से परिपूर्ण हो।

प्रधानमंत्री मोदी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में बस्तर आज सांस्कृतिक गौरव और समावेशी विकास के सशक्त प्रतीक के रूप में अपनी नई पहचान गढ़ रहा है।

लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला पर सदन के संचालन में पक्षपात का आरोप लगाते हुए कांग्रेस एवं अन्य विपक्षी दलों ने उनके खिलाफ मंगलवार को अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस दिया। इस पर 116 सांसदों के हस्ताक्षर हैं। हालांकि इस पर तृणमूल कांग्रेस के किसी भी सांसद का हस्ताक्षर नहीं है। हस्ताक्षर करने वाले 116 सांसदों में राहुल गांधी का भी नाम नहीं है। लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता गौरव गोगोई ने पत्रकारों को बताया कि अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस लोकसभा महासचिव को संविधान के अनुच्छेद 94-सी के तहत दिया गया है। नोटिस पर 116 सांसदों के हस्ताक्षर हैं, जिनमें कांग्रेस, समाजवादी पार्टी (सपा), द्रविण मुनेत्र कड़गम (द्रमुक), राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और अन्य शामिल हैं। हालांकि गोगोई ने इस नोटिस पर तृणमूल कांग्रेस के सांसदों के हस्ताक्षर नहीं होने से जुड़े सवाल पर चुप्पी साध ली ।नोटिस में कहा गया है कि लोकसभा अध्यक्ष लगातार विपक्षी सांसदों को जनहित के मुद्दे उठाने से रोक रहे हैं। अनुच्छेद 94(सी) के तहत नोटिस दिया गया है क्योंकि अध्यक्ष खुलेआम पक्षपात कर रहे हैं। इसके साथ ही विपक्ष के आठ सांसदों को मनमाने ढंग से निलंबित कर दिया गया है; उन्हें केवल लोकतांत्रिक अधिकारों का प्रयोग करने के लिए दंडित किया जा रहा है ।नोटिस में लिखा गया है कि कई मौकों पर विपक्षी दलों के नेताओं को बोलने की अनुमति ही नहीं दी गई, जबकि यह उनका मौलिक अधिकार है ।नियमों के मुताबिक नोटिस मिलने के बाद प्रस्ताव पेश करने और इस पर चर्चा के लिए तारीख तय की जाती है, जो नोटिस की तिथि से कम से कम 14 दिन बाद होती है। आमतौर पर प्रस्ताव स्वीकार होने के 10 दिनों के भीतर बहस और मतदान होता है ।जब प्रस्ताव विचाराधीन होता है, तो अध्यक्ष सदन की अध्यक्षता नहीं कर सकते।

एक विधायक के रूप में आज जो उन्हें सम्मान दिया गया, वह उनके लिए भावुक और अविस्मरणीय : नितिन नवीन

एजेंसी (हि.स.)
पटना

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद पहली बार बिहार विधानसभा पहुंचे नितिन नवीन का सदन में विभिन्न दलों के सदस्यों ने गर्मजोशी से स्वागत किया। इस मौके पर भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने बिहार विधानसभा में अपने सम्मान के लिए सदन के सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि एक विधायक के रूप में जिस प्रकार आज उन्हें सम्मान दिया गया, वह उनके लिए भावुक और अविस्मरणीय क्षण है।

नितिन नवीन ने कहा, मैंने कभी कल्पना नहीं की थी कि आज का दिन इस रूप में आएगा। यह मेरे व्यक्तिगत प्रयास का नहीं, बल्कि आप सभी वरिष्ठ नेताओं और साथियों के मार्गदर्शन तथा आशीर्वाद का परिणाम है। मैं पूरे सदन को इसके लिए धन्यवाद देता हूं ।उन्होंने मुख्यमंत्री, वरिष्ठ मंत्रियों तथा विभिन्न दलों के नेताओं का नाम लेकर आभार प्रकट किया और कहा कि सदन में काम करते हुए उन्होंने लोकतांत्रिक मयार्दाओं, अनुशासन और जनप्रतिनिधि के दायित्वों को समझना सीखा है ।नवीन ने कहा कि राजनीति में आने वाले नए लोगों के लिए सदन एक शिक्षालय की तरह है, जहां पार्टी की विचारधारा के साथ-साथ जनता के मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाने और सदन की गरिमा बनाए रखने की सीख मिलती है ।एक विधायक के रूप में हमें जनता की आवाज भी उठानी होती है और सदन की मयार्दा का भी ध्यान रखना होता है ।इन दोनों के संतुलन से ही लोकतंत्र मजबूत होता है।

उन्होंने मुख्यमंत्री के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि विधायक बनने के बाद उन्होंने शासन में पारदर्शिता और सुशासन की प्रक्रिया को करीब से देखा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सेवा भावना और राज्य में सुशासन की स्थापना से प्रेरणा मिलती रही है ।नितिन नवीन ने कहा कि सदन और सरकार में रहते हुए छोटी-बड़ी घटनाओं से बहुत कुछ सीखने को मिला है। उन्होंने विश्वास जताया कि नए दायित्व के साथ भी वे लोकतांत्रिक मूल्यों, अनुशासन और जनसेवा की भावना को सर्वोपरि रखेंगे।

इस अवसर पर सत्ता पक्ष और सहयोगी दलों के नेताओं ने इसे बिहार के लिए गौरवपूर्ण क्षण बताया और उनके नेतृत्व में संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचने की कामना की। बिहार विधानसभा अध्यक्ष डॉ प्रेम कुमार ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर नेतृत्व की जिम्मेदारी संभालने वाले भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में नितिन नवीन का चयन सदन के लिए विशेष गौरव का विषय है। उन्होंने विधानसभा की ओर से उन्हें हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं।

उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में इस सदन के एक सदस्य का चयन होना पूरे सदन और बिहार की जनता के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि नितिन नवीन लंबे समय से सदन के सक्रिय सदस्य रहे हैं और अपनी कुशलता, सरलता तथा सुलभ व्यवहार से उन्होंने अलग पहचान बनाई है।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि साधारण कार्यकर्ता से शीर्ष नेतृत्व तक की उनकी यात्रा लोकतांत्रिक व्यवस्था में समर्पण और ईमानदारी के साथ किए गए कार्य का परिणाम है। यह भारतीय जनता पार्टी की उस कार्यसंस्कृति को भी दशार्ता है, जहां सेवा भाव से कार्य करने वाले प्रत्येक कार्यकर्ता को आगे बढ़ने का अवसर मिलता है।

उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने इसे ऐतिहासिक क्षण बताते हुए कहा कि पहली बार इस सदन का कोई सदस्य विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बना है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय नेतृत्व द्वारा बिहार को यह जिम्मेदारी देना राज्य के लिए सम्मान की बात है ।उन्होंने नितिन नवीन के मंत्री के रूप में किए गए कार्यों विशेषकर पथ निर्माण एवं निवेश के क्षेत्र का उल्लेख करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में संगठन और अधिक सशक्त होगा।

लोजपा (रामविलास) के विधायक राजू तिवारी ने चिराग पासवान की ओर से शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पूरे बिहार के लिए गौरव का विषय है। राष्ट्रीय लोक मोर्चा के माधव आनंद ने उपेंद्र कुशवाहा की ओर से बधाई देते हुए कहा कि यह सदन के लिए ऐतिहासिक दिन है। उन्होंने कहा कि जिस बिहार को कभी उपेक्षित दृष्टि से देखा जाता था, आज उसी बिहार के नेता को विश्व की सबसे बड़ी पार्टी का नेतृत्व सौंपा गया है। हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) की ज्योति मांझी ने 45 वर्ष की आयु में राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने को उल्लेखनीय उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि नितिन नवीन ने विधायक और मंत्री के रूप में राज्य के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और उनके नेतृत्व में पार्टी नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगी।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने इसे सदन के लिए गौरवशाली क्षण बताते हुए कहा कि नितिन नवीन का चयन पार्टी की कार्यकर्ता आधारित संस्कृति को दशार्ता है। उन्होंने विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में पार्टी उन राज्यों में भी विस्तार करेगी, जहां अभी संगठन को सुदृढ़ करने की आवश्यकता है। सदस्यों ने भी उनके सरल, सहज और कुशल व्यक्तित्व की सराहना करते हुए कहा कि यह उपलब्धि बिहार की प्रतिभा और राजनीतिक चेतना का प्रमाण है। सदन में सर्वदलीय भावना के साथ नितिन नवीन को बधाई दी गई और उनके सफल कार्यकाल की कामना की गई।

हिमाचल विधानसभा बजट सत्र के लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम, 500 जवान होंगे तैनात

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र को लेकर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया की अध्यक्षता में मंगलवार को विधानसभा सचिवालय में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर बैठक आयोजित की गई। इसमें राज्य सरकार और विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में स्पष्ट निर्देश दिए गए कि सत्र के दौरान सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह चाक-चौबंद रखी जाए और सदस्यों तथा अधिकारियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

पुलिस महानिदेशक अशोक तिवारी ने बैठक में जानकारी दी कि बजट सत्र के दौरान करीब 500 पुलिस जवान विधानसभा परिसर और आसपास के क्षेत्रों में तैनात रहेंगे। इसके अलावा सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से भी सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी की जाएगी। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि सुरक्षा में किसी भी प्रकार की चूक बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सभी विभाग आपसी तालमेल के साथ व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें।

बैठक में यह भी तय किया गया कि विधानसभा परिसर की मुख्य पार्किंग में केवल मंत्रियों, विधायकों और वरिष्ठ अधिकारियों के वाहनों को ही पार्किंग की अनुमति होगी। प्रेस प्रतिनिधियों और कर्मचारियों के लिए अलग-अलग स्थानों पर पार्किंग की व्यवस्था की जाएगी। विधानसभा परिसर में मोबाइल फोन, पेजर और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण अंदर ले जाने पर प्रतिबंध रहेगा, जबकि अधिकारियों, कर्मचारियों और पास धारकों को अपने पहचान पत्र और पास स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करने होंगे। साथ ही किसी भी पास को किसी अन्य व्यक्ति को देने पर कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी गई है।

सार्वजनिक सुरक्षा और प्रेस की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पत्रकारों के प्रवेश के लिए निर्धारित गेटों से ही आवाजाही की व्यवस्था रहेगी। विधानसभा परिसर में आपात स्थिति से निपटने के लिए आधुनिक सुविधाओं से लैस एंबुलेंस, डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ की भी तैनाती की जाएगी।हिमाचल विधानसभा का बजट सत्र 16 फरवरी से शुरू होगा, जिसकी अधिसूचना पहले ही जारी की जा चुकी है। हालांकि सत्र की कुल बैठकों की संख्या अभी तय नहीं हुई है। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू इसी बजट सत्र के दौरान वित्तीय वर्ष 2026झ27 का बजट पेश करेंगे। जानकारी के अनुसार 12 फरवरी को होने वाली कैबिनेट बैठक में बजट सत्र की तारीखों और कार्यक्रम पर अंतिम मुहर लगने की संभावना है।

सिकंदर कुमार ने संसद में उठाया हिमाचल की रंगस-लठियानी सड़क को राष्ट्रीय राजमार्ग बनाने का मुद्दा

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

राज्यसभा सांसद और भाजपा के प्रदेश महामंत्री डॉ. सिकंदर कुमार ने मंगलवार को संसद में हिमाचल प्रदेश के रंगसझ्लठियानी मार्ग को राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित करने की मांग उठाई। उन्होंने सदन के माध्यम से केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री से आग्रह किया कि इस महत्वपूर्ण सड़क को जल्द राष्ट्रीय राजमार्ग का दर्जा दिया जाए और इसके लिए आवश्यक बजट भी जारी किया जाए।

डॉ. सिकंदर कुमार ने बताया कि हमीरपुर और ऊना जिलों को जोड़ने वाला रंगसझ्लठियानी मार्ग क्षेत्र के लोगों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। यह मार्ग कांगू, धनेटा और बंगाणा होते हुए गुजरता है तथा धनेटा से बंगाणा तक सुरंग निर्माण का प्रस्ताव पहले से मौजूद है। लगभग 39 किलोमीटर लंबा यह सड़क हिस्सा क्षेत्र की ह्लजीवन रेखाह्व के रूप में काम करता है और लोगों की आवाजाही तथा स्थानीय व्यापार के लिए अत्यंत जरूरी है।

उन्होंने कहा कि यह मार्ग एनएच-503ए और एनएच-88 को जोड़ने वाली एक अहम कड़ी है। यदि इसे राष्ट्रीय राजमार्ग का दर्जा मिलता है तो सड़क की स्थिति बेहतर होगी, यातायात सुगम होगा और क्षेत्र के आर्थिक विकास को गति मिलेगी। साथ ही, दयोटसिद्ध स्थित बाबा बालक नाथ मंदिर सहित आसपास के धार्मिक स्थलों तक श्रद्धालुओं की पहुंच भी आसान हो जाएगी, जिससे पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा।

डॉ. सिकंदर कुमार ने यह भी कहा कि इस मार्ग से जुड़े विभिन्न सर्वेक्षण और विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) के लिए केंद्र सरकार पहले ही अनुमति दे चुकी है। उनके अनुसार यह सड़क राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित करने के निर्धारित मापदंडों, जैसे पिछड़े क्षेत्रों के विकास और दो महत्वपूर्ण क्षेत्रों को जोड़ने, पर पूरी तरह खरी उतरती है।

उन्होंने केंद्र सरकार से अपील करते हुए कहा कि क्षेत्र की जनता लंबे समय से इस मांग को उठा रही है, इसलिए रंगसझ्लठियानी मार्ग को राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित करने की प्रक्रिया तेज की जाए और इसी वित्त वर्ष में इसके लिए बजट उपलब्ध कराया जाए, ताकि वर्षों से सड़क के उन्नयन का इंतजार कर रहे लोगों को जल्द राहत मिल सके।

ट्रेड डील में सेब बागवानों के हित पूरी तरह सुरक्षित, विपक्ष फैला रहा भ्रम : जयराम ठाकुर

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा है कि मोदी सरकार ने अंतरराष्ट्रीय ट्रेड डील में हिमाचल प्रदेश सहित देशभर के सेब बागवानों के हितों का पूरा ध्यान रखा है और किसी भी स्तर पर उनसे समझौता नहीं किया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अमेरिका, यूरोपीय यूनियन और न्यूजीलैंड के साथ हुए व्यापारिक समझौतों से देश के बागवानों को कोई नुकसान नहीं होगा।

मंगलवार को शिमला से जारी बयान में जयराम ठाकुर ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा सेब के लिए न्यूनतम आयात मूल्य, सीमित आयात कोटा, मौसमी समय-सीमा और सेफगार्ड प्रावधानों को प्रभावी ढंग से लागू किया गया है। इन व्यवस्थाओं के कारण सस्ता विदेशी सेब भारतीय बाजारों में प्रवेश नहीं कर सकता और हिमाचल के बागवानों के हित पूरी तरह सुरक्षित हैं।

उन्होंने बताया कि यूरोपीय यूनियन से आने वाले सेब पर 80 प्रति किलो का न्यूनतम आयात मूल्य लागू है, जिससे उनकी लैंडेड कीमत 96 प्रति किलो से कम नहीं होती। न्यूजीलैंड से आयातित सेब उच्च न्यूनतम आयात मूल्य और शुल्क के चलते लगभग 140 प्रति किलो की प्रीमियम श्रेणी में ही आते हैं। इसी तरह अमेरिका से आने वाले सेब पर 80 प्रति किलो का न्यूनतम आयात मूल्य और 25 प्रतिशत आयात शुल्क लागू होने के बाद उनकी लैंडेड कीमत लगभग 105 प्रति किलो रहती है। इसके अलावा सभी देशों के लिए आयात कोटा निर्धारित है और तय सीमा से अधिक आयात पर शुल्क और बढ़ जाता है।

जयराम ठाकुर ने कहा कि देश में सेब का कुल घरेलू उत्पादन लगभग 22 लाख मीट्रिक टन है, जबकि आयात करीब 5.5 लाख मीट्रिक टन के आसपास ही है, जो पूरी तरह नियंत्रित और विनियमित ढांचे के अंतर्गत है।

उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस समेत अन्य राजनीतिक दल सेब के मुद्दे पर केवल भ्रम फैलाने का काम कर रहे हैं। जयराम ठाकुर ने बागवानों को आश्वस्त किया कि भारतीय जनता पार्टी उनकी आवाज के साथ मजबूती से खड़ी है और भविष्य में भी सेब उत्पादकों के हितों से कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

जम्मू विश्वविद्यालय में फैकल्टी क्षमता निर्माण कार्यशाला का शुभारंभ

एजेंसी (हि.स.)
जम्मू

जम्मू विश्वविद्यालय के पंजाबी विभाग के सेमिनार हॉल में आज पांच दिवसीय फैकल्टी क्षमता निर्माण कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। इस कार्यशाला का संयुक्त आयोजन बौद्ध अध्ययन विभाग और मालवीय मिशन टीचर ट्रेनिंग सेंटर द्वारा किया जा रहा है।

कार्यशाला का औपचारिक उद्घाटन जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश सरकार के प्रधान सचिव (सीईओ) संजीव वर्मा ने किया। अपने उद्घाटन संबोधन में उन्होंने जम्मू-कश्मीर की समृद्ध बौद्ध विरासत पर समकालीन संदर्भों में केंद्रित शोध की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की जीवंत मठ परंपराएं, पुरातात्विक स्थल और अंतर-सांस्कृतिक संपर्क अकादमिक अध्ययन, सांस्कृतिक सौहार्द, अंतरधार्मिक संवाद और सतत पर्यटन को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने डोगरी भाषा और संस्कृति पर शोध को भी विशेष रूप से रेखांकित किया।मुख्य वक्तव्य डॉ. मदन कुमार झा, वरिष्ठ संकाय सदस्य, केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, कोट-भलवाल द्वारा दिया गया। उन्होंने प्राचीन भारतीय ज्ञान परंपरा और आधुनिक शिक्षाशास्त्र के समन्वय पर प्रकाश डालते हुए पंचकोश सिद्धांत, अनुभवात्मक शिक्षण और मूल्य आधारित शिक्षा की प्रासंगिकता को रेखांकित किया। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 इस समन्वय को सक्रिय रूप से प्रोत्साहित करती है। एमएमटीटीसी के निदेशक प्रो. एस.के. पंडिता ने ऐसे अकादमिक आयोजनों को शिक्षकों के लिए राष्ट्रीय शोध प्रवृत्तियों से जुड़ने का सशक्त माध्यम बताया। इससे पूर्व बौद्ध अध्ययन विभाग के अध्यक्ष प्रो. मोहम्मद रेयाज ने प्रतिभागियों का स्वागत किया। कार्यशाला में 35 फैकल्टी सदस्यों ने भाग लिया, जिनमें कठुआ, बिलावर, बसंतगढ़, बसोहली और उधमपुर जैसे दूरस्थ क्षेत्रों के प्रतिभागी भी शामिल हैं।

स्मार्ट एमएसएमई कार्यशाला में डिजिटल परिवर्तन और सरकारी ई-मार्केटप्लेस पर जोर

एजेंसी (हि.स.)
मंडी

मंडी में आयोजित स्मार्ट एमएसएमई कार्यशाला में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों को डिजिटल परिवर्तन, सरकारी ई-मार्केटप्लेस, व्यवसाय योजना तथा वित्तीय प्रबंधन से जुड़ी व्यावहारिक जानकारी दी गई।

इस कार्यशाला में मंडी क्षेत्र के 40 से अधिक उद्यमियों और उद्योग प्रतिनिधियों ने सक्रिय सहभागिता करते हुए आधुनिक तकनीक आधारित औद्योगिक विकास पर मंथन किया। एमएसएमई मंत्रालय, भारत सरकार, हिमाचल प्रदेश सरकार तथा उद्योग विभाग हिमाचल प्रदेश के सहयोग से सीईएलझ्स्मार्ट एमएसएमई द्वारा होटल क्लासिको मंडी में इस कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य मंडी क्षेत्र के उद्यमों को स्मार्ट एमएसएमई योजना के अंतर्गत डिजिटल परिवर्तन, क्षमता निर्माण, क्लस्टर विकास, सरकारी ई-मार्केटप्लेस आधारित व्यापार अवसरों, वित्तीय प्रबंधन तथा विभिन्न सरकारी सहायता योजनाओं की जानकारी प्रदान करना रहा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला उद्योग केंद्र मंडी की महाप्रबंधक चौहान ने की। कार्यशाला के दौरान डिजिटल परिवर्तन विशेषज्ञ तुषार सैनी ने तकनीकी सत्र प्रस्तुत करते हुए उद्योग 4.0 समाधान, स्मार्ट विनिर्माण उपकरण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सरकारी ई-मार्केटप्लेस पोर्टल, व्यवसाय योजना निर्माण तथा वित्तीय प्रबंधन के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला।

उन्होंने बताया कि डिजिटल टूल्स, सुदृढ़ वित्तीय प्रबंधन और सुव्यवस्थित योजना के माध्यम से एमएसएमई इकाइयां अपनी उत्पादकता, प्रतिस्पर्धात्मकता और बाजार पहुंच को मजबूत कर सकती हैं।

जम्मू-कश्मीर में 12 फरवरी को मनाई जाएगी फाल्गुन संक्रांति

एजेंसी (हि.स.)
जम्मू

जम्मू-कश्मीर सहित देशभर में फाल्गुन संक्रांति का पावन पर्व वर्ष 2026 में 12 फरवरी, गुरुवार को श्रद्धा और आस्था के साथ मनाया जाएगा। इस अवसर पर सूर्य देव मकर राशि से निकलकर कुम्भ राशि में प्रवेश करेंगे, इसी कारण इसे कुम्भ संक्रांति भी कहा जाता है। श्री कैलख ज्योतिष एवं वैदिक संस्थान ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं ज्योतिषाचार्य महंत रोहित शास्त्री के अनुसार सूर्य देव का यह गोचर अर्धरात्रि के बाद प्रातः 4 बजकर 08 मिनट पर होगा, जबकि संक्रांति का पुण्य काल अगले दिन प्रातः 10:32 बजे तक रहेगा।

ज्योतिषाचार्य के अनुसार फाल्गुन संक्रांति का प्रभाव जम्मू-कश्मीर सहित पूरे देश पर देखने को मिलेगा। यह संक्रांति मेष, मिथुन, कन्या, तुला, धनु और मकर राशि के जातकों के लिए विशेष रूप से शुभ मानी जा रही है। वहीं कुछ क्षेत्रों में प्राकृतिक अस्थिरता, भूकंपीय गतिविधियों और सामाजिक तनाव की आशंका भी जताई गई है जिसको देखते हुए संयम और सतर्कता बरतने की सलाह दी गई है।

जम्मू-कश्मीर में इस दिन सूर्य देव, सत्यनारायण भगवान और इष्टदेव की पूजा, स्नान, दान और जप-तप का विशेष महत्व रहेगा। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन किया गया दान सौ गुना पुण्य प्रदान करता है। तिल, शुद्ध घी, कंबल, फल और सरसों के तेल का दान विशेष फलदायी माना गया है। गंगा स्नान संभव न होने की स्थिति में घर पर जल में गंगाजल मिलाकर स्नान करने की भी शास्त्रों में अनुमति दी गई है।

संक्षिप्त-समाचार

सरकार जम्मू के लिए दीर्घकालिक जल सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय जल नियंत्रण पर लगी रोक का लाभ उठाएगी: मुख्यमंत्री

जम्मू। जम्मू के लिए दीर्घकालिक जल सुरक्षा योजना की आवश्यकता पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने मंगलवार को कहा कि सरकार सिंधु जल संधि (आईडब्ल्यूटी) के वर्तमान निलंबन का पूरा लाभ उठाकर क्षेत्र के लिए प्रमुख जल अवसंरचना परियोजनाओं को लागू करने का इरादा रखती है। जम्मू कश्मीर विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान शाम लाल शर्मा सहित कई भाजपा विधायकों द्वारा यह मुद्दा उठाए जाने के बाद अब्दुल्ला ने कहा कि निष्क्रिय ट्यूबवेल और अन्य जल स्रोतों को पुनर्जीवित करने के प्रयास जारी हैं लेकिन ये कदम केवल अल्पकालिक उपाय हैं और जम्मू की भविष्य की जल आवश्यकताओं को पूरा नहीं कर सकते। मुख्यमंत्री ने कहा, ₹शर्मा का यह कहना सही है कि यह घाव पर पट्टी बांधने जैसा है,₹ और इस बात पर जोर दिया कि योजना अगले 30 से 50 वर्षों को ध्यान में रखकर बनाई जानी चाहिए जब पारंपरिक जल स्रोत पर्याप्त नहीं रह जाएंगे।

त्रिलोकपुर मंदिर में मुरमरे चढ़ाने पर प्रतिबंध, हलवा, मीठी खीलें चढ़ा सकेंगे श्रद्धालु

नाहन। सिरमौर जिला का त्रिलोकपुर उत्तर भारत की प्रसिद्ध सिद्धपीठ माता बाला सुंदरी मंदिर के लिए जाना जाता है। यहां पर माता दुर्गा अपने बाल रूप में एक पिंडी में विराजमान हैं। अश्विन व शरद नवरात्रों में जहां यहां लाखों की संख्या में श्रद्धालु प्रदेश सहित पड़ोसी राज्यों से पहुंचते हैं और वर्ष भर यहां श्रद्धालुओं का आना जाना लगा रहता है। मंदिर परिसर में स्वछता के मद्दे नजर अब माता बाला सुंदरी मंदिर में फीकी खीलों यानि मुरमुरे का प्रसाद प्रतिबंधित किया गया है जबकि श्रद्धालु मीठी खीलें, हलवा आदि प्रसाद चढ़ा सकते हैं। एसडीएम नाहन व संयुक्त सचिव माता बाला सुंदरी ट्रस्ट राजीव सांख्यान ने बताया कि फीकी खीलें हल्की होने के कारण हवा से उड़कर इधर उधर फेल जाती हैं और प्रसाद लोगो के पाओं में भी लगता है और इससे परिसर की स्वछता भी प्रभावित होती है। इसी को देखते हुई अब मंदिर में यह प्रसाद नहीं चढ़ाया जायेगा। इसके इलावा मीठी खील, हलवा आदि चढ़ाये जा सकेंगे। इसके लिए दुकानदारों से भी चर्चा की गयी है की जबतक उनके पास इन फीकी खीलों का स्टॉक है तब तक बेच सकेंगे लेकिन उसके बाद यह सामग्री प्रतिबंधित हो जाएगी।

मंडी शिवरात्रि महोत्सवः सांस्कृतिक कार्यक्रमों से संकन गार्डन होगा गुलजार

मंडी। अंतरराष्ट्रीय शिवरात्रि महोत्सव-2026 के उपलक्ष्य में पांच सौ वर्ष प्राचीन मंडी नगर पूरी तरह से तैयार है। इस बार महोत्सव की विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों को और जीवंत बनाते हुए इनके आयोजन में कई सकारात्मक बदलाव किए गए हैं। मंडी की धड़कन संकन गार्डन में शास्त्रीय संगीत से लेकर नृत्य, भजन व साहित्य उत्सव जैसी गतिविधियां आयोजित कर लोगों को इससे जोड़ने का प्रयास आयोजन समिति की ओर से किया गया है। उपायुक्त अपूर्व देवगन ने बताया कि भाषा, कला, संस्कृति विभाग के सहयोग से आयोजित होने वाली सांस्कृतिक गतिविधियां इस बार संकन गार्डन में ऐतिहासिक घंटाघर के सामने होंगी। उन्होंने बताया कि 10 फरवरी को सायं 6.00 बजे से इंदिरा मार्केट परिसर में स्थित ओपन थियेटर में शास्त्रीय संगीत कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इसमें गायन, वादन और नृत्य प्रस्तुतियां दी जाएगी। उन्होंने बताया कि 11 फरवरी को भजन संध्या का आयोजन संकन गार्डन में सायं छह बजे से किया जाएगा। इसके अलावा 12 व 13 फरवरी को संस्कृति सदन मंडी में प्रातः 11.00 बजे से नाटक मंचन किया जाएगा। इसमें नाट्य विधा से जुड़े कलाकारों को एक मंच प्रदान करने का प्रयास किया जाता है। उन्होंने बताया कि 17 फरवरी को संस्कृति सदन में कवि सम्मेलन व मंडयाली गीता पाठ प्रातः 11 बजे से आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कला-संस्कृति से जुड़ी विविध गतिविधियों का आयोजन इस बार शहर के बीचोंबीच संकन गार्डन में किया जा रहा है, ताकि लोगों की इसमें सहभागिता बढ़ाई जा सके। इसके लिए आयोजन स्थल को आकर्षक ढंग से सजाया गया है। उन्होंने लोगों से अपील की है कि शिवरात्रि महोत्सव एवं मंडी नगर के पांच सौवें वर्ष में प्रवेश के इन ऐतिहासिक पलों का आनंद लेने के लिए इन आयोजनों में अपनी सक्रिय सहभगिता जताएं। उन्होंने कहा कि इससे विविध कलाओं से जुड़े हमारे कलाकारों का उत्साहवर्द्धन भी होता है।

हिमाचल में संगठन सृजन कार्यक्रम में शामिल होंगे कांग्रेस नेता कर्मवीर कुमार बोध

मंडी। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अनुसूचित विभाग के राष्ट्रीय समन्वयक कर्मवीर कुमार बोध संगठन सृजन कार्यक्रम के तहत हिमाचल प्रदेश के दौरे पर आ रहे हैं। हिमाचल प्रदेश जनमानस उत्थान समिति के अध्यक्ष तेज लाल चंदेल ने बताया कि वर्तमान समय में हिमाचल प्रदेश में अनुसूचित जाति विभाग कार्यकारिणी भंग कर दी गई है, इसी संदर्भ में संगठन सृजन कार्यक्रम का आयोजन हिमाचल प्रदेश में किया जा रहा है । जिसके चलते कर्मवीर कुमार बोध अपने भ्रमण कार्यक्रम अनुसार हिमाचल प्रदेश में 11 फरवरी से 15 फरवरी तक प्रवास पर रहेंगे। इस दौरान वे हिमाचल प्रदेश के सात जिला स्तर पर अनुसूचित जाति के कांग्रेस कार्यकताओं से सीधे तौर पर संगठन सृजन संबंधी संवाद करेंगे। तेज लाल चंदेल ने जिला मंडी के जिल ,खंड और पंचायत स्तर के सभी अनुसूचित जाति कर्मठ एवं कांग्रेस हितेषी कार्यकताओं खास तौर पर मातृ शक्ति एवं नौजवान साथियों से अनुरोध किया है कि वे 12 फरवरी को सुबह 11:00 बजे गांधी भवन मंडी में आ कर अपनी उपस्थिति दर्ज करें तथा अनुसूचित जाति विभाग संगठन सृजन कार्यक्रम का हिस्सा बनें। जिससे मंडी के लिए जिला जिला स्तर से बुथ स्तर तक सुदृढ़ और टिकाऊ अनुसूचित जाति विभाग की एक नई कार्यकारिणी का सृजन किया जा सके।

आश्वासन — पीपल संस्कार पूजा कार्यक्रम में शामिल मंत्री

सुन्नी में दूर होगा जल संकट, एक माह में पूरी होगी परियोजना : विक्रमादित्य सिंह

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

लोक निर्माण एवं शहरी विकास मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने कहा है कि सुन्नी क्षेत्र में पेयजल संकट से निपटने के लिए लगभग 25 करोड़ रुपये की योजना पर तेजी से काम चल रहा है और अगले एक महीने के भीतर यह परियोजना शुरू हो जाएगी, जिससे क्षेत्र के लोगों को बेहतर पानी की सुविधा मिल सकेगी। वह मंगलवार को शिमला ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के सुन्नी में आयोजित पीपल संस्कार पूजा कार्यक्रम में शामिल होने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे।

विक्रमादित्य सिंह ने बताया कि सुन्नी अस्पताल में खाली पड़े पदों को भरने के लिए भी प्रयास किए जा रहे हैं और इस संबंध में वह समय-समय पर स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री से चर्चा कर रहे हैं, ताकि स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत किया जा सके। उन्होंने कहा कि सुन्नी में क्रिटिकल केयर यूनिट स्थापित करने के लिए सैद्धांतिक स्वीकृति पहले ही मिल चुकी है और इसके लिए बजट स्वीकृति प्राप्त करने का मामला केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री के समक्ष उठाया जाएगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस परियोजना के लिए लगभग 25 करोड़ रुपये की राशि जल्द स्वीकृत होने पर भवन निर्माण कार्य शुरू किया जा सकेगा।मंत्री ने कहा कि सुन्नी क्षेत्र में कई अन्य विकास कार्य भी चल रहे हैं, जिनमें इंटरलॉकिंग टाइल्स लगाना, सोलर लाइट्स स्थापित करना और सुन्नी बाजार में नालियों का निर्माण शामिल है। उन्होंने कहा कि इन कार्यों से क्षेत्र की आधारभूत सुविधाओं में सुधार होगा।

इस दौरान विक्रमादित्य सिंह अपनी पत्नी डॉ. अमरीन सिंह के साथ सुन्नी चौक में आयोजित पीपल संस्कार पूजा में भी शामिल हुए और पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार पीपल वृक्ष के सात फेरे लिए। उन्होंने बताया कि यह पीपल का पौधा वर्ष 2014-15 में उनके पिता और पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय राजा वीरभद्र सिंह ने लगाया था। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और पूर्वजों के प्रति सम्मान का प्रतीक भी है।

सुन्नी क्षेत्र में सतलुज का डिसिल्टेशन जल्द शुरू होगा: उपायुक्त अनुपम कश्यप

शिमला। शिमला जिले के सुन्नी क्षेत्र में सतलुज नदी में बढ़ती सिल्ट की समस्या से राहत देने के लिए जल्द डिसिल्टेशन (गाद हटाने) का कार्य शुरू किया जाएगा। उपायुक्त शिमला अनुपम कश्यप ने मंगलवार को बचत भवन में आयोजित बैठक में यह जानकारी दी। बैठक में कोलडैम हाइड्रो पावर स्टेशन से जुड़ी बाथिमेट्री और सिल्टेशन रिपोर्ट पर चर्चा की गई, जिसे एनटीपीसी ने प्रशासन को सौंपा है। उपायुक्त ने बताया कि सुन्नी क्षेत्र में बढ़ती सिल्ट को देखते हुए कोलडैम प्रबंधन को सोनार तकनीक के माध्यम से बाथिमेट्री और सिल्टेशन सर्वेक्षण करवाने के निर्देश दिए गए थे। इसके तहत आईआईटी रुड़की के सहयोग से यह सर्वेक्षण कराया गया और अब इसकी रिपोर्ट प्रशासन को सौंप दी गई है। बाथिमेट्री अध्ययन के माध्यम से पानी के भीतर की सतह की गहराई और तल की स्थिति का आकलन किया गया है, जिससे नदी के तल में जमा सिल्ट की वास्तविक स्थिति सामने आई है। रिपोर्ट के अनुसार सिल्ट के आधार पर क्षेत्र को तीन जोन–तातापानी, सुन्नी और चाबा–में बांटा गया है। अध्ययन में वर्ष 2014 से 2023 के बीच सिल्ट के जमाव में बदलाव देखा गया है। खासकर चाबा क्षेत्र में वर्ष 2022 और 2023 के दौरान अधिक सिल्ट जमा होने की जानकारी सामने आई है, जिसका कारण सड़क निर्माण, विभिन्न परियोजनाओं के कार्य और बाढ़ जैसी स्थितियां मानी गई हैं। हालांकि रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि जलाशय में सिल्ट का जमाव अभी उसकी निर्धारित क्षमता से कम है।उपायुक्त अनुपम कश्यप ने कहा कि रिपोर्ट में डिसिल्टेशन के स्पष्ट सुझाव दिए गए हैं और प्रशासन इस दिशा में विस्तृत योजना तैयार कर रहा है। सभी जरूरी अनुमतियों और नियमों का अध्ययन करने के बाद एक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) बनाई जाएगी, ताकि नियमानुसार डिसिल्टेशन का कार्य शुरू किया जा सके। उन्होंने कहा कि समय रहते गाद हटाने का काम शुरू होने से जलस्तर अनियंत्रित रूप से बढ़ने की आशंका कम होगी और मानसून के दौरान आसपास के क्षेत्रों को संभावित खतरे से भी राहत मिलेगी।

दैनिक सिटी दर्पण
आईना सच का
नवोन्मेषकः स्व. कृष्णा शर्मा
स्व. गीता शर्मा
संस्थापकः सतपॉल शर्मा
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक भुपेंद्र शर्मा द्वारा इंप्रेशन्ज प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लॉट नं. 22, ग्राउंड फ्लोर, फेस-2, इंडस्ट्रियल एरिया, पंचकूला-134113 (हरियाणा) पर मुद्रित एवं 801/1 सेक्टर-40ए, चंडीगढ़ से प्रकाशित- 160036
सभी विवादों का केंद्र न्यायालय चंडीगढ़ होगा।
स्थानीय कार्यालय
801/1, सेक्टर-40ए, चंडीगढ़।
संपर्कः 7888450261
Email: citydarpan1@gmail.com

पेंशन को लेकर विपक्ष फैला रहा भ्रम, हर गरीब तक सीधा लाभ पहुंचा रही है डबल इंजन सरकार: नायब सिंह सैनी

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि पेंशन को लेकर विपक्ष भ्रामक प्रचार कर रहा है।जबकि लाभार्थी का पैसा सीधा उस गरीब आदमी के खाते में जाए इस गारंटी के साथ डबल इंजन सरकार काम कर रही है। मोदी सरकार की गारंटी पर देश की जनता को विश्वास है। मुख्यमंत्री मंगलवार को हरियाणा निवास में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने इस दौरान एक सवाल का जवाब देते हुए कहा कि कांग्रेस ने तो झूठ की दुकान खोली हुई है और लगातार इसके नेता भ्रामक प्रचार करने में लगे है। कांग्रेसी नेता लगातार बयान दे रहे है कि प्रदेश में दो लाख लोगों की पेंशन काट दी गई है। जबकि सच यह है कि बुजुर्गों का सम्मान करना तो हमारी सरकार की प्राथमिकता है। इस दौरान सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री श्याम सिंह राणा, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री श्री कृष्ण कुमार बेदी, मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव श्री राजेश खुल्लर भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने भी बुजुर्गों के हितों की हमेशा बात की है और हमने भी अपने संकल्प पत्र में भी कहा था कि 70 साल से ऊपर के बुजुर्गों को अगर किसी प्रकार की दिक्कत आती है या फिर उनका स्वास्थ्य खराब होता है, तो उनके इलाज की चिंता उनके परिवार को नहीं करनी। बल्कि ईलाज की चिंता मोदी सरकार और हरियाणा सरकार करेगी। इसी के तहत 70 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों को 5 लाख रुपये तक का ईलाज मुफ्त दिया जा रहा है।

पंजाब में केवल 1500 रुपये पेंशन: मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने पंजाब का जिक्र करते हुए कहा कि वहां पर पेंशन केवल मात्र 1500 रुपये दी जा रही है। पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि पंजाब की जनता को वहां की सरकार ने सब्जबाग दिखाए है कि पेंशन 2500 रुपये कर देंगे, लेकिन किया कुछ नहीं। जबकि बीजेपी सरकार ने जो कहा वो किया, और आज देश में सबसे ज्यादा बुजुर्ग सम्मान राशि हरियाणा में दी जा रही है।

विपक्षी उंगली कटवा कर शहीद होना चाहते है: मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि कांग्रेस की बात हो या इनेलो की। जब इनकी सरकार थी, तब इन्होंने कुछ नहीं किया। पेंशन में केवल नाम मात्र बढ़ोतरी की गई। पेंशन को लेकर तो इनका हाल ऐसा है कि उंगली कटवाकर खुद को शहीद साबित करने की कोशिश कर रहे है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की बीजेपी सरकार ने कभी इनकम स्लैब नहीं लगाई, लेकिन इस पर भी आमजन को गुमराह किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि इनेलो के पांच साल के शासनकाल में वृद्धावस्था पेंशन में केवल 200 रुपये की बढ़ोतरी हुई। इसी प्रकार, कांग्रेस के 10 वर्ष के शासनकाल में केवल 700 रुपये की बढ़ोतरी हुई। जबकि वर्तमान बीजेपी सरकार ने पिछले 11 वर्षों में वृद्धावस्था पेंशन 1,000 रुपये से बढ़ाकर 3200 रुपये मासिक की है। इस प्रकार, सरकार ने वृद्धावस्था पेंशन में सबसे ज्यादा 2200 रुपये की बढ़ोतरी की है। वर्तमान में 20 लाख 31 हजार 367 बुजुर्गों को वृद्धावस्था पेंशन का लाभ मिल रहा है।

आय सीमा हमारी सरकार ने नहीं लगाई: मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि वृद्धावस्था पेंशन पर आय सीमा प्रदेश की बीजेपी सरकार ने नहीं लगाई। प्रदेश में वृद्धावस्था पेंशन पर पहली बार 10 हजार रुपये वार्षिक आय सीमा 13 अगस्त, 1992 को लगाई गई थी। उस समय प्रदेश में कांग्रेस की सरकार थी, उस समय वृद्धावस्था पेंशन भी 100 रुपये मासिक थी। उस समय 6 लाख 50 हजार बुजुर्गों को वृद्धावस्था पेंशन का लाभ मिलता था। इसके बाद पहली नवंबर, 1999 को इनेलो ने अपने कार्यकाल में वृद्धावस्था पेंशन 100 रुपये से बढ़ाकर 200 रुपये मासिक की।

लता मंगेशकर भारतीय संगीत की अमूल्य धरोहर: प्रो. वीरेन्द्र पाल

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा के मार्गदर्शन में संस्कार भारती एवं संगीत क्लब, संगीत एवं नृत्य विभाग के संयुक्त तत्वावधान में भारत रत्न, स्वर साम्राज्ञी लता मंगेशकर की पुण्यतिथि के अवसर पर ह्रस्वरांजलिह्व कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुलसचिव प्रो. वीरेंद्र पाल ने दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि लता मंगेशकर भारतीय संगीत की अमूल्य धरोहर थीं, जिनकी स्वर साधना आने वाली पीढ़ियों के लिए सदैव प्रेरणास्रोत बनी रहेगी। उन्होंने ऐसे सांस्कृतिक कार्यक्रमों को विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत आवश्यक बताया।

विभागाध्यक्ष प्रो. कृष्णा देवी ने अपने संबोधन में कहा कि लता मंगेशकर भारतीय संगीत की आत्मा थीं, जिनकी गायकी ने भारतीय संस्कृति को विश्व पटल पर विशेष पहचान दिलाई। उन्होंने विद्यार्थियों से उनके संगीत से प्रेरणा लेकर निरंतर अभ्यास एवं साधना के माध्यम से कला को समृद्ध करने का आह्वान किया।इस कार्यक्रम में 18 विद्यार्थियों ने अपनी प्रस्तुति दी। टिम्मी वर्मा, रीतू, मुस्कान, यशस्वनी, सलोनी, अमन, एकता, पुष्पा, हिमांशु, निहारिका, नेहा, साहिल ने गीत गाकर कार्यक्रम का सांगीतिक शुभारंभ किया। एमपीए के छात्र माधव भाटिया ने हारमोनियम पर तथा विकास ने तबले पर संगत की।छात्र माधव भाटिया तथा गौरव ने बांसुरी वादन कर सबको आनंदित किया।कार्यक्रम का संचालन विभाग के शिक्षक डॉ. पुरुषोत्तम कुमार ने किया।इस अवसर पर गुलजारी लाल नंदा केन्द्र की निदेशक प्रो. शुचिस्मिता, डॉ. सौरभ चौधरी, प्रो. सुनीता सिरोहा, संस्कार भारती अध्यक्ष आशीष सभरवाल, डॉ. सीमा जौहरी, डॉ. अशोक शर्मा, डॉ. हरविन्दर सिंह लौंगोवाल, डॉ. सुधीर, राधिका सभरवाल, विजय सभरवाल, शशि सभरवाल, संत महंतपुरी जी, धीरज गुलाटी, डॉ. आरती, डॉ. दीपक, डॉ. ज्ञान सागर, डॉ. सोमपाल, डॉ. संजीव कुमार, डॉ. सुशील कुमार, डॉ. पूजा चौधरी, संजना रानी, नितिन, सुरेन्द्र कुमार, अरविंद भट्ट, इलियास, अश्वनी पाल सहित विभाग के विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

हरियाणा में बनेगी देश की पहली झूला सेफ्टी पॉलिसी: नायब सिंह सैनी

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा सरकार ह्लझूला सेफ्टी पॉलिसीह्व बनाएगी। यह देश में अपनी तरह की पहली नीति होगी, जिसका उद्देश्य झूलों और मनोरंजन साधनों को पूरी तरह सुरक्षित बनाना है। इस पॉलिसी से लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी। मुख्यमंत्री मंगलवार को हरियाणा निवास पर पत्रकारों से रूबरू हो रहे थे। इस दौरान सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री श्याम सिंह राणा, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री श्री कृष्ण कुमार बेदी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि भविष्य में सूरजकुंड जैसी झूला टूटने की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो, इसके लिए सरकार ठोस और प्रभावी कदम उठाएगी। उन्होंने सूरजकुंड में हुए हादसे को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि इस हादसे को सरकार बेहद गंभीरता से ले रही है। इस मामले में दो लोगों की गिरफ्तारी की जा चुकी है। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हादसे में घायल हुए सभी लोगों का इलाज चल रहा है, उनके इलाज का पूरा खर्च हरियाणा सरकार वहन करेगी। इसके साथ ही गंभीर रूप से घायल हुए प्रत्येक व्यक्ति को 1 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी।हादसे में शहीद होने वाले इंस्पेक्टर जगदीश के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि शहीद पुलिसकर्मी के परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाएगी और आर्थिक मदद भी की जाएगी।

प्रभात वेला में किया गया नाम स्मरण अत्यंत श्रेष्ठ : गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज के सानिध्य में श्री कृष्ण कृपा गौशाला सेवा समिति द्वारा आकाश नगर में प्रभात फेरी का आयोजन किया गया। सुंदर कांड महिला मंडल अकाश नगर द्वारा आयोजित इस प्रभात फेरी में भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया और प्रभु के नाम का स्मरण किया। भजन रसिकों ने जब भक्तों के घर भी सांवरे आते रहा करो.......भजन गाया तो श्रद्धालुओं ने इस भजन पर नृत्य करते हुए झूम -झूम कर वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

इस अवसर पर गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज ने अपने आर्शीवचन में नाम स्मरण पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रभात वेला में किया गया नाम स्मरण अत्यंत श्रेष्ठ होता है तथा सामूहिक रुप से नाम जप करने से उसका पुण्य एवं प्रभाव और अधिक बढ़ जाता है। गीता मनीषी ने श्रीमद् भगवद् गीता को विश्व का सर्वश्रेष्ठ पवित्र ग्रंथ बताते हुए कहा कि गीता भारत का गौरव है। मानव की हर समस्या का समाधान गीता में है। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं से गीता को जीवन में अपनाने और प्रतिदिन गीता पाठ करने का आह्वान किया। गाय सेवा पर बल देते हुए स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज ने कहा कि गाय में 33 करोड़ देवी-देवताओं का वास होता है। गाय का पंचामृत अनेक बीमारियों का निदान करता है। गाय सेवा से बढ़कर कोई सेवा नहीं है। उन्होंने कहा कि बेसहारा गोवंश को सड़कों पर नहीं छोड़ना चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति को गाय सेवा करनी चाहिए।

गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज ने प्रभात फेरी के आयोजक सुंदरकांड महिला मंडल को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर श्री कृष्ण कृपा गौशाला सेवा समिति के प्रधान सुनील वत्स, जीओ गीता कुरुक्षेत्र के प्रधान डॉ. रिषीपाल, राजेंद्र चोपड़ा, नरेश मोगिंया, हंसराज सिंगला, विजय नरूला, नवीन भारद्वाज, अशोक अरोड़ा, पवन भारद्वाज, धर्मपाल शर्मा, तरूण धमीजा, संजय आहूजा, दीपक आहूजा, रामकुमार, रमाकांत, जय भगवान, सुरेन्द्र, फतेह चंद गांधी, अनिल शर्मा, सुशील खुराना, राजीव बंसल, जोगिन्द्र शर्मा, आचार्य अमित पाण्डेय सहित अनेक गणमान्य श्रद्धालुओं ने प्रभात फेरी में भाग लिया।

समिति के प्रधान सुनील वत्स ने जानकारी दी कि 7 फरवरी से 21 फरवरी तक होली के उपलक्ष्य में नगर के विभिन्न भागों में प्रातः 5 से 7 बजे तक प्रभात फेरियां आयोजित की जा रही है। श्री कृष्ण कृपा गौशाला के प्रांगण में 25 फरवरी से 3 मार्च तक भागवत कथा का भव्य आयोजन किया जाएगा। 4 मार्च को गीता मनीषी के सानिध्य में होली उत्सव श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाएगा तथा फूलों की होली खेली जाएंगी। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं से इस कार्यक्रम में भाग लेकर पुण्य अर्जित करने की अपील की।

संक्षिप्त-समाचार

वित्तीय आयुक्त डॉ. सुमिता मिश्रा ने राजस्व अधिकारियों को सहानुभूतिपूर्ण विचार का दिया आश्वासन

चंडीगढ़। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग की वित्तीय आयुक्त डॉ. सुमिता मिश्रा और भूमि जोत एवं भूमि अभिलेख समेकन निदेशक डॉ. यश पाल के साथ मिलकर आज यहां राजस्व अधिकारियों के प्रतिनिधियों के साथ विस्तृत और रचनात्मक चर्चा की है और उन्हें आश्वासन दिया है कि उनकी सभी समस्याओं पर कानून और स्थापित प्रक्रियाओं के अनुसार सहानुभूतिपूर्वक विचार किया जाएगा। डा. मिश्रा ने उन्हें आश्वासन दिया कि उचित प्रक्रिया का पालन किया जाएगा और प्रत्येक मामले पर निष्पक्ष और वस्तुनिष्ठ रूप से विचार किया जाएगा। डॉ. मिश्रा ने कहा कि राजस्व अधिकारी प्रशासनिक व्यवस्था की रीढ़ हैं और कई विभाग उनके काम पर निर्भर करते हैं। उन्होंने कहा कि विभाग और सरकार की हमेशा से यह नीति रही है कि नए उपक्रमों में फील्ड अधिकारियों को सक्रिय रूप से शामिल किया जाए। उन्होंने कहा कि राजस्व अधिकारियों के साथ परामर्श को और अधिक संस्थागत रूप दिया जाएगा ताकि फील्ड और मुख्यालय के बीच नियमित संवाद सुनिश्चित हो सके, जिससे संचार की कमियों को दूर किया जा सके और गलतफहमियों को रोका जा सके।

खेल नर्सरी आवंटन के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित

चंडीगढ़। खेल विभाग, हरियाणा की ओर से शैक्षणिक सत्र 2026-27 के दौरान खेल नर्सरी के आवंटन हेतु सरकारी स्कूलों, ग्राम पंचायतों एवं निजी शिक्षण संस्थानों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 15 फरवरी 2026 निर्धारित की गई है। खेल विभाग के एक प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि खेल नर्सरी केवल ओलंपिक, एशियन एवं कॉमनवेल्थ खेलों में शामिल खेलों के लिए ही खोली जाएंगी। खेल विभाग ने सभी पात्र सरकारी एवं निजी शिक्षण संस्थानों से अपील की है कि वे विभाग द्वारा निर्धारित मापदंडों के अनुरूप संबंधित वेबसाइट पर समय रहते अपना आवेदन पंजीकृत करना सुनिश्चित करें, ताकि खेल नर्सरी आवंटन की प्रक्रिया में शामिल किया जा सके।

39वें सूरजकुंड मेले में रौनक बढ़ा रहे टेडी बियर

चंडीगढ़। सूरजकुंड में आयोजित अंतरराष्ट्रीय शिल्प मेला-2026 में इस वर्ष रंग-बिरंगे और आकर्षक टेडी बियर खास आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। शिल्पकारों द्वारा तैयार किए गए ये टेडी बियर बच्चों के साथ-साथ युवाओं और पर्यटकों को खूब लुभा रहे हैं। मेला परिसर में टेडी बियर की स्टॉल पर भीड़ उमड़ रही है, जिससे मेले की रौनक और भी बढ़ गई है। मेला परिसर में टेडी बियर के स्टॉल संचालकों ने बताया कि मखमल, साटन, सिंथेटिक फर, कपास, डेनिम और क्रोशे जैसे विभिन्न प्रकार के कपड़ों और धागों का उपयोग कर इन टेडी बियर को तैयार किया है। अलग-अलग आकार, रंग और डिजाइन में उपलब्ध ये टेडी बियर न केवल देखने में सुंदर हैं, बल्कि बेहद मुलायम और टिकाऊ भी हैं। मेले में केवल टेडी बियर ही नहीं, बल्कि सिंथेटिक फर और कपास से बनाए गए कछुआ, हाथी और विभिन्न प्रकार की गुडिया आदि खिलौने भी बच्चों और युवाओं की पहली पसंद बने हुए हैं। मेला परिसर में ये टेडी बियर न केवल बच्चों के चेहरे पर मुस्कान ला रहे हैं, बल्कि शिल्पकारों के लिए भी रोजगार और पहचान का माध्यम बन रहे हैं।

युवा शक्ति के दम पर 2047 तक भारत बनेगा विश्व की सबसे बड़ी महाशक्ति

चंडीगढ़। हरियाणा के खेल एवं युवा अधिकारिता राज्य मंत्री श्री गौरव गौतम ने कहा कि वार्षिक समारोह विद्यार्थियों के लिए केवल सांस्कृतिक मंच नहीं, बल्कि विद्यार्थियों की प्रतिभा, संस्कार, अनुशासन और जीवन मूल्यों का आईना होता है। राज्य मंत्री आज सोनीपत स्थित एक निजी स्कूल के वार्षिक समारोह में बतौर मुख्यातिथि विद्यार्थियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ खेलों में आगे बढ़ने तथा नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने देश के युवाओं के सामने विकसित भारत 2047 का जो संकल्प रखा है, उसे साकार करने की सबसे बड़ी जिम्मेदारी आज की युवा पीढ़ी पर है।

मुख्यमंत्री ने एक ही दिन में 18 जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को जारी की 1,431 करोड़ रुपये की राशि

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

- लगभग 56 लाख 34 हजार लाभार्थियों को मिला सीधा लाभ
- शिकायतों का समयबद्ध तरीके से निपटान सरकार की प्राथमिकता: मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी
- जिला प्रशासन सप्ताह में दो बार पेंशन की शिकायतों का करेगा समाधान: मुख्यमंत्री

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने मंगलवार को एक ही दिन में 18 विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के अंतर्गत करीब 1,431 करोड़ रुपये की राशि सीधे लाभार्थियों के खातों में जारी की।इस पहल से प्रदेश के लगभग 56 लाख 34 हजार लाभार्थियों को सीधा आर्थिक लाभ मिला है। मंगलवार को चंडीगढ़ में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आज जारी की गई राशि में दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना की चौथी किस्त, सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाएं, हर घर-हर गृहिणी योजना के तहत गैस सिलेंडर सब्सिडी और दुग्ध उत्पादकों को प्रोत्साहन शामिल है।इस अवसर पर सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री श्याम सिंह राणा, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री श्री कृष्ण कुमार बेदी मौजूद थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना के तहत आज 9,22,452 महिला लाभार्थियों के बैंक खातों में सीधे 193 करोड़ रुपये ट्रांसफर किए गए। अब तक इस योजना के तहत चार किस्तों में कुल 634 करोड़ रुपये जारी किए जा चुके हैं।इस योजना के तहत 23 साल और उससे ज्यादा उम्र की महिलाएं हर महीने 2,100 रुपये की आर्थिक मदद का लाभ लेने के लिए पात्र हैं, जिनके परिवार की सालाना आय एक लाख रुपये से कम है।हालांकि, अब 1 लाख 80 हजार रुपये वार्षिक आय वाले परिवारों की महिलाएं भी इस योजना के लिए पात्र हैं, जिनके बच्चे सरकारी स्कूलों में पढ़ते हैं और जिन्होंने कक्षा 10 या 12 की बोर्ड परीक्षाओं में 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए हैं। या कक्षा 1 से 4 में ह्यनिपुण भारत मिशनह्व के अंतर्गत कक्षा स्तर की दक्षता हासिल की है, जिन माताओं ने अपने बच्चों को कुपोषण से सफलतापूर्वक पुनर्वासित किया है। दीन दयाल लाडो लक्ष्मी मोबाइल ऐप के जरिए 10,51,029 महिलाओं ने आवेदन किया। इनमें से 9,22,452 महिलाएं पात्र पाई गई।

कला केवल अभिव्यक्ति का माध्यम नहीं, बल्कि समाज को संवेदनशील बनाने का सशक्त उपकरण: प्रो. ए.आर. चौधरी

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा के मार्गदर्शन में ललित कला विभाग द्वारा मंगलवार को विभाग परिसर में एक भव्य चित्रकला/कला प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी का उद्घाटन कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. ए. आर. चौधरी ने किया।इस अवसर पर विभाग के शिक्षक, विद्यार्थी, शोधार्थी एवं कला प्रेमी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए प्रो. ए. आर. चौधरी ने विद्यार्थियों की रचनात्मकता, सौंदर्यबोध एवं विषयगत गंभीरता की मुक्त कंठ से सराहना की। उन्होंने कहा कि कला केवल अभिव्यक्ति का माध्यम नहीं, बल्कि समाज को संवेदनशील बनाने का सशक्त उपकरण है। ऐसी प्रदर्शनियाँ विद्यार्थियों के आत्मविश्वास को बढ़ाने के साथ-साथ उनकी व्यावसायिक समझ और सामाजिक उत्तरदायित्व को भी मजबूत करती हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को निरंतर अभ्यास, नवाचार और समकालीन विषयों पर सृजन करने के लिए प्रेरित किया।एम.ए. ललित कला (एप्लाइड आर्ट्स) के विद्यार्थियों द्वारा सामाजिक विषयों पर आधारित रचनाएँ विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं। शामा की कृतियों में लैंगिक समानता और बाल अधिकारों को दृश्य संप्रेषण एवं डिजिटल विज्ञापन अभियानों के माध्यम से प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया। निकिता धनखड़ ने स्टॉप चाइल्ड एक्सप्लॉइटेशन विषय पर हस्तनिर्मित सामाजिक अभियान प्रदर्शित किया, जिसमें बाल शोषण एवं बाल श्रम जैसे गंभीर मुद्दों को उकेरा गया। वहीं वर्षा देवी की फोटोग्राफी आधारित कृतियों में बुजुर्गों की उपेक्षा और दैनिक जीवन से जुड़ी सामाजिक वास्तविकताओं को संवेदनशीलता के साथ दशार्या गया। उपस्थित शिक्षकों एवं गणमान्य व्यक्तियों ने प्रदर्शित कलाकृतियों की सराहना करते हुए विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा ललित कला विभाग के इस प्रयास को सराहनीय बताया।

39 वां सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय शिल्प मेला-2026 में उमड़ रहे हैं बेशुमार दर्शक

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ

- मेले में वीटा की लस्सी और रबड़ी का स्वाद लेने को उमड़ रहे पर्यटक
- वीटा की स्टॉल पर दूध के उत्पाद और आइसक्रीम की खूब हो रही बिक्री

सूरजकुंड में आयोजित 39 वें सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय शिल्प मेला-2026 में जहां एक ओर देश-विदेश की हस्तशिल्प कलाएं पर्यटकों को आकर्षित कर रही हैं, वहीं दूसरी ओर पारंपरिक और शुद्ध स्वाद के लिए मशहूर वीटा लस्सी और रबड़ी भी लोगों की खास पसंद बनी हुई है। मेला परिसर में हरियाणा डेयरी विकास सहकारी संघ (वीटा) की स्टॉल पर दिनभर पर्यटकों की भीड़ लगी रहती है।

सूरजकुंड मेला परिसर में फरवरी के सुहाने मौसम में वीटा की ठंडी-ठंडी मीठी और नमकीन लस्सी का स्वाद लेने के लिए काफी संख्या में पर्यटक आ रहे हैं।इसके साथ ही गाढ़ी और स्वादिष्ट रबड़ी भी पर्यटकों को खूब भा रही है। वीटा की स्टॉल पर दूध से बने अन्य उत्पादों जैसे दूध, छाछ, फ्लेवर्ड मिल्क और विभिन्न प्रकार की आइसक्रीम की भी जमकर बिक्री हो रही है। खासकर बच्चों और युवाओं में वीटा आइसक्रीम की मांग काफी अधिक है।

पर्यटकों का कहना है कि वीटा के उत्पाद शुद्धता और गुणवत्ता के लिए जाने जाते हैं, इसलिए सूरजकुंड मेले में आने पर वे इनका स्वाद लेना नहीं भूल रहे हैं। वीटा स्टॉल पर उचित दामों पर ताजे और पौष्टिक दुग्ध उत्पाद उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिससे लोग निश्चिंत होकर खरीदारी कर रहे हैं। लोगों का कहना है कि इस तरह 39 वें सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय शिल्प मेला-2026 में वीटा की लस्सी और रबड़ी न केवल लोगों की प्यास और भूख मिटा रही है, बल्कि मेले के स्वाद और आकर्षण को भी दोगुना कर रही है।

शहरी स्थानीय निकायों की विभिन्न योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ करने, नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने तथा केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा के लिए आज चंडीगढ़ में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रदेश की नगर पालिकाओं के अधिकारियों ने भाग लिया और अपने-अपने क्षेत्रों में चल रहे कार्यों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की।

यह बैठक मुख्यमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव एवं हरियाणा सरकार के शहरी स्थानीय निकाय विभाग के आयुक्त एवं सचिव डॉ. साकेत कुमार की अध्यक्षता में आयोजित हुई। शहरी स्थानीय निकायों के महानिदेशक एवं विभाग के सचिव श्री अशोक कुमार मीणा भी बैठक में उपस्थित रहे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि स्वच्छता, ठोस कचरा प्रबंधन और नागरिक सुविधाओं से जुड़े कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा सभी कार्य तय समयसीमा में पूरे किए जाएं।

आयुक्त एवं सचिव ने म्हारी सड़क योजना के अन्तर्गत सर्वे न करने के कारण नगर पालिका शाहाबाद के कनिष्ठ अभियन्ता को निलंबित करने तथा सचिव को चार्जशीट करने के आदेश दिए।

बैठक में मुख्यमंत्री द्वारा की गई घोषणाओं की प्रगति की समीक्षा भी की गई। अधिकारियों से संबंधित परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति, जारी बजट और कार्यों की गति की जानकारी ली गई। इस दौरान अर्बन ड्रेनेज, राइट-टू-वे स्मार्ट रोड, स्मार्ट मार्केट, मशीनरी व उपकरणों की खरीद, स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स तथा दिव्यांगजनों के लिए अल्ट्रा मॉडर्न पार्क जैसे कार्यों पर विशेष चर्चा हुई। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि सभी घोषणाओं से जुड़े कार्य प्राथमिकता के आधार पर समयसीमा में पूरे किए जाएं और उनकी नियमित मॉनिटरिंग की जाए।

बैठक में केंद्र और राज्य वित्त आयोग के अंतर्गत प्राप्त अनुदानों के उपयोग की समीक्षा की गई। अधिकारियों से नगर निकायों को जारी धनराशि के उपयोग, चल रहे कार्यों और शेष राशि की स्थिति की जानकारी ली गई। उन्हें निर्देश दिए गए कि अनुदान राशि का उपयोग निर्धारित दिशानिर्देशों के अनुसार पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से किया जाए, ताकि विकास कार्यों में तेजी लाई जा सके।

बैठक में मुख्यालय स्तर से स्वीकृत विकास कार्यों की स्थिति की भी समीक्षा की गई। विभिन्न नगर निकायों में स्वीकृत परियोजनाओं, उनके बजट और प्रगति की जानकारी ली गई। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि लंबित परियोजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूरा किया जाए और बजट का प्रभावी व पारदर्शी उपयोग सुनिश्चित किया जाए।

पीएम स्ट्रीट वेंडर आत्मनिर्भर निधि (पीएम स्वनिधि) योजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि अधिक से अधिक रेहड़ी-पटरी विक्रेताओं को योजना का लाभ दिलाया जाए। पात्र लाभार्थियों के पंजीकरण, ऋण वितरण और पुनर्भुगतान प्रक्रिया को सरल व पारदर्शी बनाने पर जोर दिया गया। उन्होंने कहा कि यह योजना छोटे कारोबारियों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है, इसलिए कोई भी पात्र लाभार्थी वंचित न रहे।

बैठक में घर-घर कचरा संग्रहण की व्यवस्था की समीक्षा की गई। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि प्रत्येक घर तक नियमित रूप से कचरा संग्रहण सेवा पहुंचे और किसी क्षेत्र में यह व्यवस्था बाधित न हो। ताजा कचरे की वैज्ञानिक प्रोसेसिंग पर भी चर्चा हुई और पर्यावरण मानकों के अनुरूप निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। सड़क सफाई और मैकेनिकल स्वीपिंग की स्थिति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि मुख्य मार्गों के साथ-साथ आंतरिक गलियों में भी नियमित सफाई सुनिश्चित की जाए। सफाई कार्यों की प्रभावी मॉनिटरिंग और नागरिक शिकायतों के त्वरित समाधान पर भी जोर दिया गया।

बैठक में लीगेसी कचरे के निपटान की प्रगति पर चर्चा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि पुराने कचरे के ढेरों को चरणबद्ध तरीके से हटाया जाए और संबंधित स्थलों का पुनर्विकास किया जाए, ताकि वहां स्वच्छ और उपयोगी स्थान विकसित किए जा सकें। आगामी मानसून को ध्यान में रखते हुए नालों की सफाई और जलभराव से निपटने की तैयारियों की समीक्षा की गई। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि सभी नालों और ड्रेनों की समय रहते सफाई सुनिश्चित की जाए, ताकि वर्षा के दौरान किसी प्रकार की परेशानी न हो। बैठक में शहरों में नए सार्वजनिक शौचालयों के निर्माण की प्रगति की समीक्षा की गई। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि निर्धारित स्थलों पर निर्माण कार्य समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाए और गुणवत्ता मानकों का विशेष ध्यान रखा जाए।

संपादकीय

सड़क नहीं, अब आसमान से होगा सफर: दिल्ली-एनसीआर में एयर टैक्सी शुरू करने की कवायद जारी, इसके फायदे और नुकसान दोनों ही मौजूद

दिल्ली-एनसीआर की सड़कों पर लगातार बढ़ता ट्रैफिक दबाव, वायु प्रदूषण और रोजमर्रा की आवाजाही में लगने वाला अत्यधिक समय इस महानगरीय क्षेत्र की सबसे जटिल समस्याओं में शामिल हैं। मेट्रो नेटवर्क के विस्तार, एक्सप्रेसवे, एलिवेटेड रोड और फ्लाईओवर जैसे अनेक बुनियादी ढांचे के विकास के बावजूद जमीनी हकीकत यह है कि पीक आवर्स में यात्रा अब भी थकाऊ और अनिश्चित बनी हुई है। इसी पृष्ठभूमि में शहरी परिवहन के क्षेत्र में एयर टैक्सी को एक संभावित गेम-चेंजर के रूप में देखा जा रहा है। यह अवधारणा न केवल यात्रा समय को कई गुना कम करने का वादा करती है, बल्कि शहरी मोबिलिटी के पूरे मॉडल को नए सिरे से परिभाषित कर सकती है। एयर टैक्सी सेवा इलेक्ट्रिक वर्टिकल टेक-ऑफ एंड लैंडिंग तकनीक पर आधारित होगी। यह तकनीक पारंपरिक हेलीकॉप्टर की तुलना में हल्की, कम शोर वाली और अपेक्षाकृत पर्यावरण-अनुकूल मानी जाती है। इलेक्ट्रिक वर्टिकल टेक-ऑफ एंड लैंडिंग विमान बिना लंबे रनवे के सीधे ऊपर-नीचे उड़ान भर सकते हैं, जिससे शहरी क्षेत्रों में इनके संचालन की संभावना बढ़ जाती है। प्रस्तावित योजना के अनुसार दिल्ली, गुरुग्राम, नोएडा, गाजियाबाद और फरीदाबाद जैसे प्रमुख शहरी केंद्रों के बीच सीमित ऊंचाई पर विशेष हवाई कॉरिडोर विकसित किए जाएंगे। इन कॉरिडोरों के जरिए एयर टैक्सियां व्यावसायिक, प्रशासनिक और रिहायशी क्षेत्रों को आपस में जोड़ेंगी। इस परियोजना का सबसे बड़ा लाभ समय की अभूतपूर्व बचत है। वर्तमान में जो सफर सड़क मार्ग से 90 मिनट या उससे अधिक समय लेता है, वही एयर टैक्सी से 8 से 10 मिनट में पूरा होने की संभावना है। उदाहरणस्वरूप, दिल्ली के मध्य क्षेत्र से गुरुग्राम के आईटी हब या नोएडा के कॉर्पोरेट सेक्टर तक की यात्रा, जो ट्रैफिक जाम के कारण अक्सर तनावपूर्ण हो जाती है, एयर टैक्सी से सुगम और तेज हो सकती है। व्यावसायिक दृष्टि से यह समय-बचत अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि निर्णय-निर्माण, मीटिंग्स और लॉजिस्टिक्स में दक्षता बढ़ेगी। पर्यावरणीय लाभ भी इस योजना के पक्ष में एक मजबूत तर्क प्रस्तुत करते हैं। इलेक्ट्रिक वर्टिकल टेक-ऑफ एंड लैंडिंग विमान मुख्यतः इलेक्ट्रिक या हाइब्रिड तकनीक पर आधारित होते हैं, जिससे कार्बन उत्सर्जन पारंपरिक ईंधन-आधारित वाहनों की तुलना में काफी कम होता है। दिल्ली-एनसीआर जैसे अत्यधिक प्रदूषित क्षेत्र में यदि शहरी यात्राओं का एक हिस्सा सड़क से हवा में स्थानांतरित होता है और वह भी कम-उत्सर्जन तकनीक के जरिए, तो दीर्घकाल में वायु गुणवत्ता पर सकारात्मक असर पड़ सकता है। इसके अलावा, कम शोर स्तर के कारण ध्वनि प्रदूषण की समस्या भी सीमित रहने की उम्मीद है। आर्थिक दृष्टिकोण से एयर टैक्सी सेवा कई नए अवसर खोल सकती है। एविएशन स्टार्ट-अप्स, इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपर्स, बैटरी तकनीक, सॉफ्टवेयर सिस्टम और एयर ट्रैफिक मैनेजमेंट जैसे क्षेत्रों में निवेश बढ़ने की संभावना है। वर्टिपोर्ट के निर्माण से रियल एस्टेट सेक्टर को भी नई दिशा मिल सकती है, खासकर उन इलाकों में जो अभी तक कम कनेक्टिविटी के कारण पिछड़े माने जाते हैं। साथ ही, पायलट प्रशिक्षण, मेंटेनेंस और ऑपरेशंस से जुड़े रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।हालांकि, इस परियोजना के साथ कई चुनौतियां और संभावित नुकसान भी जुड़े हुए हैं, जिन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। सबसे पहली और महत्वपूर्ण चुनौती सुरक्षा से संबंधित है। घनी आबादी वाले शहरी हवाई क्षेत्र में बड़ी संख्या में एयर टैक्सियों का संचालन अत्यंत सटीक एयर ट्रैफिक मैनेजमेंट की मांग करता है। किसी भी तकनीकी खराबी या मानवीय चूक के गंभीर परिणाम हो सकते हैं। इसलिए नियामक ढांचे, सख्त सुरक्षा मानकों और आपातकालीन प्रोटोकॉल का निर्माण अनिवार्य होगा। लागत भी एक अहम मुद्दा है। शुरूआती चरण में एयर टैक्सी सेवा का किराया आम नागरिक की पहुंच से बाहर रहने की आशंका है। अत्याधुनिक तकनीक, सीमित फ्लीट और उच्च परिचालन खर्च के कारण यह सुविधा पहले उच्च-आय वर्ग या कॉर्पोरेट उपयोग तक सीमित हो सकती है। यदि ऐसा होता है, तो यह सेवा शहरी असमानता को और गहरा करने का जोखिम भी पैदा कर सकती है, जहां तेज और सुविधाजनक परिवहन केवल चुनिंदा वर्ग तक सिमट कर रह जाए। इंफ्रास्ट्रक्चर संबंधी चुनौतियां भी कम नहीं हैं। वर्टिपोर्ट के लिए उपयुक्त स्थानों की पहचान, भूमि उपलब्धता, शहरी नियोजन और स्थानीय समुदायों की सहमति जैसे मुद्दे जटिल हो सकते हैं। इसके अलावा, मौसम संबंधी जोखिम–जैसे कोहरा, तेज हवा या भारी बारिश दिल्ली-एनसीआर में एयर टैक्सी संचालन को प्रभावित कर सकते हैं, जिससे सेवा की विश्वसनीयता पर सवाल उठ सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि तकनीक के परिपक्व होने और बड़े पैमाने पर संचालन शुरू होने के साथ-साथ इनमें से कई समस्याओं का समाधान संभव है। जैसे-जैसे बैटरी तकनीक सस्ती और अधिक सक्षम होगी, परिचालन लागत घटेगी और किराए में भी कमी आ सकती है। इतिहास गवाह है कि मेट्रो और हवाई यात्रा जैसी सेवाएं भी शुरूआती दौर में सीमित वर्ग तक ही थीं, लेकिन समय के साथ वे आम जनता की जरूरत बन गईं।समग्र रूप से देखा जाए तो दिल्ली-एनसीआर में एयर टैक्सी सेवा शहरी परिवहन में एक क्रांतिकारी बदलाव की क्षमता रखती है। इसके लाभ–समय की बचत, पर्यावरणीय सुधार और आर्थिक अवसर–काफी महत्वपूर्ण हैं, लेकिन इसके साथ जुड़े जोखिम और नुकसान भी उतने ही वास्तविक हैं। यदि नीति-निर्माण, सुरक्षा, लागत नियंत्रण और समावेशिता पर संतुलित दृष्टिकोण अपनाया गया, तो एयर टैक्सी न केवल एक हाई-एंड सुविधा बल्कि भविष्य का व्यवहार्य शहरी परिवहन साधन बन सकती है। तब संभव है कि 10 मिनट में डेढ़ घंटे का सफर केवल एक तकनीकी चमत्कार नहीं, बल्कि दिल्ली-एनसीआर के लाखों लोगों की रोजमर्रा की हकीकत बन जाए।

संसद सत्र: संविधान का अपमान कौन कर रहा है

मृत्युंजय दीक्षित (हि.स)

वर्ष 2026 का बजट सत्र हल्ले-गुल्ले और अराजकता की भेंट चढ़ता दिखाई दे रहा है। यहाँ बजट के अतिरिक्त अन्य सभी विषयों को उठाए जाने का प्रयास हो रहा है। स्थितियां इतनी विकट हैं कि संसदीय इतिहास में पहली बार राष्ट्रपति के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर प्रधानमंत्री लोकसभा में उत्तर नहीं दे सके और राष्ट्रपति का अभिभाषण बिना किसी चर्चा के पारित हो गया। यद्यपि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राज्यसभा में 97 मिनट लंबा और प्रभावशाली उत्तर दिया। राष्ट्रपति के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर बोलते हुए प्रधानमंत्री ने विपक्ष द्वारा की गई सभी टिप्पणियों का संज्ञान लेते हुए अपनी बात रखी। प्रधानमंत्री मोदी का यह संबोधन देश के स्वर्णिम भविष्य और विकास की दिशा को भी दर्शाता है।

राष्ट्रपति के अभिभाषण के समय हंगामा करके देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद का अपमान करने के बाद जब समय आने पर राहुल गांधी को बोलने का अवसर दिया गया तो उन्होंने विषय से इतर जाकर पूर्व सेना प्रमुख नरवणे की एक अप्रकाशित पुस्तक का उल्लेख करते हुए कथित चीनी घुसपैठ का मुद्दा उछालने का प्रयास किया। लोकसभा अध्यक्ष द्वारा नियमों के अंतर्गत व्यवस्था दिए जाने के बाद भी राहुल गांधी अपनी बात पर अड़े रहे। यह एक आश्चर्यजनक व्यवहार है कि नेता प्रतिपक्ष राष्ट्रपति के अभिभाषण पर बोलने के स्थान पर पुराने मुद्दे उठाए और उनको भी आपत्तिजनक रूप से रखकर देश की सेना और सदन का अपमान करें। लोकसभा में कांग्रेस तथा इंडी गठबंधन की महिला सांसदों ने जिस प्रकार प्रधानमंत्री मोदी का रास्ता रोकने की योजना बनायी और लोकसभा अध्यक्ष को प्रधानमंत्री से सदन में न आने का अनुरोध करना पड़ा, वो अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। विडम्बना ये है कि यही लोग अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की बातें करते हैं।

राज्यसभा में बोलते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि राष्ट्रपति के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर बहस में भाग न लेकर विपक्षी दलों ने न केवल राष्ट्रपति पद का अपमान किया है अपितु एक गरीब परिवार से निकल कर आई आदिवासी महिला का भी अपमान किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में राहुल गांधी व कांग्रेस पर तीखा हमला बोला और केंद्रीय रेल राज्यमंत्री रवनीत सिंह बिट्टू को गद्दार कहने पर भी राहुल गांधी को घेरा। प्रधानमंत्री ने कहा कि इनका अहंकार सातवें आसमान पर पहुंच गया है ।

कांग्रेस छोड़कर कितने ही लोग निकले हैं, किसी और को तो गद्दार नहीं कहा, ये सिख हैं इसलिए कहा, ये सिखों का, गुरुओं का अपमान था। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि लोकसभा में चेयर पर कागज फेकें गए जब असम के सदस्य चेयर की कुर्सी पर विराजमान थे- क्या यह असम का अपमान नहीं? जब आंध्र प्रदेश के एक दलित सदस्य चेयर की कुर्सी पर बैठे थे तब उन पर भी कागज फेंके गए क्या यह एक दलित बेटे और संविधान का अपमान नहीं है ?

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आखिर कांग्रेस उनके लिए कब्र खुदेगी का नारा क्यों देती है ? हमने जम्मू -कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाई इसलिए या हमने 25 करोड़ लोगों को गरीबी से उबारा है इसलिए? प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि ये कौ-सी मोहब्बत की दुकान है जो देश के किसी नागरिक की कब्र खोदने के सपने देखती है? प्रधानमंत्री ने कहा कि मैं देश के युवाओं के लिए मजबूत जमीन तैयार कर रहा हूं तो कांग्रेस मोदी की कब्र खोदने के कार्यक्रम करवा रही है। हमने नार्थ ईस्ट में बम-बंदूक और आतंक का जो साया बना रहता था वहां शांति और विकास की राह अपनाई इसलिए वह मोदी की कब्र खोद रहे हैं। पाकिस्तानी आतंकवादियों को घर में घुसकर मारते हैं, ऑपरेशन सिंदूर करते हैं और इसलिए वे मोदी की कब्र खोदना चाहते हैं। मोदी तेरी कब्र खुदेगी ये जो उनके भीतर नफरत भरी हुई है मोहब्बत की दुकान में जो आग भरी पड़ी हुई है, उसका कारण है कि कांग्रेस इस बात को पचा नहीं पा रही है कि कोई और क्यों प्रधानमंत्री की कुर्सी पर बैठा है, ये तो हमारा पैतृक अधिकार था इसलिए वे हताशा में मोदी की कब्र खोदने के नारे लगा रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस को ये सहन नही हो रहा हे कि जो समस्याएं उसने 60 सालो में पाल-पोस कर बड़ी की थीं मोदी उनका एक- एक करके समाधान क्यों कर रहा है? कांग्रेस को ये सब पसंद नहीं आ रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यूरोपियन यूनियन और फिर अमेरिका के साथ जो व्यापार समझौते हुए उनके विषय में जानकारी देते हुए बताया कि अब पूरी दुनिया भारत की ओर देख रही है और समझौते कर रही है। कांग्रेस को भी यह अवसर मिला था, उन्होंने यह क्यों नही कर दिखाया?

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन के माध्यम से कांग्रेस,लेफ्ट व डीएमके सहित टीएमसी पर भी तीखा हमला बोला और उन्होंने बंगाल की टीएमसी सरकार को देश की सबसे निर्मम बताते हुए कहा कि यह लोग अपने अंदर नहीं झाकते अपितु हमको यहां बैठकर उपदेश देते हैं। प्रधानमंत्री ने राज्यसभा सांसद सदानंद मास्टर के भाषण का संज्ञान लेते हुए वैचारिक सहिष्णुता की चर्चा की, ज्ञातव्य है कि सदानंद मास्टर के दोनों पैर वामपंथी विचारधारा के लोगों ने निर्ममता से केवल उनकी विचारधारा अलग होने के कारण काट दिए थे।

संसद के वर्तमान सत्र में राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस और इंडी गठबंधन ने जो रवैया अपनाया है उसने देश के वास्तविक मुद्दों को उठाने का एक सुनहरा अवसर खो दिया है। प्रधानमंत्री मोदी व भाजपा को घेरने के बजाय उन्होंने भाजपा व प्रधानमंत्री मोदी को ही अपने ऊपर आक्रमण करने का अवसर दे दिया है। भाजपा अब सिख व दलित सांसदों के अपमान का राजनैतिक लाभ उठाने का पूरा प्रयास करेगी। भाजपा चुनाव वाले राज्यों में विरोधी दलों के संसदीय आचरण को भी मुद्दा बनाएगी।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

एआई कैसे बदल सकता है भारत के किसानों की तकदीर?

भारत में अब एआई यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर चर्चा सिर्फ नई तकनीक के रूप में नहीं हो रही है। ध्यान इस बात पर जा रहा है कि एआई आम लोगों की असली समस्याएँ कैसे हल कर सकता है। खेती और खाद्य क्षेत्र इसका सबसे बड़ा उदाहरण हैं, क्योंकि यहाँ समस्याएँ छोटी नहीं बल्कि पूरी व्यवस्था से जुड़ी हैं। यहाँ कोई भी तकनीक तभी सफल होगी जब वह मौसम, ढुलाई और बाजार जैसी स्थानीय परिस्थितियों को समझे।

भारत इतना भोजन पैदा करता है कि पूरी आबादी का पेट भर सके, फिर भी हर साल करीब 6.8 करोड़ टन खाना बर्बाद हो जाता है। कटाई के बाद 35 से 40 प्रतिशत फल और सब्जियाँ खराब हो जाती हैं। यह समस्या उत्पादन की कमी की नहीं, बल्कि सही समय पर सही जानकारी और बेहतर व्यवस्था न होने की है। यानी खेत से बाजार तक तालमेल की कमी है और फैसले समय पर नहीं हो पाते। ऐसे में भारतीय परिस्थितियों के अनुसार बनाया गया एआई इस नुकसान को कम करने में बड़ी भूमिका निभा सकता है।

क्यूजेंस लैब्स में हमने इस बात पर गौर किया कि भारत की डिजिटल व्यवस्था ने भुगतान, पहचान और सेवाओं को बदल दिया है, लेकिन खाने के क्षेत्र में गुणवत्ता की जाँच अब भी पुराने तरीकों से होती है। इसी सोच के साथ हमने दरूंक्ल नाम की एआई तकनीक विकसित की, जो इन्फ्रारेड तकनीक और कृत्रिम सूंघने की मदद से फल-सब्जियों की अंदर की गुणवत्ता पहचानकर तुरंत काम आने वाली जानकारी देती है। उदाहरण के तौर पर कोई फल या सब्जी कितने दिन तक चल सकती है कितने दिन स्टोर कर सकते हैं इत्यादि। इसका मकसद कम मुनाफे पर काम करने वाले किसानों, दुकानदारों और ग्राहकों की उलझन कम करना है।

रुबल चिब

अनुभव बताते हैं कि एआई तभी सफल होगा जब वह भारत की वास्तविक परिस्थितियों को समझे। विदेशों के डेटा पर बने मॉडल भारत जैसे विविध देश में अक्सर सही काम नहीं करते, क्योंकि हर क्षेत्र में फसल, मौसम, भंडारण और बाजार अलग हैं। अगर एआई भारतीय हालात को नहीं समझेगा, तो वह बेकार साबित हो सकता है या गलत नतीजे भी दे सकता है। इसी कारण स्वदेशी एआई पर जोर देना समय की जरूरत है। सरकार की क्ल्र्ब अकद्र२२ङ्क्ष्ल पहल दिखाती है कि अब एआई को सिर्फ उन्नत तकनीक नहीं, बल्कि देश के विकास का जरूरी साधन माना जा रहा है। भारतीय डेटा, देश में बने समाधान और अलग-अलग क्षेत्रों के लिए खास तकनीक को बढ़ावा देकर ऐसा माहौल बनाया जा रहा है, जहाँ नवाचार सीधे लोगों की जरूरतों से जुड़ा हो।

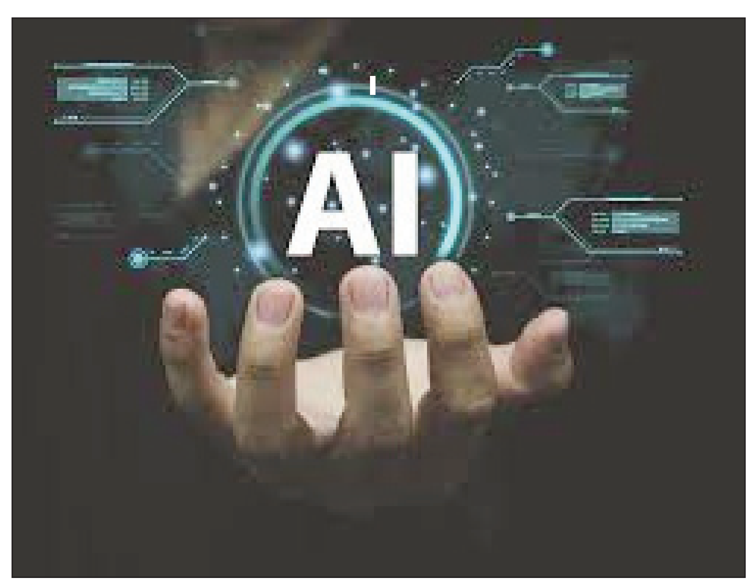

खाद्य और खेती का क्षेत्र बताता है कि यह क्यों जरूरी है। अगर कटाई के बाद होने वाला नुकसान कम हो जाए, तो किसानों की आय बढ़ेगी, खाने की कीमतें स्थिर रहेंगी और पानी, जमीन और ऊर्जा की बचत होगी। इससे पर्यावरण को भी फायदा मिलेगा और पूरी व्यवस्था ज्यादा मजबूत बनेगी। एक और जरूरी पहलू है सबकी भागीदारी। एआई ऐसा होना चाहिए जो छोटे किसानों, स्थानीय भाषाओं और छोटे बाजारों में भी आसानी से काम कर सके। जो तकनीक लोगों पर फैसले थोपेगी, उस पर भरोसा नहीं बनेगा। लेकिन जो तकनीक छिपी जानकारी को आसान तरीके से सामने लाकर बेहतर फैसले लेने में मदद करेगी, वही लंबे समय तक टिकेगी और फैल सकेगी।

16 से 20 फरवरी 2026 को नई दिल्ली में होने वाला क्ल्र्ब अक्केस्त्रं३ र४३ ऐसे समय पर हो रहा है जब दुनिया एआई के असर पर गंभीर चर्चा कर रही है। भारत के पास मौका है कि वह ऐसा रास्ता दिखाए जहाँ एआई आम लोगों के काम आए, स्थानीय जरूरतों को समझे और असली आर्थिक व्यवस्था से जुड़ा हो। खेती, खाद्य आपूर्ति और जलवायु से जुड़ी चुनौतियाँ इस दिशा के केंद्र में हैं।

यह भी समझना जरूरी है कि एआई अपने-आप बदलाव नहीं लाता। इसके लिए सही समझ, सही नीति और मिलकर काम करना पड़ता है। लेकिन जब इसे सही तरीके से अपनाया जाता है, तो यह बिना शोर किए बड़े बदलाव ला सकता है।

इम्पैक्ट समिट के मद्देनजर असली चुनौती एआई को तेजी से अपनाने की नहीं, बल्कि सोच-समझकर सही जगह इस्तेमाल करने की है। आखिर में सफलता का असली पैमाना यही होना चाहिए कि क्या एआई से भोजन की बबार्दी कम होती है, क्या किसानों की आय बढ़ती है और क्या देश की व्यवस्था मजबूत होती है।

आज का राशिफल

मेष: आज किसी पुरानी नकारात्मक स्मृति के कारण मन व्यथित रह सकता है, जिसका असर आपके आत्मविश्वास पर भी दिखेगा। अनावश्यक रूप से दूसरों के मामलों में दखल देने से बचें। पारिवारिक जिम्मेदारियों को लेकर थोड़ी चिंता हो सकती है। *(सिटी दर्पण)*

वृषभ: घर-परिवार में किसी शुभ या मांगलिक आयोजन की रूपरेखा बन सकती है। उच्च शिक्षा से जुड़े प्रयासों में बेहतरीन परिणाम मिलने के संकेत हैं। भाग्य आपका साथ देगा और व्यवसाय में सफलता के योग बनेंगे। शेयर बाजार या निवेश से लाभ हो सकता है। *(सिटी दर्पण)*

मिथुन: आज आपकी दिनचर्या संतुलित और व्यवस्थित रहेगी। हालांकि जरूरत से ज्यादा आत्मविश्वास नुकसानदायक साबित हो सकता है। किसी जटिल समस्या का समाधान मिलने से राहत मिलेगी। समय के अनुसार अपने व्यवहार में लचीलापन लाना जरूरी है। *(सिटी दर्पण)*

कर्क: नए कार्यों की शुरूआत फिलहाल टालना ही बेहतर रहेगा। विरोधियों को हल्के में लेना नुकसान पहुंचा सकता है। कार्यस्थल पर सहकर्मियों के व्यवहार से असहजता महसूस हो सकती है। अपने काम स्वयं करने पर ध्यान दें। स्वास्थ्य को लेकर अतिरिक्त सतर्कता जरूरी है। *(सिटी दर्पण)*

सिंह: आय बढ़ाने के नए अवसर सामने आ सकते हैं। घरेलू कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी। भाई-बहनों के साथ रिश्ते मधुर रहेंगे। हालांकि कुछ परिस्थितियों के कारण कार्यों में रुकावट आ सकती है। माता की सेहत पर विशेष ध्यान दें। *(सिटी दर्पण)*

कन्या: कार्यक्षेत्र में आपकी जिम्मेदारियां और अधिकार दोनों बढ़ सकते हैं। दांपत्य जीवन में तालमेल बना रहेगा। कम कीमत पर मूल्यवान वस्तु खरीदने का अवसर मिल सकता है। घर में विवाह संबंधी चिंता दूर होगी। बेरोजगारों के लिए नौकरी के संकेत हैं। *(सिटी दर्पण)*

तुला: आपकी कार्यकुशलता और प्रतिभा की सराहना होगी। किसी भी काम को हल्के में लेने से बचें। आर्थिक समस्याओं में राहत मिलेगी। पारिवारिक माहौल को लेकर थोड़ी बेचैनी रह सकती है। पुराने मित्रों से मुलाकात मन प्रसन्न करेगी। *(सिटी दर्पण)*

वृश्चिक: दिन की शुरूआत में ऊर्जा की कमी महसूस हो सकती है, लेकिन धीरे-धीरे स्थिति सुधरेगी। प्रेम संबंधों में आकर्षण बढ़ेगा। आर्थिक परेशानियों से काफी हद तक निजात मिलेगी। युवाओं में करियर को लेकर आशावाद बना रहेगा। *(सिटी दर्पण)*

धनु: अपने स्वभाव में अत्यधिक बदलाव करने से बचें। भावनात्मक संवेदनशीलता के कारण मूड में उतार-चढ़ाव रह सकता है। मित्रों की सलाह फायदेमंद रहेगी। सामाजिक बदलावों को लेकर मन में चिंता रहेगी। यात्रा के दौरान सावधानी जरूरी है। *(सिटी दर्पण)*

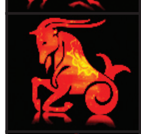

मकर: किसी बड़े और महत्वपूर्ण कार्य में सफलता मिलने के योग हैं। मित्रों का पूरा सहयोग मिलेगा। दिनचर्या अनुशासित और सकारात्मक रहेगी। विद्यार्थी अपने अध्ययन और भविष्य को लेकर सजग रहेंगे। घर की सजावट या सुधार में रुचि बढ़ेगी। *(सिटी दर्पण)*

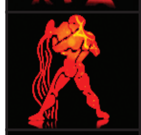

कुंभ: कार्यस्थल पर मान-सम्मान में वृद्धि होगी। साझेदारी से जुड़े कामों में लाभ मिलेगा। पुराने कर्ज चुकाने के लिए समय अनुकूल है। अधिकारियों के साथ संबंध मधुर रहेंगे। जिम्मेदारियों को आप कुशलता से निभाएंगे। घर में मेहमानों का आगमन हो सकता है। *(सिटी दर्पण)*

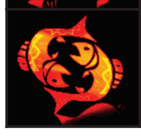

मीन: नौकरीपेशा लोगों के लिए स्थानांतरण के संकेत हैं। बच्चों के साथ समय बिताने से मन प्रसन्न रहेगा। राजनीतिक या प्रभावशाली लोगों से संबंध मजबूत होंगे। छात्रों को मेहनत का अच्छा फल मिलेगा। प्रेम संबंधों में नजदीकियां बढ़ेंगी। *(सिटी दर्पण)*

ओटीटी की भाषा, हिन्दी और हम

चण्डीगढ़ के गुप्ता जी रविवार के दिन मनोरंजन के लिए ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर हिंदी वेब सीरीज देख रहे थे। उनका पांच साल का बेटा मोबाइल गेम में व्यस्त था। तभी टेलीविजन स्क्रीन पर पात्र अचानक से एक-दूसरे को जोर-जोर से गालियां देने लगे, जिसे देखकर उनका बेटा भी जोर-जोर से दोहराने लगा। गुप्ता जी रिमोट से सीरीज बंद कर देते हैं और मन ही मन सोचते हैं कि यह क्या हो रहा है? बचपन में तो हम अखबार पढ़कर भाषा सीखते थे। संपादकीय पन्नों से नए शब्द, मुहावरे और व्याकरण की बारीकियां आत्मसात करते थे। अब ये ओटीटी प्लेटफॉर्म्स बच्चों की जुबान गंदी कर रहे हैं। हिंदी न्यूज चैनल तो हिंग्लिश में ब्रेकिंग न्यूज चला रहे हैं। अंग्रेजी माध्यम स्कूलों से पढ़े पत्रकार 'ग्राउंड जीरो' और 'एक्सक्लूसिव' जैसे शब्द हिंदी में लिखकर प्रसारित कर देते हैं। ओटीटी ने 'रियलिज्म' के नाम पर अश्लीलता की सारी हदें पार कर दी हैं।

एक समय था जब हिंदी भाषा की शुद्धता, व्याकरण और वर्तनी का सबसे बड़ा शिक्षक अखबार हुआ करता था। 19वीं सदी के अंत से लेकर 20वीं सदी के अधिकांश भाग तक अखबार घर-घर में भाषा सिखाते थे। लोग संपादकीय, लेख और समाचार पढ़कर नए शब्द सीखते, मुहावरे समझते और व्याकरण की बारीकियां आत्मसात करते। हिंदी की लयबद्धता, संस्कृतनिष्ठ शब्दावली और उर्दू की मिठास का सुंदर संयोजन अखबारों की भाषा में झलकता था। वह दौर था जब भाषा को सम्मान दिया जाता था और उसे सँवारने का सतत प्रयास होता था।

फिर, टेलीविजन का दौर आया। 1980-90 के दशक में दूरदर्शन पर सरकारी नियंत्रण के कारण भाषा काफी हद तक शुद्ध बनी रही, लेकिन निजी न्यूज चैनलों के उदय के साथ सब कुछ बदल गया। अंग्रेजी माध्यम की शिक्षा ने नई पीढ़ी को हिंदी से दूर कर दिया। स्कूलों में अंग्रेजी को प्रधानता मिली, हिंदी को माध्यमिक भाषा का दर्जा दिया जाने लगा। अंग्रेजी माध्यम से पढ़े-लिखे युवा जब हिंदी न्यूज चैनलों में पत्रकार बने, तो उन्होंने हिंदी में अंग्रेजी के शब्दों को जबरदस्ती घुसेड़ना शुरू कर दिया। ब्रेकिंग न्यूज, ग्राउंड जीरो, एक्सक्लूसिव, स्पॉटलाइट, सोर्सेज के मुताबिक, डेवलपमेंट्स हो रही है जैसे वाक्य आम हो गए। ब्रेकिंग न्यूज की होड़ में अनुवाद की जल्दबाजी ने व्याकरण और शुद्धता को ताक पर रख दिया। चैनलों पर चीख-चीखकर खबरें पढ़ी जाने लगीं, जिससे भाषा की मयार्दा भी कमजोर पड़ गई।

लेकिन असली तबाही ओटीटी (ओवर-द-टॉप) प्लेटफॉर्म्स के साथ आयी। नेटफ्लिक्स, अमेजन प्राइम वीडियो, डिज्नी प्लस, हॉटस्टार, जी फाइव आदि पर हिंदी वेब सीरीज ने भाषा की सारी पारंपरिक सीमाएं तोड़ दीं। संवाद अब शुद्ध हिंदी में नहीं, बल्कि हिंग्लिश, क्षेत्रीय बोलियों के मिश्रण और सबसे ज्यादा गालियों से भरे होते हैं। मिर्जापुर, सेक्रेड गेम्स,

डा. अवधेश कुमार यादव
(हि.स)

पाताल लोक, कॉलेज रोमांस, हॉस्टल डेज जैसी वेब सीरीज में हर दूसरे वाक्य में अश्लील शब्द सुनाई देते हैं। ये शब्द अब सिर्फ पात्रों की भाषा नहीं रहे, बल्कि युवाओं की रोजमर्रा की जुबान बनते जा रहे हैं।

ओटीटी पर अश्लील कंटेंट की बाढ़ से न केवल संस्कृति का सत्यानाश हो रहा है, बल्कि समाज में भाषा की गंभीर समस्या भी उत्पन्न हो रही है। रियलिज्म और ऑथेंटिसिटी के नाम पर अश्लील सीन और संवाद आम हो गए हैं, लेकिन क्या वास्तविक जीवन में हर व्यक्ति हर वाक्य में गाली देता है? क्या कॉलेज के छात्रों की सामान्य भाषा इतनी गंदी होती है? यह सब युवा पीढ़ी पर गहरा मनोवैज्ञानिक प्रभाव डाल रहा है। बच्चे और किशोर इन शब्दों को सुन-देखकर अपनी भाषा में शामिल कर लेते हैं, जिससे समाज में गाली-गलौज सामान्य लगने लगी है।

2025 में स्थिति और गंभीर हुई तो सरकार ने अश्लील और पोर्नोग्राफिक कंटेंट के खिलाफ सख्त कदम उठाए। जुलाई 2025 में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने 25 ओटीटी प्लेटफॉर्म्स (जिनमें उल्लू, एएलटीटी, बिग शॉट्स, डेसिफ्लिक्स, नियॉनएक्स वीआईपी इत्यादि) को ब्लॉक कर दिया, क्योंकि ये अश्लील, वल्गर और पोर्नोग्राफिक सामग्री प्रसारित कर रहे थे। यह कार्रवाई आईटी एक्ट, 2000 और 2021 के इंटरमीडियरी गाइडलाइंस के तहत की गई। इससे पहले 2024 में भी 18 प्लेटफॉर्म्स पर ऐसी ही कार्रवाई हुई थी। कुल मिलाकर, जुलाई 2025 तक 43 प्लेटफॉर्म्स ब्लॉक हो चुके हैं।

सरकार ने 2024 के अंत से ही ओटीटी कंटेंट के लिए नए दिशा-निर्देशों पर काम शुरू किया था, जिसमें प्रोफेनिटी (गाली-गलौज) को बीप करना, अश्लील सीन को ब्लर करना और इंटीमेट सीन के वैकल्पिक चित्रण को बढ़ावा देना शामिल है। हालांकि मुख्यधारा के प्लेटफॉर्म्स जैसे नेटफ्लिक्स, अमेजन प्राइम आदि पर अभी भी सेंसरशिप नहीं है, बल्कि सेल्फ-रेगुलेशन और आईटी रूल्स 2021 के तहत तीन-स्तरीय तंत्र है। दिसंबर 2025 में सरकार ने लोकसभा में स्पष्ट किया कि ओटीटी कंटेंट सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन (सीबीएफसी) के दायरे में नहीं आता, बल्कि अलग से आईटी रूल्स के तहत नियंत्रित होता है। सुप्रीम कोर्ट ने भी कई मामलों में कहा है कि प्रोफेनिटी अपने आप में ओब्सेनिटी नहीं है (जैसे कॉलेज रोमांस मामले में 2024 का फैसला), लेकिन अश्लीलता और बच्चों की सुरक्षा पर चिंता जताई है। अप्रैल 2025 में कोर्ट ने एक याचिका पर केंद्र, ओटीटी प्लेटफॉर्म्स और सोशल मीडिया को नोटिस जारी किया था।

यह स्थिति अत्यंत चिंताजनक है क्योंकि भाषा सिर्फ संवाद का साधन नहीं, बल्कि संस्कृति और समाज का दर्पण है। जब भाषा में गंदगी आएगी, तो समाज में भी वह फैलेगी। युवा पीढ़ी की जुबान खराब हो रही है। अखबारों ने हिंदी को ऊंचा उठाया, टीवी ने गिराया और ओटीटी ने इसे गटर तक पहुंचा दिया। अब समय आ गया है कि सेन्सरशिप या सख्त रेगुलेशन को जरूरी माना जाए। सरकार को चाहिए कि मुख्यधारा ओटीटी पर भी प्रोफेनिटी फिल्टर, आयु-आधारित सख्त क्लासिफिकेशन और ब्लरिंग जैसे उपाय अनिवार्य करे।

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता महत्वपूर्ण है, लेकिन बच्चों की सुरक्षा, सांस्कृतिक गरिमा और भाषा की पवित्रता इससे ज्यादा महत्वपूर्ण है। ओटीटी ने मनोरंजन के नाम पर भाषा और संस्कृति को भारी नुकसान पहुंचाया है। अब हमें तय करना है कि हमारी आने वाली पीढ़ियां अखबारों की शुद्ध हिंदी सीखे या ओटीटी की गालियों से भरी जुबान अपनाए। सेन्सरशिप नहीं तो कम से कम सख्त रेगुलेशन जरूरी है, वरना हिंदी की दुर्गति रुकने का नाम नहीं लेगी।

(लेखक, राजकीय महाविद्यालय, कुल्लू में पत्रकारिता एवं जनसंचार विषय के सहायक प्रोफेसर हैं।)

जरनैल शाम सिंह अटारी के 180वें शहीदी दिवस पर पंजाब सरकार द्वारा नारायणगढ़ और अटारी में राज्य स्तरीय कार्यक्रम

एंग्लो-सिख युद्ध के दौरान सभराओ की जंग में अंतिम सांस तक लड़ने के लिए सरदार शाम सिंह अटारीवाला को हमेशा याद रखा जाएगा - हरभजन सिंह ई.टी.ओ.

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़/ अमृतसर

पंजाब सरकार द्वारा सिख कौम के महान जरनैल शाम सिंह अटारीवाला का 180वां शहीदी दिवस आज इंडिया गेट और अटारी समाधि पर पूरी श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाया गया। राज्य स्तरीय शहीदी समारोह के अवसर पर पंजाब के लोक निर्माण मंत्री सरदार हरभजन सिंह ई.टी.ओ. मुख्य अतिथि और श्री जसविंदर सिंह रमदास, हल्का विधायक अटारी तथा डॉ. जसबीर सिंह संधू, विधायक अमृतसर पश्चिमी विशेष अतिथि के रूप में शामिल हुए।

इस अवसर पर इंडिया गेट के पास बने महान जरनैल शाम सिंह अटारीवाला के स्मारक पर कैबिनेट मंत्री सरदार हरभजन सिंह ई.टी.ओ., विधायक डॉ. जसबीर सिंह संधू, ब्रिगेडियर एस.एस. जामवाल, कमांडर 54 इन्फेंट्री ब्रिगेड, कर्नल सुमित शर्मा, उपायुक्त श्री दलविंदरजीत सिंह, पुलिस आयुक्त सरदार गुरप्रीत सिंह भुल्लर, एस.डी.एम. सरदार मनकंवल सिंह चाहल, कर्नल हरिंदर सिंह, कर्नल कुलदीप सिंह ने शहीद सरदार शाम सिंह अटारीवाला की प्रतिमा पर श्रद्धांजलियां अर्पित कीं। इस अवसर पर पंजाब पुलिस के जवानों द्वारा महान जरनैल सरदार शाम सिंह अटारीवाला को हथियार उल्टे कर सलामी भी दी गई।

इसके बाद अटारी स्थित सरदार शाम सिंह अटारीवाला की समाधि पर आयोजित श्री अखंड पाठ साहिब के भोग के बाद धार्मिक दीवान सजाए गए। श्री दरबार साहिब के हजूरी रागी भाई गुरजीत सिंह बैंका द्वारा गुरु जस गायन किया गया और भाई गुरप्रीत सिंह भंगू के ढाडी जत्थे द्वारा जरनैल शाम सिंह अटारीवाला के जीवन और उनकी शहादत का वृत्तांत संगतों के साथ साझा किया गया। बड़ी संख्या में लोगों ने अटारी पहुंच कर महान जरनैल शाम सिंह को श्रद्धा के फूल अर्पित किए।

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री सरदार हरभजन सिंह ई.टी.ओ. ने सरदार शाम सिंह अटारीवाला जी की समाधि पर नतमस्तक होकर उन्हें अपनी श्रद्धा और सम्मान अर्पित किया। इस अवसर पर उन्होंने सरदार शाम सिंह अटारीवाला म्यूजियम का दौरा भी किया। इसके बाद धार्मिक दीवान में सरदार शाम सिंह अटारीवाला को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कैबिनेट मंत्री सरदार हरभजन सिंह ई.टी.ओ. ने कहा कि सरदार शाम सिंह अटारीवाला सिख कौम के महान जनरल थे और एंग्लो-सिख युद्ध के दौरान सभराओ की जंग में आखिरी दम तक जूझने के लिए उन्हें हमेशा याद रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि सरदार शाम सिंह अटारीवाला की बहादुरी और शहादत की प्रशंसा अंग्रेजों ने भी की है। उन्होंने कहा कि शहीद कौम का धरोहर होते हैं और अपने शहीदों को याद रखना हमारा नैतिक कर्तव्य है।

सरदार हरभजन सिंह ई.टी.ओ. ने कहा कि अटारी गांव को नया रूप दिया जाएगा ताकि रिट्रीट सेरेमनी देखने आने वाले यात्री अटारीवाला की समाधि पर आएं और अपने बच्चों को उनकी शहादत के बारे में बताएं। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे इस तरह के कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें और अपने बच्चों को भी इतिहास से अवगत कराएं। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार महान शहीद सरदार शाम सिंह अटारीवाला की शहादत को नमन करती है, जिन्होंने अपनी जान देश-कौम के लिए कुर्बान कर दी।

इस मौके पर सरदार शाम सिंह अटारी के परिवार के सदस्यों और ट्रस्ट के पदाधिकारियों कर्नल हरिंदर सिंह अटारी, मलविंदर अटारी, बीर इंदर सिंह, महासचिव श्री हरप्रीत सिंह सिद्धू, बीबा अमितेश्वर कौर, बीबा जसप्रीत कौर, बीबा संदीप कौर, श्री दिनेश सिंह सिद्धू, इंदर जसबीर सिंह संधू लोपोके, अनंतबीर सिंह, चरणजीत सिंह, रमनदीप कौर, रवि इंदर सिंह, कर्नल गुरबंत सिंह, श्रीमती हरमन सिंह, जसकिरन कौर, रमनदीप कौर, सरपंच अटारी हरप्रीत सिंह को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री सरदार हरभजन सिंह ई.टी.ओ. द्वारा प्रसिद्ध लेखिका डॉ. कुलविंदर कौर मिन्हास की पुस्तक ह्यसिख राज के आखिरी थंम -सरदार शाम सिंह अटारीवालाह्व का विमोचन भी किया गया।

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री सरदार हरभजन सिंह ई.टी.ओ. की धर्मपत्नी श्रीमती सुरिंदर कौर, भारतीय वायु सेना के पूर्व अधिकारी निर्मल सिंह बेदी, कर्नल कुलदीप सिंह, धन-धन बाबा दीप सिंह जी हरियाली मिशन के अध्यक्ष कंवलजीत सिंह, रछपाल सिंह, सूबेदार मेजर मनजीत सिंह, नरिंदर सिंह के अलावा बड़ी संख्या में इलाके के निवासी और विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थी भी मौजूद रहे।

पंजाब के प्रयास रंग लाए; जी-4 पोटाश खोज परियोजना को मिली मंजूरी: बरिंदर कुमार गोयल

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब के खनन एवं भू-विज्ञान मंत्री बरिंदर कुमार गोयल द्वारा पंजाब भर के सभी खनिज समृद्ध क्षेत्रों की तत्काल पहचान करने के मुद्दे को बड़े स्तर पर उठाए जाने के बाद केंद्रीय खनन मंत्रालय के राष्ट्रीय खनिज खोज एवं विकास ट्रस्ट की परियोजना सैंकशनिंग कमेटी की 9 फरवरी, 2026 को हुई बैठक में ह्यह्यपंजाब के जिला फाजिल्का के चवाड़ियांवाली क्षेत्र में पोटाश के लिए खोज सर्वेक्षण जी-4ह्वह्व शीर्षक वाली नई खोज परियोजना को मंजूरी दे दी गई है।

इस संबंध में अधिक जानकारी देते हुए बरिंदर कुमार गोयल ने बताया कि यह परियोजना मिनरल एक्सप्लोरेशन एंड कंसल्टेंसी लिमिटेड द्वारा 21 महीनों की अवधि के अंदर 1903.11 लाख रुपये की अनुमानित लागत से 48.0 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में लागू की जाएगी।

उन्होंने बताया कि स्वीकृत योजना के अनुसार 9 महीनों बाद परियोजना की समीक्षा की जाएगी। पहले चरण में 3200 मीटर के ग्रिड अंतराल पर 5700 मीटर की कुल ड्रिलिंग सहित छह बोरहोल किए जाएंगे। समीक्षा के बाद पहचाने गए संभावित जोनों में दूसरे चरण के तहत 1600 मीटर के ग्रिड अंतराल पर 8550 मीटर की कुल ड्रिलिंग सहित नौ अतिरिक्त बोरहोल किए जाएंगे।

उल्लेखनीय है कि पिछले जनवरी महीने में पंजाब के खनन एवं भू-विज्ञान मंत्री बरिंदर गोयल ने गुजरात के गांधीनगर में आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय खनिज चिंतन सम्मेलन-2026 के दौरान पंजाब में पोटाश की खोज का मुद्दा जोरदार तरीके से उठाया था। उन्होंने फाजिल्का ज़िले में पोटाश के संभावित स्त्रोतों की पहचान का मुद्दा उठाते हुए फील्ड सीजन 2025-26 के दौरान ड्रिलिंग और भू-वैज्ञानिक मैपिंग के कार्यों में तेजी लाने के लिए भी कहा था।

इसी दौरान कैबिनेट मंत्री ने केंद्रीय एजेंसियों से अपील की थी कि पंजाब में पोटाश की खोज को प्राथमिकता दी जाए क्योंकि इसका सीधा संबंध देश की खाद्य सुरक्षा और किसानों की भलाई से जुड़ा हुआ है। उन्होंने राज्य भर के खनिज समृद्ध क्षेत्रों में विश्वसनीय तरीके से खनिज सूची तैयार करने के लिए समयबद्ध कार्रवाई की मांग भी की थी।

पंजाब सरकार द्वारा खोज क्षेत्र के विस्तार के बारे में अनुरोध के बाद भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण विभाग ने फील्ड सीजन 2026-27 के दौरान फाजिल्का ज़िले के केरा-खेड़ा ब्लॉक और सईदवाला ब्लॉक में पोटाश के लिए प्रारंभिक सर्वेक्षण और कंधवाला-रामसरा ब्लॉक में प्रारंभिक खोज कार्यक्रम का प्रस्ताव रखा है। इस कार्यक्रम के तहत पहचानी गई 15 संभावित स्थानों पर ड्रिलिंग की जानी है। कैबिनेट मंत्री ने मांग की कि राज्य के पोटाश स्त्रोत आधार को मजबूत करने के लिए सभी प्रस्तावित ब्लॉकों में कार्य, फील्ड सीजन 2026-27 की निर्धारित समय-सीमा के अंदर पूरे किए जाएं।

डॉ. बलजीत कौर द्वारा नव-नियुक्त भलाई बोर्ड चेयरपर्सन के साथ पहली आधिकारिक बैठक; हर वर्ग के हितों की सुरक्षा सरकार की प्राथमिकता

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

मुख्यमंत्री स. भगवंत सिंह मान के निर्णायक नेतृत्व में, पंजाब सरकार समाज के सभी वर्गों के हितों की रक्षा करने और पूरे राज्य में सामाजिक न्याय तथा सशक्तिकरण के ढांचे को मजबूत करने के लिए निर्णायक, समयबद्ध और परिणाम-उन्मुख कदम उठा रही है। यह बात सामाजिक न्याय, अधिकारिता और अल्पसंख्यक मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने कही। पंजाब भवन में विभिन्न भलाई बोर्डों के नव-नियुक्त चेयरपर्सन के साथ पहली आधिकारिक बैठक की अध्यक्षता करते हुए, डॉ. बलजीत कौर ने स्पष्ट रूप से कहा कि भलाई बोर्डों को सक्रियता, जिम्मेदारी और सरकार के साथ निकट समन्वय के साथ काम करना चाहिए। उन्होंने चेयरपर्सन को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने समुदायों के मुद्दों, मांगों और प्राथमिकताओं की योजनाबद्ध तरीके से पहचान करें और यह सुनिश्चित करें कि इनका समय पर और प्रभावी प्रशासनिक कार्रवाई के माध्यम से समाधान किया जाए। बैठक के दौरान कैबिनेट मंत्री ने विभिन्न भलाई बोर्डों के चेयरपर्सन द्वारा उठाई गई समस्याओं को बहुत गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट एवं समयबद्ध निर्देश जारी किए, साथ ही नियमित अनुपालन रिपोर्ट्स की मांग भी की, जिससे देरी या प्रक्रियागत ढिलाई की कोई गुंजाइश नहीं छोड़ी गई।

डॉ. बलजीत कौर ने जोर देकर कहा कि पंजाब सरकार का दृष्टिकोण भलाई बोर्डों के गठन से कहीं अधिक है।

हमारा उद्देश्य हर योग्य नागरिक को भलाई योजनाओं की प्रभावी, पारदर्शी और सीधी डिलीवरी सुनिश्चित करना है, उन्होंने कहा। उन्होंने कहा कि सरकार सबके लिए न्याय, सबके लिए विकास के सिद्धांत पर अटूट प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है। उन्होंने जोर देकर कहा कि मौजूदा व्यवस्था के तहत समाज के किसी भी वर्ग को उपेक्षित या हाशिए पर धकेला महसूस करने की इजाजत नहीं दी जाएगी। इस मिशन में भलाई बोर्डों से सरकारी नीतियों को जमीनी स्तर तक पहुँचाने में निर्णायक भूमिका निभाने की अपेक्षा की जाती है।

डॉ. बलजीत कौर ने आगे कहा कि यह पहल पंजाब सरकार के दृढ़ इरादे को दशार्ती है कि वह पूरे राज्य में समावेशी विकास, सामाजिक न्याय और एक सद्भावपूर्ण एवं समानता वाले सामाजिक ताने-बाने को मजबूती प्रदान कर रही है।

इस अवसर पर सामाजिक न्याय, अधिकारिता और अल्पसंख्यक विभाग के प्रधान सचिव श्री वी.के. मीणा, आई.ए.एस., निदेशक श्रीमती विम्मी भुल्लर, आई.ए.एस. तथा विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी बैठक में विशेष रूप से उपस्थित थे।

पंजाब पुलिस ने अमृतसर में पाक-आईएसआई की हिमायत प्राप्त आतंकी साजिश को नाकाम किया; आरडीएक्स आधारित आईईडी सहित एक व्यक्ति गिरफ्तार

चंडीगढ़/अमृतसर। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निदेर्शानुसार पंजाब को सुरक्षित राज्य बनाने के लिए चलाई गई मुहिम के दौरान, खुफिया जानकारी के आधार पर कार्रवाई करते हुए, स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल (एसएसओसी) अमृतसर ने एक आरोपी को आरडीएक्स आधारित इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) सहित गिरफ्तार कर पाकिस्तान की आईएसआई समर्थित आतंकी साजिश को नाकाम कर दिया है। यह जानकारी आज यहां पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव ने दी। गिरफ्तार आरोपी की पहचान राहुल कुमार उर्फ गज्जू, निवासी चमरंग रोड, अमृतसर के रूप में हुई है। वह अमृतसर के एक सैलून में सहायक के रूप में काम करता है। डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच के अनुसार गिरफ्तार आरोपी पाकिस्तान स्थित हैंडलरों के निर्देश पर काम करने वाला एक विदेशी हैंडलर के संपर्क में था। उन्होंने कहा कि जांच के दौरान यह भी खुलासा हुआ है कि आरोपी राहुल ने अपने विदेशी हैंडलर के निर्देश पर शहर के बाहरी इलाके में एक निर्धारित स्थान से खेप प्राप्त की थी। उन्होंने आगे कहा कि डिवाइस को पीवीसी पाइप की केसिंग में छिपाया गया था ताकि इसका पता न चल सके। डीजीपी ने कहा कि आईईडी की डिलीवरी के स्त्रोत का पता लगाने के लिए जांच जारी है। इस ऑपरेशन के बारे में जानकारी देते हुए एआईजी एसएसओसी अमृतसर सुखमिंदर सिंह मान ने बताया कि पाकिस्तान से आईईडी वाली खेप भेजे जाने की विश्वसनीय खुफिया जानकारी मिलने पर पुलिस टीमों ने एक ऑपरेशन चलाया और संदिग्ध राहुल उर्फ गज्जू को आईईडी सहित गिरफ्तार कर लिया। एआईजी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी 2022 में अपने विदेशी हैंडलर के पंजाब दौरे के दौरान उसके संपर्क में आया था और दोनों एन्क्रिप्टेड मोबाइल ऐप्स के माध्यम से एक-दूसरे से संपर्क करते थे। उन्होंने कहा कि विदेशी हैंडलर ने शुरू में राहुल को काम सौंपने से पहले उसके खर्चों के लिए छोटी-छोटी रकम देकर उसे जाल में फंसाया। उन्होंने कहा कि इस मामले की आगे की जांच जारी है।

बाल जोगी परगट नाथ की भगवान वाल्मीकि जी तीर्थ स्थल के श्राइन बोर्ड के सलाहकार बोर्ड के चेयरमैन के तौर पर नियुक्ति

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

भगवान वाल्मीकि जी तीर्थ स्थल को बड़े और अंतरराष्ट्रीय केंद्र के तौर पर विकसित करने के स्पष्ट विजन के साथ मुख्य मंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार ने श्री बाल जोगी परगट नाथ को भगवान वाल्मीकि जी तीर्थ स्थल के श्राइन बोर्ड के सलाहकार बोर्ड का चेयरमैन नियुक्त किया है। यह नियुक्ति भगवान वाल्मीकि जी तीर्थ स्थल को दलित आस्था, विरासत और आध्यात्मिक फलसफे के विश्व स्तरीय मान्यता प्राप्त केंद्र के तौर पर उभारने की भगवंत मान सरकार की नीयत को दशार्ता है। मुख्य मंत्री भगवंत सिंह मान ने श्री बाल जोगी परगट नाथ को बधाई देते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में भगवान वाल्मीकि जी तीर्थ स्थल को दलित आस्था के अंतरराष्ट्रीय केंद्र के तौर पर विकसित किया जाएगा, जो दुनिया भर के श्रद्धालुओ, विद्वानों और सैलानियों के लिए आकर्षण का केंद्र होगा। पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि भारत के विकास में दलित भाईचारे का बड़ा योगदान रहा है और भगवंत मान सरकार इस योगदान का सम्मान करने और इसको घर- घर पहुंचाने के लिए पूरी तरह वचनबद्ध है।

उन्होंने कहा, भगवान वाल्मीकि जी तीर्थ स्थल न केवल आस्था का पवित्र स्थान है, बल्कि बहुत बड़ी सभ्यता वाला महत्वपूर्ण स्थान भी है। इसका अंतरराष्ट्रीय स्तर का विकास भगवान वाल्मीकि जी के बराबरी, सम्मान और सामाजिक न्याय की शिक्षाओं को विश्व के कोने- कोने तक पहुंचाने में सहायक होगा।

वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि भगवंत मान सरकार भगवान वाल्मीकि जी तीर्थ स्थल को ऐसे तरीके के साथ विकसित करने के लंबे समय के विजन के साथ काम कर रही है कि भगवान वाल्मीकि जी के जीवन, फलसफे और शाश्वत योगदान को विश्व मंच पर पेश किया जा सके। उन्होंने कहा, ₹ कोशिश यह है कि भगवान वाल्मीकि जी तीर्थ स्थल को अंतरराष्ट्रीय प्रसिद्धि वाले ऐसे स्थान के तौर पर विकसित किया जाए, जहां आस्था, इतिहास और शिक्षा का मेल हो, जिसके साथ अलग- अलग देशों के लोग आदि कवि भगवान वाल्मीकि जी की आध्यात्मिक और बौद्धिक विरासत के साथ जुड़ सकें।₹

अमृतसर के नजदीक स्थित भगवान वाल्मीकि जी का यह पवित्र स्थान आस्था, इतिहास और आध्यात्मिक विरासत का एक शाश्वत प्रतीक है। अमृतसर से लगभग 12 किलोमीटर पश्चिम में चोगावां रोड पर स्थित भगवान वाल्मीकि जी तीर्थ स्थल रामायण काल का है और महारिषी वाल्मीकि जी के आश्रम के तौर पर जाना जाता है। इस पवित्र स्थान पर एक प्राचीन सरोवर और कई मंदिर है।

यहां एक कुटिया भी है जो उस स्थान की निशानदेही करती है जहां माता सीता जी ने अपने दो पुत्रों लव और कुश को जन्म दिया था। इस तीर्थ पर भगवान वाल्मीकि जी की कुटिया भी मौजूद है।

भगवान वाल्मीकि जी पैनोरामा: आस्था और सम्मान की मिसाल

भगवंत मान सरकार ने दलित आस्था प्रति सत्कार को असली रूप दिया है। अक्तूबर 2024 में, मुख्य मंत्री भगवंत सिंह मान ने अमृतसर में अति-आधुनिक'भगवान वाल्मीकि जी पैनोरामा'लोगों को समर्पित किया था। उन्होंने इस को दुनिया के पहले महाकाव्य रामायण के रचेता आदि कवि भगवान वाल्मीकि जी को एक नम्र श्रद्धांजलि बताया था।

संक्षिप्त-समाचार

फि रोजपुर मंडल में ट्रेन मैनेजर की तत्परता से बची एक रेलयात्री की जान

जैतो। उत्तर रेलवे के फिरोजपुर रेल मंडल द्वारा मंगलवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि कल ट्रेन संख्या 74976 (फाजिल्का-फिरोजपुर कैंट डेमू ट्रेन) में कार्यरत ट्रेन मैनेजर (गार्ड) श्री विक्रम कुमार को फाज़िल्का स्टेशन से ट्रेन के प्रस्थान करने बाद यात्रियों द्वारा सूचना दिया गया कि एक यात्री ट्रेन के भीतर सीट पर अचेत अवस्था में पड़े हुए है। इसके बाद श्री विक्रम कुमार ने तत्परता दिखाते हुए ट्रेन को रुकवाया तथा स्थिति का जायजा लिया। जाँच के दौरान उन्होंने पाया कि फाज़िल्का से फि रोजपुर की यात्रा कर रहे एक यात्री श्री पतरस सिंह ट्रेन के अंदर अचेत अवस्था में पड़े हुए है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए, उन्होंने बिना समय गवाए यात्री को सीपीआर दिया तथा तत्काल स्टेशन अधीक्षक फाजिल्का से संपर्क कर एम्बुलेंस की व्यवस्था करवाई। इसके पश्चात यात्री को सदर अस्पताल, फाज़िल्का भेजा गया। सदर अस्पताल में उन्हें समय पर चिकित्सीय सहायता उपलब्ध कराई गई। ट्रेन मैनेजर द्वारा समय पर दी गई त्वरित चिकित्सीय सहायता के कारण यात्री की जान बचाई जा सकी। मंडल रेल प्रबंधक श्री संजीव कुमार ने इस सराहनीय कार्य की प्रशंसा करते हुए कहा कि ट्रेन मैनेजर श्री विक्रम कुमार द्वारा समय पर दिखाई गई सूझ-बूझ एवं त्वरित चिकित्सीय सहायता से एक यात्री की जान बच सकी, जो रेलकर्मियों की कर्तव्यपरायणता एवं मानवीय मूल्यों का उत्कृष्ट उदाहरण है। मंडल रेल प्रबंधक ने इस अवसर पर कहा कि मंडल के फ्रंटलाइन स्टाफ को समय-समय पर सीपीआर और प्राथमिक चिकित्सा सम्बन्धी प्रशिक्षण दिया जाता है ताकि किसी भी आकस्मिकता के दौरान रेलयात्रियों को प्राथमिक चिकित्सीय सहायता प्रदान की जा सके।

शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने पटियाला के स्कूल ऑफ एमिनेंस का अचानक किया दौरा

चंडीगढ़। पंजाब के शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने आज सुबह पटियाला जिले के भादसों में स्थित स्कूल ऑफ एमिनेंस का अचानक दौरा किया, जो भगवंत मान सरकार की चल रही 'पंजाब शिक्षा क्रांति' के तहत सरकारी स्कूलों में शिक्षा को मजबूत करने की दृढ़ वचनबद्धता को उजागर करता है। इस दौरे के दौरान शिक्षा मंत्री ने चल रहे बुनियादी ढांचे के विकास कार्यो का जायजा लिया और शिक्षा की गुणवत्ता तथा प्रदान की जा रही सुविधाओं का मूल्यांकन करने के लिए विद्यार्थियों के साथ सीधे तौर पर बातचीत की। स्कूल का व्यापक दौरा करते हुए स.हरजोत सिंह बैंस ने बुनियादी ढांचे को अपग्रेड करने सम्बन्धित कार्यो की प्रगति का बारीकी से जायजा लिया। उन्होंने स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता और सुविधाओं के बारे में फीडबैक लेने के लिए विद्यार्थियों के साथ बातचीत भी की। स. बैंस ने इस स्कूल में 90 लाख रुपए की लागत से बनाए जा रहे अति- आधुनिक इन्डोर स्पोर्टस कंपलैक्स के निर्माण का भी जायजा लिया, जिसमें दो कबड्डी मैट और एक कुश्ती मैट सहित 2,000 लोगों के बैठने की सामर्थ्य है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार द्वारा युवाओं को मानसिक और शारीरिक पक्ष से सेहतमंद बनाने के लिए शिक्षा पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। स. हरजोत सिंह बैंस ने कहा, ₹ शिक्षा भगवंत मान सरकार की प्राथमिकता है। हमारे 'स्कूल आफ एमिनेंस' केवल इमारतें नहीं है; यह भविष्य के नेताओं और पेशेवरों का आधार है। प्राईवेट स्कूलों के विद्यार्थियों की तरफ से सरकारी स्कूलों में दाखिला लेना हमारी नीतियों और प्रदान की जा रही मानक शिक्षा का प्रत्यक्ष प्रमाण है। ₹ शिक्षा मंत्री ने कहा, ₹ शिक्षा के लिए फंड की कोई कमी नहीं है। हमारे विद्यार्थियों में निवेश करना सीधे तौर पर पंजाब और देश के भविष्य में निवेश करने के बराबर है। ₹ स्कूल प्रिंसिपल प्रीतइन्दर घई ने शिक्षा मंत्री को बताया कि इस शैक्षणिक वर्ष स्कूल के दाखिलों में 11 प्रतिशत विस्तार हुआ है और 200 से अधिक विद्यार्थी प्राईवेट स्कूलों से आए है, जो कि सरकारी शिक्षा प्रणाली में अभिभावकों के बढ़ते विश्वास को दिखाता है।

90 दिनों में दूसरी बार प्रताप सिंह बाजवा के खिलाफ लेना पड़ा एस.सी. कमीशन को नोटिस

एस.सी. कमीशन द्वारा भेजे गए नोटिस को प्रताप सिंह बाजवा के घरेलू कर्मचारियों ने लेने से किया इनकार: जसवीर सिंह गढ़ी

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब राज्य अनुसूचित जातियां आयोग द्वारा भेजे गए नोटिस को विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा के चंडीगढ़ स्थित सेक्टर 8 और सेक्टर 39 के निवास स्थानों के घरेलू कर्मचारियों ने लेने से इनकार कर दिया गया। यह जानकारी आज यहां पंजाब राज्य अनुसूचित जातियां आयोग के अध्यक्ष श्री जसवीर सिंह गढ़ी ने दी।

उन्होंने बताया कि कैबिनेट मंत्री हरभजन सिंह ई.टी.ओ. के खिलाफ की गई जातिसूचक टिप्पणी के संबंध में एस.सी. कमीशन द्वारा लिए गए स्वतरू संज्ञान नोटिस की तामील करवाने के लिए कमीशन का कर्मचारी दो बार विपक्ष के नेता के घर जा चुका है।

श्री गढ़ी ने कहा कि प्रताप सिंह बाजवा को पहले तरनतारन चुनाव के दौरान नोटिस जारी किया गया था और अब फिर 90 दिनों के भीतर एक अन्य मामले में नोटिस जारी किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रताप सिंह बाजवा द्वारा अपने इस बयान के माध्यम से जहां उन्होंने अपनी जागीरू सोच का प्रदर्शन किया है, वहीं कांग्रेस पार्टी के दलित विरोधी डी.एन.ए. का चेहरा भी स्पष्ट किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग भी दलित विरोधी मानसिकता को अपने बयानों के माध्यम से व्यक्त कर चुके हैं और कमीशन जल्द उनके खिलाफ भी कार्रवाई करने जा रहा है।

श्री गढ़ी ने कहा कि हरभजन सिंह ई.टी.ओ. ने अपने जीवन में कठिनाइयों के बावजूद एम.ए., बी.एड. करने के बाद बच्चों को शिक्षा देने का कार्य किया और फिर पंजाब की बहुत ही सम्मानजनक पी.सी.एस. परीक्षा पास करके ई.टी.ओ. बनकर सेवाएं निभाईं। जिस पर दलित वर्ग और समूचे पंजाब को बहुत गर्व है।

आयोग के चेयरमैन ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने दलितों का केवल अपमान ही किया है, जिसके अनेक सबूत हैं। उन्होंने कहा कि भारत को दुनिया का महान संविधान देने के बारे में बाबा साहिब डॉ. भीम राव अंबेडकर जी का रास्ता रोकने के लिए कांग्रेस पार्टी ने अनेक कोशिशें कीं।

उन्होंने कहा कि बाबा साहिब की संविधान सभा में एंट्री रोकने के लिए कांग्रेस पार्टी ने अनेक कोशिशें कीं। इसके बाद जिस इलाके से बाबा साहिब चुनाव जीतकर आए, उस इलाके को 58 प्रतिशत गैर-मुस्लिम आबादी होने के बावजूद पाकिस्तान को दे दिया गया, जबकि बंटवारे के दौरान नियम था कि जिस इलाके की 50 प्रतिशत से अधिक आबादी गैर-मुस्लिम होगी, वह इलाका हिंदुस्तान को दिया जाएगा। इसके अलावा दलितों को साइमन कमीशन द्वारा दिए जा रहे अधिकारों को खत्म करवाने के लिए कांग्रेस पार्टी ने हर तरीका अपनाया और आखिर में साइमन कमीशन की सिफारिशों को लागू होने से रोकने के लिए महात्मा गांधी ने पूना जेल में मरण व्रत रख लिया, जिसके कारण बाबा साहिब को दलितों को मिल रहे दोहरे मताधिकार को छोड़ना पड़ा।

उन्होंने कहा कि आजकल कांग्रेस पार्टी के नेता यह प्रचार करते फिरते हैं कि दलितों को कांग्रेस पार्टी ने बहुत कुछ दिया है, जबकि सच्चाई यह है कि भारत के दलितों को बाबा साहिब डॉ. भीम राव अंबेडकर और भारतीय संविधान ने अधिकार दिए हैं।

उन्होंने अंत में कहा कि यदि प्रताप सिंह बाजवा में भारतीय संविधान में आस्था है तो वह एस.सी. कमीशन द्वारा दिए गए इस नोटिस के संबंध में 11 फरवरी 2026 को दोपहर 3 बजे अपना स्पष्टीकरण एस.सी. कमीशन के दफ्तर में आकर दे दें।

मणिपुर में तीन उग्रवादी गिरफ्तार भारी मात्रा में गोला-बारूद बरामद

मणिपुर के अलग-अलग जिलों में 115 नाके लगा की गई संघन जांच

एजेंसी (हि.स.)
इंफाल

हिंसाग्रस्त मणिपुर में पुलिस एवं सुरक्षा एजेंसियां उग्रवादियों, अवैध हथियार एवं मादक पदार्थ के विरूद्ध लगातार अभियान जारी रखे हुए हैं। अलग-अलग अभियानों में तीन उग्रवादियों को जहां गिरफ्तार किया गया, वहीं भारी मात्रा में गोला-बारूद बरामद करने के साथ ही हिंसा प्रभावित क्षेत्र में फंसे दो लोगों को बचाया गया।

मणिपुर पुलिस मुख्यालय द्वारा मंगलवार को जारी जानकारी के अनुसार सोमवार को सुरक्षा बलों ने इंफाल पूर्व जिले के लमलाई थानांतर्गत नोंगदम गांव, न्गारू चेंगजेल पहाड़ी क्षेत्र से भारी मात्रा में गोला-बारूद बरामद किया। बरामद सामग्रियों में मुख्य रूप से मैगजीन के साथ एक .303 राइफल, दो 12 बोर सिंगल बैरल रायफल, एक मैगजीन के साथ 9 मिमी की चार पिस्तौल और तीन 36 नंबर हैंड ग्रेनेड शामिल हैं। इस मामले में किसी की भी गिरफ्तारी नहीं हुई है। वहीं, अन्य एक अभियान में इंफाल पश्चिम जिले के सिंगजामेई थानांतर्गत लिलोंग चाजिंग क्षेत्र में बम विस्फोट के एक मामले की जांच के बाद मणिपुर पुलिस ने इंफाल पश्चिम और इंफाल पूर्व जिलों के विभिन्न स्थानों से अपराध में शामिल केसीपी (अपुनबा) के तीन सक्रिय कैडरों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार उग्रवादियों की पहचान लैशराम बुलु सिंह (39), पुयामाचा डेविड (22) और निंगथौजम चलम्बा सिंह (29) के रूप में की गयी है। उनके कब्जे से एक चार पहिया वाहन

फोटोः हि.स.

मारुति जिप्सी (एमएन-01एके-3615), एक .45 पिस्तौल मैगजीन के साथ और 17 राउंड, तीन मोबाइल फोन, एक बटुआ जिसमें 220 रुपये और आधार कार्ड समेत अन्य आपत्तिजनक सामान बरामद किया गया। पुलिस सूत्रों ने बताया है कि बीते सोमवार को सुरक्षा बलों ने दो ड्राइवरों को बचाया, जो उखरुल जिले के लिटन थानांतर्गत लामलाई चिंगफेई कुकी गांव में एक ट्रक के खराब होने के बाद फंसे हुए थे। बचाए गए लोगों की पहचान चिहांसो कोशिंग (26) और कनम्बुआन गोलमेई (17) के तौर पर हुई, जिन्हें सुरक्षा बलों के सफल रेस्क्यू मिशन के बाद सुरक्षित रूप से सिंगांगपोकपी थाना लाया गया और इलाके में हिंसा को और बढ़ने से रोका गया। सुरक्षा बल ज़िलों के अंतिम छोर और सुरक्षा की दृष्टि से कमजोर इलाकों में तलाशी अभियान और एरिया डोमिनेशन जारी रखे हुए हैं, जिससे हथियार और गोला-बारूद बरामद हुए हैं।

पुलिस सूत्रों ने बताया है कि बीते सोमवार को मणिपुर के अलग-अलग ज़िलों में पहाड़ियों और घाटी दोनों में कुल 115 नाके/चेकपॉइंट लगाए गए थे, लेकिन किसी को भी हिरासत में नहीं लिया गया। राष्ट्रीय राजमार्ग-37 पर जरूरी सामान ले जा रही 306 गाड़ियों की आवाजाही सुनिश्चित की गई है। सभी संवेदनशील स्थानों पर कड़े सुरक्षा उपाय किए गए हैं और वाहनों की स्वतंत्र और सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए संवेदनशील हिस्सों में सुरक्षा काफिला प्रदान किया गया है।

पाकिस्तान की सेना का नुश्की में धावा

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)
क्वेटा (बलोचिस्तान) पाकिस्तान

पाकिस्तान के अशांत प्रांत बलोचिस्तान के नुश्की शहर में सेना दाखिल हो गई है। पाकिस्तान की फौज टैंकों और बख्तरबंद वाहनों के साथ घुसी। सेना के नुश्की शहर में दाखिल होते ही सबसे पहले कर्फ्यू लगा दिया गया।

इसके बाद सेना ने नुश्की के गाजियाबाद और अहमदवाल में दो घरों को बम से विस्फोट कर उड़ा दिया। अहमदवाल में नष्ट किया गया घर बलोच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) प्रमुख बशीर जैब बलूच के पैतृक आवास था। द बलोचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। रिपोर्ट के

बलोचिस्तान लिबरेशन आर्मी प्रमुख बशीर जैब के पैतृक घर को बम से उड़ाया

अनुसार, गाजियाबाद में जिस घर को ध्वस्त किया गया, वह 2011 से खाली था। यह मकान हाजी अब्दुल समद का था। उनका 2009 में निधन हो गया था। उनका परिवार कई वर्षों से खाड़ी देश में रह रहा है। उल्लेखनीय है कि 31 जनवरी को बीएलए ने नुश्की समेत अन्य जिलों पर नियंत्रण हासिल कर लिया था। बीएलए का यहां छह दिन तक नियंत्रण रहा। बीएलए ने छह दिन बाद अभियान की समाप्ति की घोषणा की और कहा कि इस दौरान लड़ाकों ने सेना परिसरों और आईएसआई मुख्यालयों को निशाना बनाया। इस अभियान में सेना के दर्जनों जवान मारे गए। इस बीच बीएलए के मीडिया विंग ने कहा कि अभियान के दौरान उसके फिदायीन की जान चली गई।

मीडिया विंग के अनुसार, लड़ाई में शहादत पाने वालों में तुरंत के सलाम बलोच और वसीम उर्फ करीम शामिल हैं। इस दौरान लड़ाकों ने खारान में कब्जा करने वाली सेना के जवानों से थर्मल स्कोप और नाइट विजन सहित सैन्य उपकरण छीन लिए। मस्तुंग में सुरक्षा बलों के जवानों से हथियार जब्त किए गए। इस लड़ाई में 93 लड़ाकों की जान चली गई।

जापान की अर्थनीति में ताकाइची ने दिए बड़े बदलाव के संकेत

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)
टोक्यो

जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची ने देश की अर्थनीति में बड़े बदलाव के संकेत दिए हैं। प्रतिनिधि सभा के चुनाव में सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) की जीत के बाद सोमवार को अपने पहले संवाददाता सम्मेलन में ताकाइची ने कहा कि चुनाव में जनता ने हमें आर्थिक नीतियों में बदलाव के लिए चुना है। जापान टुडे की रिपोर्ट के अनुसार प्रधानमंत्री ताकाइची ने कहा कि जापान को ₹ज्यादा फिस्कल सख्ती₹ (घाटे को कम करने के लिए खर्चों में कटौती करना और राजस्व बढ़ाना) से हटकर जिम्मेदार लेकिन एग्रेसिव फिस्कल पॉलिसी (आक्रामक राजकोषीय नीति) लागू करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि सरकार अर्थ अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए हर कोशिश करेगी। ताकाइची ने एलडीपी के वादे शांतिवादी संविधान में बदलाव करने की दिशा में काम करने की भी इच्छा जताई। उन्होंने कहा एलडीपी को नीतिगत बदलाव के साथ आगे बढ़ने का जनादेश मिला है। एलडीपी जनता का दिल से आभार व्यक्त करती है। अक्टूबर में पद संभालने के बाद ताकाइची की एलडीपी र जेआईपी को मिलाकर 352 सीटें मिलीं हैं। इनमें एक निर्दलीय सदस्य भी शामिल है। एलडीपी को 316 सीटें मिली हैं, जो पहले की 198 सीटों से ज्यादा हैं, जबकि जेआईपी ने अपनी सीटों की संख्या दो बढ़ाकर 36 कर ली।

ई-गवर्नेंस संशोधन कार्यक्रम में बेहतरीन 5 ज़िला परिषदों में ठाणे शामिल

मुंबई। राज्य150 दिन के ई-गवर्नेंस इम्प्रूवमेंट प्रोग्राम के तहत, 26 जनवरी, 2026 को उन सरकारी दफ़्तरों का चुनाव किया गया, जिन्होंने ऑफि स वेबसाइट, आपले सरकार सिस्टम, ई-ऑफि स, ऑफि स डैशबोर्ड, व्हाट्सएप चैटबॉट, सरकारी काम में एआई और ब्लॉक चेन का इस्तेमाल और काम में जीआईएस का इस्तेमाल जैसे 7 बड़े मुद्दों पर शानदार काम किया। उल्लेखनीय है कि चुनाव आचार संहिता की वजह से रुके हुए ज़िला परिषद ऑफिस कैडर के नतीजे मंगलवार घोषित किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने 150 दिन के ई-गवर्नेंस प्रोग्राम में बेहतरीन काम के लिए ठाणे पुणे, सांगली, नागपुर और नासिक ज़िला परिषदों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों और उनकी टीमों को दिल से बधाई दी।

कोयला तस्करी मामला: ईडी ने दो कारोबारियों को किया गिरफ्तार

एजेंसी (हि.स.)
कोलकाता

झारखंड-आसनसोल कोयला तस्करी मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो कारोबारियों को गिरफ्तार किया है। ईडी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार सुबह इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि सोमवार देर रात तक पूछताछ के बाद इन्हें गिरफ्तार किया गया था।

ईडी सूत्रों के अनुसार, गिरफ्तार आरोपितों के नाम चिन्मय मंडल और किरण खां हैं। जांच में असहयोग करने के आरोप में दोनों को हिरासत में लिया गया है। यह पहली बार है जब कोयला तस्करी मामले में किसी कारोबारी को ईडी ने गिरफ्तार किया है। जानकारी के मुताबिक, बीते सप्ताह ईडी की विशेष टीम ने दोनों आरोपितों के ठिकानों पर तलाशी अभियान चलाया था। इस दौरान एक आरोपित के आवास से भारी मात्रा में

फोटोः हि.स.

नकदी बरामद की गई थी। इसके बाद ईडी ने दोनों कारोबारियों को पूछताछ के लिए तलब किया। लंबी पूछताछ के बाद जांच में सहयोग न करने और संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। जांच एजेंसी का दावा है कि चिन्मय मंडल और किरण खां प्रोटेक्शन मनी के बदले कोयला तस्करी को बढ़ावा देते थे और कोयला सिंडिकेट से सीधे तौर पर जुड़े हुए थे। ईडी अधिकारियों के अनुसार, लेनदेन से जुड़े चैट रिकॉर्ड दिखाए जाने के बावजूद दोनों ने पूछताछ में सहयोग करने से इनकार किया।

गौरतलब है कि तीन फरवरी को ईडी ने रानीगंज के कारोबारी किरण खां के घर और चिन्मय मंडल के कार्यालय में छापेमारी की थी। दोनों आरोपितों को आज ईडी की विशेष अदालत में पेश किया जाएगा।

संक्षिप्त-समाचार

बांग्लादेश में चुनाव सिर पर, बसों का किराया बढ़ा, लोगों ने हाइवे जाम किया

ढाका (बांग्लादेश)। देश में 12 फरवरी को होने वाले संसदीय चुनाव में हिस्सा लेने के लिए कामकाजी लोग अपने-अपने घरों को लौटने लगे हैं। वह बस मालिकों के मनमाना किराया वसूलने से परेशान हैं। यात्रियों के सब्र का बांध मंगलवार सुबह टूट गया। उन्होंने सुबह करीब आठ बजे आशुलिया के बाइपेल इलाके में नबीनगर-चंद्रा हाइवे जाम कर दिया। करीब दो घंटे तक लोग सड़क से हिले-डुले नहीं। इससे अफरा-तफरी मच गई। ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, यात्रियों ने कहा कि चुनाव से पहले सोमवार कई गारमेंट फैक्टरी वर्कर के लिए काम का आखिरी दिन था। इस कारण बड़ी संख्या में वह लोग अपने गांव लौटने के लिए बसों में सवार हो गए। उन्होंने आरोप लगाया कि बस कंडक्टर इसका फायदा उठाकर ज्यादा किराया वसूल रहे हैं। जमालपुर जा रहे मुखलेस ने कहा कि किराया तीन गुना से भी ज्यादा वसूला जा रहा है। उन्होंने कहा, ''मैं जमालपुर अपने घर जाना चाहता हूं। पहले किराया 300 टका था। अब वे 1,000 टका मांग रहे हैं। अधिकारियों को किराया तय कराना चाहिए।'' राजशाही जा रहे अबुल कलाम सोहाग ने भी यही शिकायत दोहराई। उन्होंने कहा, '' चुनाव के लिए फैक्टरी की छुट्टियों के बाद वर्कर वोट देने के लिए घर लौट रहे हैं। बस वाले दोगुना किराया मांग रहे हैं। पहले किराया 500 टका था। अब वे 1,000 टका से ज्यादा मांग रहे हैं। '' उन्होंने कहा कि ऐसी ही स्थिति रही तो कई लोग वोट डालने के लिए घर नहीं जा पाएंगे। सावर हाइवे थाना प्रभारी शेख शाहजहां ने कहा कि हाइवे पर यात्रियों का दबाव बढ़ गया है। इस वजह से कई लोग सड़क पर खड़े थे, जिससे जाम लग गया। ₹ उल्लेखनीय है कि चुनाव की घोषणा होते ही दिसंबर में पुलिस महानिरीक्षक बहारुल आलम ने चेतावनी दी थी कि छोटी-छोटी बातों पर सड़कों और हाइवे को ब्लॉक करने का बढ़ता चलन तुरंत बंद होना चाहिए। अगर यह परिपाटी जारी रही तो 12 फरवरी को होने वाले राष्ट्रीय चुनाव की सुरक्षा व्यवस्था में रुकावट आएगी।

लकड़ी के गोदाम में आग लगने से दो वेयरहाउस जलकर खाक

हावड़ा। जिले के आमता थाना अंतर्गत गगन मोड़ इलाके में सोमवार देर रात भयावह आग लगने से दो गोदाम पूरी तरह जलकर राख हो गए। आग की चपेट में एक लकड़ी का गोदाम और उसके बगल में स्थित इलेक्ट्रॉनिक सामान का गोदाम आ गया। गोदाम के सामने खड़ी एक चारपहिया वाहन भी आग में क्षतिग्रस्त हो गई। मंगलवार सुबह तक आग पूरी तरह नियंत्रित नहीं हो सकी थी। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, आमता से नारिट जाने वाली सड़क पर गगन मोड़ के पास स्थित लकड़ी के गोदाम में सोमवार रात अचानक आग लग गई। गोदाम में काफी मात्रा में लकड़ी जमा होने के कारण आग तेजी से फैल गई और पास के इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के गोदाम को भी अपनी चपेट में ले लिया। इस गोदाम में कई फ्रिज और एयर कंडीशनर रखे हुए थे, जो पूरी तरह नष्ट हो गए। मिली जानकारी के अनुसार, आग की लपटें गोदाम के सामने खड़ी एक चारपहिया वाहन तक पहुंच गई, जिससे वाहन भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। इस हादसे में लकड़ी के गोदाम के मालिक के घायल होने की खबर है। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग और आमता थाना पुलिस को सूचित किया गया। सूचना पाकर दमकल विभाग की तीन गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का काम शुरू किया। हावड़ा ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुविमल पाल सहित कई वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी घटनास्थल पर पहुंचे। हालांकि आग लगने के कारणों का अब तक पता नहीं चल पाया है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। मंगलवार सुबह उलुबेरिया उत्तर विधानसभा क्षेत्र के विधायक निर्मल माजी भी घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने पुलिस और दमकल अधिकारियों से बातचीत की। विधायक ने बताया कि यह भयावह अग्निकांड दुर्घटना है या इसके पीछे कोई अन्य कारण है, इसकी जांच के लिए उन्होंने राज्य के लोक निर्माण मंत्री पुलक राय और जिले के पुलिस अधीक्षक सुविमल पाल से बात की है। विधायक ने फोरेंसिक टीम को बुलाकर मामले की गहन जांच कराने की मांग की है।

शराब के पैसे न मिलने पर बेटे ने की मां की हत्या, पिता पर भी जानलेवा हमला

पूर्व बर्दवान। पूर्व बर्दवान जिले के पूर्वस्थली थाना अंतर्गत मधुपुर गांव में सोमवार शाम शराब के लिए पैसे न मिलने पर एक युवक ने अपनी ही मां की हत्या कर दी और पिता पर भी धारदार हथियार से हमला किया। पुलिस ने महिला के शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। आरोपित खुद भी घायल है और फिलहाल अस्पताल में भर्ती है। पुलिस का कहना है कि अस्पताल से छुट्टी मिलते ही उसे गिरफ्तार किया जाएगा। मृत महिला की पहचान नूरजहां बीबी के रूप में हुई है। वह अपने पति किस्मत शेख, बेटे, बहू और नातियों के साथ पूर्वस्थली-(दो)ब्लॉक के निमदह पंचायत अंतर्गत मधुपुर इलाके में रहती थीं। परिवार के लोगों का आरोप है कि उनका बड़ा बेटा हसीबुल शेख लंबे समय से शराब का आदी था और नशे की हालत में अक्सर घर में झगड़ा करता था। इसी आदत से तंग आकर उसकी पत्नी भी उसे छोड़कर चली गई थी, लेकिन इसके बावजूद उसके व्यवहार में कोई बदलाव नहीं आया। सोमवार शाम भी हसीबुल शेख शराब पीने के लिए पैसे मांग रहा था। इसी बात को लेकर उसकी मां नूरजहां बीबी से कहासुनी हो गई। आरोप है कि गुस्से में आकर हसीबुल ने अपनी मां पर धारदार हथियार से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। जब उसके पिता किस्मत शेख लाठी लेकर बीच-बचाव करने पहुंचे, तो आरोपित बेटे ने उन पर भी हमला कर दिया। घटना में घर खून से लथपथ हो गया। शोर सुनकर जब स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और आरोपित को रोकने की कोशिश की, तो वह उन्हें भी हथियार लेकर दौड़ाने लगा। काफी मशक्कत के बाद स्थानीय लोगों ने उसे काबू में कर पुलिस के हवाले कर दिया। घायल नूरजहां बीबी को स्थानीय अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पिता किस्मत शेख की हालत भी गंभीर बताई जा रही है। मृत महिला के दूसरे बेटे बागबुल शेख ने बताया कि हसीबुल शेख अक्सर मां से शराब के लिए पैसे मांगता था और किसी तरह का काम-धंधा नहीं करता था। परिवार का अनुमान है कि शराब के पैसे न मिलने और मां द्वारा खाना खाने की बात कहने को लेकर हुए विवाद के बाद यह खौफनाक वारदात हुई। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

पूर्वी कांगों में दाएश समर्थित विद्रोहियों ने 20 लोगों की हत्या की

एजेंसी (हि.स.)
किंशासा (कांगो)

आतंकवादी समूह दाएश (आईएसआईएस का अरबी नाम) समर्थक विद्रोहियों ने पूर्वी कांगो के एक गांव पर सप्ताहांत में हमला कर कम से कम 20 लोगों की हत्या कर दी। सैन्य प्रशासक कर्नल एलेन किवेवा मिटेला ने यह जानकारी दी। अरब न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, सैन्य प्रशासक मिटेला ने बताया कि यह हमला शनिवार तड़के उत्तरी किवु प्रांत के लुबेरो इलाके के माम्बिम्बी-इसिगो गांव में हुआ। मिटेला ने कहा कि इस हमले से लोगों का बड़े पैमाने पर विस्थापन हुआ है। हमले में एलाइड डेमोक्रेटिक फोर्सेज (एडीएफ) और रवांडा समर्थित एम 23 (मार्च 23 मूवमेंट) के विद्रोही शामिल हो सकते हैं। इस हमले पर अभी तक एडीएफ ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। इलाके के सिविल

फोटोः हि.स.

सोसाइटी कार्यकताओं के अनुसार, विद्रोहियों ने पहले कई किसानों के खेतों पर दबिश दी और फिर चाकू और हथियारों से नागरिकों पर हमला किया। बापेरे में सिविल सोसाइटी के प्रमुख किनोज किटवा ने कहा, ₹यह आंकड़ा अभी शुरूआती है, क्योंकि कई नागरिक लापता हैं।₹ उन्होंने इलाके में कांगो सेना के सैनिकों की कम संख्या की आलोचना की। पहले भी एडीएफ और एम 23 विद्रोहियों सहित अनेक सशस्त्र समूहों ने पूर्वी कांगो में कई बार घातक हमले किए हैं। एडीएफ ने 2019 में दाएश समूह के प्रति वफादारी की कसम खाई थी। एडीएफ के विद्रोही युगांडा के साथ सीमा पर सक्रिय हैं और अकसर नागरिकों को निशाना बनाते हैं। उत्तरी किवु प्रांतीय सिविल सोसाइटी समन्वय के अनुसार, साल की शुरूआत से बेनी और लुबेरो इलाकों में एडीएफ विद्रोहियों ने कम से कम 62 नागरिकों को मारा है। संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना प्रमुख जीन-पियरे लैक्रोइक्स ने सोमवार को पूर्वी कांगो और बेनी का दो दिवसीय आधिकारिक दौरा शुरू किया है। यह इलाका एडीएफ के हमलों से खास तौर पर प्रभावित हुआ है। एडीएफ का गठन 1990 के दशक के आखिर में युगांडा में राष्ट्रपति योवेरी मुसेवेनी से असंतोष के बाद अलग-अलग छोटे समूहों ने किया था। 2002 में युगांडा के सैन्य हमलों के बाद यह समूह पड़ोसी कांगो चला गया।

होटल ट्रिनिटी के स्पा सेंटर पर पुलिस का छापा, संचालक व होटल मैनेजर गिरफ्तार

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिला पुलिस ने देह व्यापार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए शहर के होटल ट्रिनिटी में संचालित सनराइज स्पा एंड सैलून का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने स्पा सेंटर के संचालक और होटल मैनेजर को गिरफ्तार कर लिया है। यह कार्रवाई सोमवार शाम होटल की सातवीं मंजिल पर की गई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह के निर्देश पर कोतवाली थाना और साइबर सेल की संयुक्त टीम ने कार्रवाई की। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह आज मंगलवार को खुलासा करते हुए बताया कि होटल ट्रिनिटी स्थित स्पा सेंटर में ग्राहकों को लड़कियां उपलब्ध कराई जा रही हैं। सूचना की पुष्टि के लिए पुलिस ने पहले एक पाइंटर को ग्राहक बनाकर स्पा सेंटर भेजा। जैसे ही अवैध गतिविधि की पुष्टि हुई, पुलिस टीम ने शाम करीब साढ़े सात बजे होटल में दबिश दी। छापेमारी के दौरान होटल के तीन अलग-अलग कमरों से तीन महिलाएं मिलीं। महिला पुलिसकर्मियों द्वारा मयार्दा का ध्यान रखते हुए तलाशी ली गई, जहां से आपत्तिजनक सामग्री बरामद की गई। पूछताछ में स्पा संचालक विनयकांत बरगट ने अवैध देह व्यापार संचालित करने की बात स्वीकार की। पुलिस ने होटल मैनेजर देवेन्द्र सिंह को भी हिरासत में लेकर पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया।

शुरूआती कारोबार में शेयर बाजार में तेजी का रुख, सेंसेक्स और निफ्टी उछले

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

घरेलू शेयर बाजार में आज शुरूआती कारोबार के दौरान तेजी का रुख बना नजर आ रहा है। आज के कारोबार की शुरूआत भी बढ़त के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद बिकवाली का दबाव बनने के कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में थोड़ी गिरावट भी आई, लेकिन कुछ देर बाद ही खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिससे दोनों सूचकांकों की चाल में तेजी आ गई। पहले 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.31 प्रतिशत और निफ्टी 0.32 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे।

शुरूआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से एटरनल, टाटा स्टील, जियो फाइनेंशियल, टेक महिंद्रा और मारुति सुजुकी के शेयर 2.75 प्रतिशत से लेकर 1.44 प्रतिशत की मजबूती के

फोटोः हि.स.

साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, बजाज फाइनेंस, श्रीराम फाइनेंस, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस, इंटर ग्लोब एविएशन और एशियन पेंट्स के शेयर 1.41 प्रतिशत से लेकर 0.66 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे।

अभीतक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,711 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 1,962 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 749 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 23 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 7 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे।

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत एशिया में भी तेजी का रुख

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से आज मजबूती के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान खरीदारी का रुख बना रहा। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी एशियाई बाजार में भी आज आमतौर पर खरीदारी होती नजर आ रही है। अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार दूसरे दिन तेजी का रुख बना रहा। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.47 प्रतिशत की मजबूती के साथ 6,964.81 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 224.18 अंक यानी 0.97 प्रतिशत की तेजी के साथ 23,255.39 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। वहीं, डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज फिलहाल 0.08 प्रतिशत उछल कर 50,173.76 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार खरीदारी होती रही। एफटीएसई इंडेक्स 0.16 प्रतिशत की बढ़त के साथ 10,386.23 अंक के

फोटोः हि.स.

स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.59 प्रतिशत की छलांग लगा कर 8,323.28 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 293.41 अंक यानी 1.17 प्रतिशत उछल कर 25,014.87 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजार में आज आमतौर पर तेजी का रुख बना हुआ है। एशिया के नौ बाजार में से सात के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि दो सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.12 प्रतिशत लुढ़क कर 4,954.82 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.02 प्रतिशत की सांकेतिक कमजोरी के साथ 4,122.34 अंक के स्तर पर आ गया है।

परीक्षा

असम में कड़ी सुरक्षा के बीच एचएसएलसी परीक्षा

4.38 लाख से अधिक विद्यार्थी शामिल

एजेंसी (हि.स.)
गुवाहाटी

इस साल पूरे असम में हाई स्कूल लीविंग सर्टिफिकेट (एचएसएलसी) परीक्षा में 4,38,565 परीक्षार्थी शामिल हो रहे हैं। इसके लिए पूरे राज्य में 1,046 परीक्षा केंद्र बनाए गये हैं। अधिकारियों ने सभी से कहा है कि परीक्षा आसानी से, फेयर और बिना किसी गड़बड़ी के हों, इसके लिए तय नियमों का सख्ती से पालन करें।

बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन, असम (सेबा) द्वारा आयोजित की गई एचएसएलसी परीक्षा 10 फरवरी को पूरे राज्य में शुरू हुई, जो हायर सेकेंडरी एजुकेशन में जाने की चाहत रखने वाले लाखों स्टूडेंट्स के लिए अहम एकेडमिक माइलस्टोन है। राजधानी गुवाहाटी में भी एचएसएलसी परीक्षा के स्कूलों के बाहर सुबह से परीक्षार्थियों और अभिभावकों की भारी भीड़ देखी गयी। भारी सुरक्षा के बीच विद्यार्थियों की

फोटोः हि.स.

जांच के बाद उन्हें परीक्षा केंद्रों में प्रवेश की अनुमति दी गयी। अधिकांश स्कूलों में सीसीटीवी लगाए गये हैं, जिससे परीक्षा केंद्रों पर नजर रखी जाएगी। धुबड़ी ज़िले में कड़ी सुरक्षा और कड़ी प्रशासनिक निगरानी के बीच 47 तय केंद्रों पर 26,932 परीक्षार्थी शामिल हुए। परीक्षा असमिया विषय के साथ शुरू हुए, विद्यार्थी सुबह 8 बजे ही सेंटर्स पर पहुंच गए, जबकि अभिभावक बड़ी संख्या में बाहर जमा देखे गए। ज़िला प्रशासन ने परीक्षा हॉल के अंदर मोबाइल फोन, स्मार्टवॉच और दूसरे इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस पर पूरी तरह बैन लगा दिया है। ज्यादातर परीक्षा केंद्र सीसीटीवी की निगरानी में हैं और बिना इजाजत के लोगों के जमा होने से रोकने के लिए परीक्षा की जगहों के आसपास रोक लगा दी गई है। सेबा की तरफ से नियुक्त फ़्लाइंग स्क्वॉड और स्पेशल ऑब्जर्वर को धुबड़ी शहर से लेकर बिलासीपारा और चापर जैसे ग्रामीण इलाकों तक के सेंटर पर तैनात किया गया है। अधिकारियों ने कहा कि धुबड़ी असम के सबसे ज्यादा एडमिशन वाले ज़िलों में से एक है, जहां बड़ी संख्या में लोगों के आने से यह पता चलता है कि एचएसएलसी परीक्षा हायर सेकेंडरी शिक्षा के लिए एक अहम रास्ता है। ज़िला प्रशासन ने माता-पिता और आम लोगों से अपील की है कि वे परीक्षा केंद्रों के आसपास शांत माहौल बनाए रखें ताकि छात्र ध्यान लगा सकें। एचएसएलसी थ्योरी परीक्षाएं 27 फरवरी, 2026 को खत्म होंगी।

इस बीच, बोकाखात सब डिवीजन में भी ऐसे ही नजारे देखे गए, जहां सोमवार को एचएसएलसी परीक्षा भी शुरू हुई। सुबह से ही बोकाखात हायर सेकेंडरी स्कूल में छात्रों और माता-पिता की भारी भीड़ देखी गई। बोकाखात सब डिवीजन के 27 स्कूलों के 1,037 परीक्षार्थी केंद्र पर परीक्षा देने से माहौल में उत्साह और उम्मीद का माहौल बन गया। शोणितपुर जिले में, एचएसएलसी परीक्षा देने वाली लड़कियों की संख्या लड़कों से ज्यादा है। जिले भर के 33 परीक्षा केंद्र पर कुल 13,537 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे, जिनमें 5,799 लड़के और 7,738 लड़कियां हैं।

एफआईएच मेंस प्रो लीग 2025-26: राउरकेला में दमदार शुरूआत की उम्मीद में भारत

10 से शुरू होगी टूर्नामेंट, भारत का सामना बेल्जियम और अर्जेंटीना से

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

भारतीय पुरुष हॉकी टीम एफआईएच मेंस प्रो लीग 2025-26 अभियान की शुरूआत घरेलू मैदान पर राउरकेला चरण से करने जा रही है। 10 से 15 फरवरी 2026 तक ओडिशा के बिरसा मुंडा हॉकी स्टेडियम में खेले जाने वाले इस चरण में भारत का सामना हॉकी की दो दिग्गज टीमों–बेल्जियम और अर्जेंटीना–से होगा, जिससे टूर्नामेंट की शुरूआत बेहद रोमांचक होने की उम्मीद है।

पिछले सत्र में आठवें स्थान पर रहने वाली भारतीय टीम इस बार घरेलू दर्शकों के सामने जीत के साथ अभियान शुरू कर शुरूआती बढ़त बनाना चाहेगी। अनुभव और युवा प्रतिभा के संतुलित मिश्रण से सजी भारतीय टीम परिचित परिस्थितियों का पूरा फायदा उठाने की कोशिश करेगी, हालांकि चुनौती आसान नहीं होगी क्योंकि सामने दुनिया की शीर्ष रैंक वाली टीमें होंगी।

भारत भले ही अपना अभियान शुरू करने जा रहा हो, लेकिन बेल्जियम और अर्जेंटीना पहले ही लीग में अच्छी शुरूआत कर चुके हैं। अर्जेंटीना चार मैचों में तीन नियमित जीत और एक शूटआउट जीत के साथ 11 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है। वहीं, बेल्जियम चार मुकाबलों में तीन नियमित जीत और एक शूटआउट हार के साथ 10 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर काबिज है। भारतीय टीम 11 फरवरी को बेल्जियम के खिलाफ अपने अभियान की शुरूआत करेगी। इसके बाद 12 फरवरी को अर्जेंटीना से भिड़ेगी। 14 फरवरी को भारत एक बार फिर बेल्जियम का सामना करेगा, जबकि 15 फरवरी को अर्जेंटीना के खिलाफ मुकाबले के साथ राउरकेला चरण का

फोटोः हि.स.

समापन होगा। सभी मैच भारतीय समयानुसार शाम 7:30 बजे शुरू होंगे। आंकड़ों पर नजर डालें तो हाल के वर्षों में बेल्जियम का पलड़ा भारत पर भारी रहा है। वर्ष 2013 के बाद से दोनों टीमों के बीच 35 मुकाबले हुए हैं, जिनमें बेल्जियम ने 22 जबकि भारत ने 11 मैच जीते हैं और दो मुकाबले ड्रॉ रहे हैं। वहीं अर्जेंटीना के खिलाफ भारत का रिकॉर्ड बेहतर रहा है। दोनों टीमों के बीच 2013 से अब तक 19 मुकाबले हुए हैं, जिनमें भारत ने 10 और अर्जेंटीना ने सात मैच जीते हैं, जबकि दो मुकाबले बराबरी पर छूटे हैं।

पहले मुकाबले से पहले भारतीय कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा, मुझे खुशी है कि अमनदीप लाकड़ा, मनमीत सिंह और रोसन कुजूर जैसे युवा खिलाड़ियों को टीम में मौका मिला है। उन्होंने हाल ही में हीरो हॉकी इंडिया लीग में शानदार प्रदर्शन किया है और अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खुद को साबित करने का यह सही समय है। टीम पूरी तरह फिट, प्रेरित और उत्साहित है।

उधर, बेल्जियम के कप्तान आर्थर वान डोरेन ने कहा कि हीरो हॉकी इंडिया लीग में खेलने का अनुभव उनकी टीम के लिए बेहद फायदेमंद रहा। उन्होंने बताया कि भारत में जल्दी पहुंचकर तैयारी करने से टीम को परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढालने में मदद मिली है। जोश से भरे घरेलू दर्शकों के समर्थन के साथ भारतीय टीम राउरकेला में मजबूत शुरूआत कर एफआईएच प्रो लीग 2025-26 में अपने अभियान को सही दिशा देने के इरादे से उतरेगी।

आयरलैंड के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया का पलड़ा भारी

एजेंसी (हि.स.)
कोलंबो

हाल के खराब प्रदर्शन और दो प्रमुख तेज गेंदबाजों के चोटिल होने के बावजूद ऑस्ट्रेलिया की टीम आयरलैंड के खिलाफ बुधवार को यहां होने वाले टी20 विश्व कप मैच में जीत के प्रबल दावेदार के रूप में शुरूआत करेगी। पैट कमिंस, मिचेल स्टार्क और जोश हेजलवुड आधुनिक क्रिकेट की सबसे मजबूत तेज गेंदबाजी इकाइयों में से एक हैं और ऑस्ट्रेलिया को इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में उनकी कमी खलेगी। जहां कमिंस और हेजलवुड चोटों के कारण बाहर हो गए, वहीं बाएं हाथ के तेज गेंदबाज स्टार्क ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस प्रारूप से संन्यास ले लिया है।

उनकी अनुपस्थिति में नाथन एलिस तेज गेंदबाजी आक्रमण का नेतृत्व कर सकते हैं, लेकिन उन पर भी चोट का साया मंडरा रहा है। हैमस्ट्रिंग की समस्या के कारण बिग बैश लीग (बीबीएल) के फाइनल से बाहर रहने के बाद से उन्होंने अभी तक एक भी मैच नहीं खेला है। अनुभवी लेग स्पिनर एडम जम्पा कमर की चोट से उबरकर टूर्नामेंट में प्रवेश कर रहे हैं। उपमहाद्वीप की मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए जम्पा टूर्नामेंट में ऑस्ट्रेलिया की उम्मीदों के लिए महत्वपूर्ण साबित होंगे। ऑस्ट्रेलिया ने आखिरी बार 2022 में

फोटोः हि.स.

टीम इस प्रकार हैं

ऑस्ट्रेलियाः मिचेल मार्श (कप्तान), जेवियर बार्टलेट, कूपर कॉनॉली, टिम डेविड, बेन ड्वार्शियस, कैमरन ग्रीन, नाथन एलिस, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस, मैथ्यू कुहनेमैन, ग्लेन मैक्सवेल, मैथ्यू रेनशॉ, मार्कस स्टोइनिस, एडम जम्पा।
आयरलैंडः पॉल स्टर्लिंग (कप्तान), मार्क एडायर, रॉस एडायर, बेन कैलिट्ज, कर्टिस कैम्फर, गैरेथ डेलानी, जॉर्ज डॉकरेल, मैथ्यू हम्फ्रीज, जोश लिटिल, बैरी मैकार्थी, हैरी टेक्टर, टिम टेक्टर, लोरकान टकर, बेन व्हाइट, क्रेग यंग।
मैच भारतीय समयानुसार दोपहर बाद तीन बजे शुरू होगा।

यह टूर्नामेंट जीता था। पिछली बार उसकी टीम सेमीफाइनल में भारत से हार गई थी। अनुभवी जम्पा अपने साथी स्पिनरों कूपर कॉनॉली और मैट कुहनेमैन के साथ मिलकर ऑस्ट्रेलिया की स्पिन आक्रमण को मजबूत करेंगे। ऑस्ट्रेलिया को ग्रुप चरण के अपने चारों मैच श्रीलंका में खेलने हैं। ऑस्ट्रेलिया की गेंदबाजी इकाई निस्संदेह अतीत की तुलना में कमजोर दिखती है। ऑस्ट्रेलिया के पास बल्लेबाजी में जरूरी मजबूती है और टीम में काफी ऑलराउंडर भी हैं जो विरोधी टीमों को परेशान कर सकते हैं। ऑस्ट्रेलियाई चयन समिति के अध्यक्ष जॉर्ज बेली ने कहा था कि कुछ खिलाड़ियों के चोटिल होने के कारण बाहर हो जाने के बावजूद उनके पास ऐसे खिलाड़ी हैं जो भारत और श्रीलंका की परिस्थितियों में अच्छा प्रदर्शन करने में सक्षम हैं।

कतर ओपनः झेंग की दमदार वापसी, एंड्रीएवा अंतिम-16 में

एजेंसी (हि.स.)
दोहा

ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता झेंग किनवेन ने चोट से वापसी करते हुए कतर ओपन टेनिस टूर्नामेंट में शानदार जीत दर्ज की। झेंग ने सोमवार को खेले गए मुकाबले में 2020 ऑस्ट्रेलियन ओपन विजेता सोफिया केनिन को तीन सेटों के संघर्षपूर्ण मैच में 4-6, 6-1, 6-2 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। अब उनका सामना एलिसिया पार्क्स से होगा। सितंबर पिछले साल के बाद पहली बार प्रतिस्पर्धी टेनिस में उतरीं झेंग इस समय विश्व रैंकिंग में 26वें स्थान पर हैं। सीजन के अपने पहले ही मैच में उन्होंने 20 ऐस जमाकर जोरदार संदेश दिया। मैच के बाद झेंग ने कहा, चोट के बाद वापसी कभी पूरी तरह दर्द-मुक्त नहीं होती। लेकिन मुझे लगता है कि मेरी कोहनी सही दिशा में ठीक हो रही है। मैं अच्छी स्थिति में हूं और दो घंटे तक सर्व करते हुए खेल जारी रख सकती हूं। उधर, पांचवीं वरीयता प्राप्त मिर्रा

फोटोः हि.स.

एंड्रीएवा ने राउंड ऑफ 64 में बाई मिलने के बाद अपने अभियान की शुरूआत जीत के साथ की। उन्होंने मग्दा लिनेट को 7-6 (7/0), 6-1 से हराकर अंतिम-16 में जगह बनाई। दिन के मुकाबलों में कुछ बड़े उलटफेर भी देखने को मिले। तीसरी वरीयता प्राप्त अमांडा एनिसिमोवा करोलिना प्लिस्कोवा के खिलाफ तीसरे सेट में पिछड़ते हुए मुकाबले से हट गईं। वहीं, पूर्व यूएस ओपन चैंपियन एमा राडुकानू को भी कैमिला ओसोरियो के खिलाफ निर्णायक सेट में रिटायर होना पड़ा। मंगलवार को शीर्ष दो वरीयता प्राप्त इगा स्वियातेक और एलेना रयबाकिना राउंड ऑफ 32 में अपने-अपने अभियान की शुरूआत करेंगी।

भारत-पाक मैचः श्रीलंका के राष्ट्रपति ने पाकिस्तान का आभार व्यक्त किया

कोलंबो। श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) को 15 फरवरी को भारत के खिलाफ यहां होने वाले टी20 विश्व कप मैच का बहिष्कार वापस लेने का निर्देश देने के लिए पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ का आभार व्यक्त किया है। बांग्लादेश और श्रीलंका के आग्रह के बाद पाकिस्तान सरकार ने बहिष्कार की अपील वापस लेने का फैसला किया जिसका मतलब है कि भारत और पाकिस्तान के बीच मैच निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार ही होगा। इससे इस मैच पर बने संकट के बादल भी छंट गए। दिसानायके ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, यह जानकर बेहद खुशी हुई कि मौजूदा टी20 क्रिकेट विश्व कप में भारत और पाकिस्तान के बीच बहुप्रतीक्षित मैच का कोलंबो में आयोजन किया जाएगा। श्रीलंका क्रिकेट ने पीसीबी को लिखे पत्र में अपना निर्णय बदलने का अनुरोध किया था जिसके बाद दिसानायके ने सोमवार रात शरीफ को फोन करके उन्हें मैच खेलने के लिए मनाने की कोशिश की थी। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री कार्यालय ने सरकारी विज्ञप्ति के अनुसार दिसानायके की अपील को स्वीकार कर लिया गया है जिससे उनके देश द्वारा मैच का बहिष्कार प्रभावी रूप से समाप्त हो गया।

वेस्टइंडीज के खिलाफ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा इंग्लैंड को

एजेंसी (हि.स.)
मुंबई

नेपाल के खिलाफ टी20 विश्व कप के ग्रुप सी के अपने पहले ही मैच में बमुश्किल उलटफेर से बचने वाली इंग्लैंड की टीम को वेस्टइंडीज के खिलाफ बुधवार को यहां होने वाले एक महत्वपूर्ण और बराबरी के मुकाबले में अधिक आत्मविश्वासपूर्ण प्रदर्शन करना होगा। दोनों टीमें अतीत में दो बार यह प्रतियोगिता जीत चुकी हैं और टूर्नामेंट के सह-मेजबान और मौजूदा चैंपियन भारत की तरह तीसरी बार खिताब जीतने की कोशिश में हैं। उनके सामने सबसे बड़ी चुनौती निरंतरता को बरकरार रखना होगा क्योंकि टी20 क्रिकेट में जीत-हार का अंतर बहुत कम हो सकता है। इसमें किसी भी टीम को कम करके आंकना बहुत बड़ी भूल हो सकती है। इंग्लैंड को पिछले मुकाबले में इसका अहसास हुआ जब नेपाल ने एक

फोटोः हि.स.

समय उसे हार के कगार पर पहुंचा दिया था।

इंग्लैंड ने आखिर में यह मैच चार रन से जीता था और इसे देखते हुए हैरी ब्रुक की अगुवाई वाली टीम को आगे भी सतर्क रहने की जरूरत होगी। इंग्लैंड के लिए सैम करेन मैच के हीरो रहे। उन्होंने अंतिम ओवर में अपनी सटीक लाइन और लेंथ से 10 रन का अच्छी तरह से बचाव किया। कुल मिलाकर इंग्लैंड को लगेगा कि उसके गेंदबाजों की तुलना में उनके बल्लेबाजी विभाग ने सामूहिक रूप से बेहतर प्रदर्शन किया। आदिल राशिद लंबे समय बाद विकेट लेने में असफल रहे और जोफ्रा आर्चर की नेपाल के बल्लेबाजों ने जमकर धुनाई की। इससे इंग्लैंड के गेंदबाजी आक्रमण की कमजोरी भी सामने आ गई।

टीम इस प्रकार हैं

इंग्लैंडः हैरी ब्रूक (कप्तान), जोस बटलर (विकेटकीपर), टॉम बैंडन (विकेटकीपर), फिल साल्ट (विकेटकीपर), बेन डकेट, जैकब बेथेल, सैम करेन, लियाम डॉसन, विल जैक्स, जेमी ओवरटन, रेहान अहमद, जोफ्रा आर्चर, आदिल राशिद, जोश टोंग।
वेस्टइंडीजः शाई होप (कप्तान एवं विकेटकीपर), जॉनसन चार्ल्स (विकेटकीपर), शिमरोन हेटमायर, ब्रैंडन किंग, रोवमैन पॉवेल, शेरफेन रदरफोर्ड, क्विंटिन सैम्पसन, रोस्टन चेज, जेसन होल्डर, रोमारियो शेफर्ड, मैथ्यू फोर्डे, अकील हुसैन, शमर जोसेफ, गुडाकेश मोती, जेडन सील्स।
मैच भारतीय समयानुसार शाम 7:00 बजे शुरू होगा।

फुट सर्जरी के बाद जैक ग्रीलिश का सीजन समाप्त, वर्ल्ड कप खेलने की उम्मीदों को झटका

एजेंसी (हि.स.)
लिवरपूल

एवर्टन के मिडफील्डर जैक ग्रीलिश ने पुष्टि की है कि फुट में स्ट्रेस फ्रैक्चर की सर्जरी के बाद उनका मौजूदा सीजन समाप्त हो गया है। यह चोट उनके लिए बड़ा झटका मानी जा रही है, क्योंकि इससे इंग्लैंड की वर्ल्ड कप टीम में जगह बनाने की उनकी उम्मीदों को भी नुकसान पहुंचा है।

30 वर्षीय ग्रीलिश, जो मैनचेस्टर सिटी से लोन पर एवर्टन के लिए खेल रहे थे, को यह चोट पिछले महीने एस्टन विला के खिलाफ प्रीमियर लीग मुकाबले के दौरान लगी थी। उस मैच में एवर्टन ने 1-0 से जीत दर्ज की थी।

इस सीजन ग्रीलिश ने एवर्टन के लिए सभी प्रतियोगिताओं में कुल 22 मुकाबले खेले, जिनमें उन्होंने दो गोल किए और छह असिस्ट दिए। उनके प्रदर्शन को देखते हुए यह कयास लगाए जा रहे थे कि उन्हें इंग्लैंड की राष्ट्रीय टीम में दोबारा बुलाया जा सकता है।

सोशल मीडिया पर अपनी

फोटोः हि.स.

प्रतिक्रिया देते हुए ग्रीलिश ने लिखा, मैं नहीं चाहता था कि मेरा सीजन इस तरह खत्म हो, लेकिन यही फुटबॉल है। बहुत दुखी हूं। सर्जरी हो चुकी है और अब पूरा ध्यान फिट होकर वापसी पर है। मुझे पूरा भरोसा है कि मैं पहले से ज्यादा फिट, मजबूत और बेहतर होकर लौटूंगा।

ग्रीलिश मैनचेस्टर सिटी के साथ तीन प्रीमियर लीग खिताब, चैंपियंस लीग और एफए कप जीत चुके हैं। इंग्लैंड के लिए उन्होंने आखिरी मैच अक्टूबर 2024 में कार्यवाहक कोच ली कार्सली के कार्यकाल में खेला था।

गौरतलब है कि फुटबॉल वर्ल्ड कप का आयोजन 11 जून से 19 जुलाई तक कनाडा, मैक्सिको और संयुक्त राज्य अमेरिका में किया जाएगा।

पत्नी सुनीता के आरोपों पर गोविंदा की सफाई

बॉलीवुड अभिनेता गोविंदा और उनकी पत्नी सुनीता आहूजा इन दिनों अपने पारिवारिक बयानों को लेकर सुर्खियों में हैं। हाल ही में सुनीता ने आरोप लगाया था कि गोविंदा ने अपने बेटे यशवर्धन आहूजा के करियर को आगे बढ़ाने में सक्रिय भूमिका नहीं निभाई। अब अभिनेता ने इन दावों पर चुप्पी तोड़ते हुए अपनी बात सामने रखी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनके फैसले हमेशा परिवार और बच्चों के भविष्य को ध्यान में रखकर लिए गए।

बच्चों को न झेलना पड़े मेरी दुनिया का दबावः गोविंदा

मीडिया से बातचीत में गोविंदा ने कहा, जिस समय मैं राजनीति से बाहर निकला, तब मैंने सोचा कि प्रतिस्पर्धा, द्वेष और ईर्ष्या जैसी चीजों का असर मेरे बच्चों पर न पड़े। खासकर उनके भविष्य को देखते हुए मैंने दूरी बनाना बेहतर समझा। उन्होंने यह भी बताया कि उन्होंने निमार्ता साजिद नाडियाडवाला से बेटे यशवर्धन का मार्गदर्शन करने का अनुरोध किया था। गोविंदा के मुताबिक, नाडियाडवाला ने यशवर्धन को फिल्म निर्माण की बारीकियां समझने और इंडस्ट्री की कार्यप्रणाली सीखने में मदद की।

सुनीता ने क्या कहा था

इससे पहले दिए इंटरव्यू में सुनीता आहूजा ने कहा था कि गोविंदा ने बेटे के करियर को लेकर पर्याप्त समर्थन नहीं दिया। उन्होंने बताया था कि यशवर्धन ने अब तक करीब 90 ऑडिशन दिए हैं, लेकिन उसे वह पहचान नहीं मिल पाई जिसकी उन्हें उम्मीद थी। सुनीता ने यह भी कहा था कि उन्होंने बेटे को अपने पिता के रास्ते पर चलने की सलाह दी, मगर गोविंदा का रवैया उन्हें समझ नहीं आता। परिवार के भीतर आए इन बयानों ने इंडस्ट्री और फैंस के बीच चर्चा छेड़ दी है, वहीं गोविंदा की सफाई के बाद अब नजरें इस बात पर हैं कि यशवर्धन का बॉलीवुड सफर आगे किस दिशा में बढ़ता है।

राजपाल यादव का भावुक बयान आया सामने

राजपाल यादव का भावुक बयान आया सामने

प्रसिद्ध कॉमेडी अभिनेता राजपाल यादव इन दिनों चेक बाउंस मामले को लेकर कानूनी संकट का सामना कर रहे हैं। 5 फरवरी को दिल्ली हाई कोर्ट के आदेश के बाद अभिनेता ने खुद को तिहाड़ जेल में आत्मसमर्पण कर दिया था। अब सामने आई रिपोर्टों के अनुसार, उन्होंने जेल जाने से पहले जो भावुक बयान दिया, वह सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

जेल अधिकारियों के सामने फूट-फूटकर रोए राजपाल यादव

रिपोर्ट के मुताबिक, आत्मसमर्पण से ठीक पहले राजपाल यादव की मानसिक स्थिति बेहद डगमगाई हुई थी। उन्होंने जेल अधिकारियों से कहा, क्या करूं? मेरे पास पैसे नहीं हैं। और कोई उपाय नहीं दिखता... सर, यहां हम सब अकेले हैं। कोई दोस्त नहीं है। मुझे इस संकट से खुद ही निपटना है। अभिनेता की आंखों में आँसू और हिचकियाँ स्पष्ट दिखीं, जिससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि वह अपनी स्थिति से गहरे परेशान हैं। उनका यह बयान सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद लोग बॉलीवुड सितारों को भी इस मुश्किल समय में मदद न करने पर निशाने पर ले रहे हैं।

चेक बाउंस मामला क्या है

यह शेर 2010 के समय का है जब राजपाल यादव ने अपनी पहली निर्देशित फिल्म 'अता पता लापता' के लिए मुरली प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड से 5 करोड़ रुपये का कर्ज लिया था। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर असफल रही और आर्थिक तंगी ने अभिनेता को दबोच लिया। कर्ज न चुका पाने के कारण उन्होंने बकाया राशि के भुगतान के लिए चेक दिए थे, जो बाद में बाउंस हो गए। 2024 में अदालत ने उनकी गिरफ्तारी पर रोक लगाई थी, जब अभिनेता ने पूरा बकाया चुकाने का आश्वासन दिया था। लेकिन वह आश्वासन पूरा नहीं कर सके और परिणामस्वरूप उन्हें आत्मसमर्पण करना पड़ा। अब राजपाल अपनी मुश्किल आर्थिक स्थितियों और कानूनी दांव-पेचों से जूझ रहे हैं, जिससे फिल्म उद्योग और आम दर्शक दोनों में चर्चा का विषय बना हुआ है।

राजपाल के सपोर्ट में उतरे सोनू सूद

चेक बाउंस मामले में बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता राजपाल यादव इस वक्त तिहाड़ जेल में बंद हैं। अभिनेता ने इस मामले में 4 फरवरी को तिहाड़ जेल में सरेंडर किया था। हाल ही में ऐसी खबरें आई थीं कि सरेंडर करते वक्त राजपाल काफी दुखी थे और उन्होंने अपने पास पैसे न होने की बात कही थी। अब इस सबके बीच अभिनेता सोनू सूद राजपाल यादव के सपोर्ट में उतरे हैं। उन्होंने राजपाल को फिल्म ऑफर करते हुए पूरी इंडस्ट्री से एक्टर का सपोर्ट करने की अपील की है।

मदद को आगे आए सोनू सूद

सोनू सूद ने आज सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा किया। इसमें उन्होंने राजपाल यादव का सपोर्ट करते हुए लिखा, राजपाल यादव एक प्रतिभाशाली अभिनेता हैं, जिन्होंने वर्षों तक हमारी इंडस्ट्री में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। कभी-कभी जीवन अन्यायपूर्ण हो जाता है, प्रतिभा की वजह से नहीं, बल्कि समय के क्रूर होने की वजह से। वह मेरी फिल्म का हिस्सा होंगे और मेरा मानना है कि यह हम सभी के लिए निमार्ताओं, निर्देशकों, साथियों के लिए एकजुट होने का क्षण है। भविष्य के कामों के बदले दी जाने वाली एक छोटी सी साइनिंग अमाउंट दान नहीं, बल्कि सम्मान है। जब हमारे अपने किसी व्यक्ति को कठिन दौर से गुजरना पड़ता है, तो इंडस्ट्री को उसे यह याद दिलाना चाहिए कि वह अकेला नहीं है। इसी तरह हम यह दिखा सकते हैं कि हम सिर्फ एक इंडस्ट्री से कहीं अधिक हैं।

बिग बी ने अपने पड़ोसी प्रशंसक को घर पर किया आमंत्रित

महानायक अमिताभ बच्चन हर रविवार की शाम अपने फैंस से मिलने के लिए घर के बाहर आते हैं। पिछले 40 साल से भी अधिक समय से बिग बी हर इतवार ऐसा करते हैं। बीते दिनों उनके एक पड़ोसी ने बिग बी के घर के बाहर जमा होने वाले फैंस के जलसा का एक वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किया था। इसमें बिग बी के घर जलसा के बाहर लगी फैंस की भीड़ नजर आ रही है, जो अपने चहेते सुपरस्टार से मिलने के लिए बेताब थी। लेकिन इस पड़ोसी को ये उम्मीद नहीं होगी कि ये वीडियो उन्हें अमिताभ बच्चन से उनके घर जाकर मिलने का मौका दे देगी। वो भी वाकायदा खुद बिग बी के इन्विटेशन पर।

बिग बी के जुहू स्थित घर जलसा के पड़ोस में रहने वाले निर्मित जेसरानी ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया था। इसमें अमिताभ बच्चन के बंगले के बाहर हर रविवार को जमा होने वाली भारी भीड़ को दिखाया गया है। वीडियो में जेसरानी ने अभिनेता की विनम्रता और इस लंबे समय से चली आ रही परंपरा के महत्व के बारे में भी बताया, जिसके तहत बच्चन हर हफ्ते प्रशंसकों से मिलने के लिए बाहर आते हैं। यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। अब इस वीडियो के वायरल होने के बाद बिग बी ने जेसरानी को अपने घर बुलाया और उनसे मुलाकात की।

निर्मित जेसरानी को अमिताभ बच्चन की टीम से एक संदेश मिला। इसमें उन्हें सोमवार 9 फरवरी 2026 को जलसा में एक मीटिंग के लिए बुलाया गया था। यह मुलाकात शाम 5 बजे तय की गई थी। इसके बाद निर्मित ने सोशल मीडिया पर बिग बी से मुलाकात की तस्वीरें भी साझा कीं। इनमें अभिनेता के साथ एक तस्वीर और उन्हें मिला एक ऑटोग्राफ शामिल था। अपनी खुशी जाहिर करते हुए उन्होंने लिखा कि यह अनुभव अविस्मरणीय था और उन्होंने पूरा दिन इस मुलाकात के बारे में सोचते हुए बिताया। उस मुलाकात का ब्योरा देते हुए निर्मित ने बताया

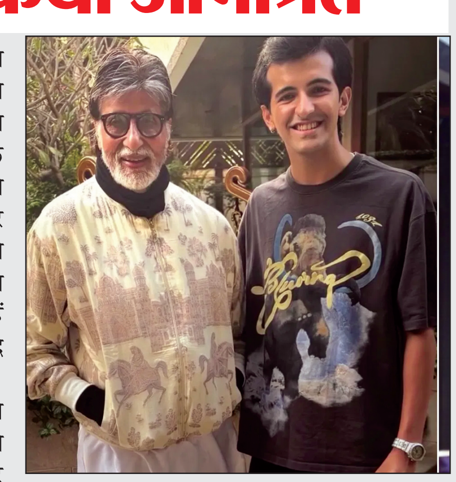

कि बिग बी ने उनसे मिलने से पहले रविवार के दर्शन के दौरान प्रशंसकों का अभिवादन किया। इस दौरान जब उन्होंने अभिनेता के पैर छूने की कोशिश की, तो बच्चन ने उन्हें रोक दिया और ऐसा न करने को कहा। उन्होंने बिग बी को विनम्र और शालीन बताया और कहा कि बच्चन ने खुशी-खुशी तस्वीरें खिंचवाईं।

अमिताभ बच्चन साल 1982 से लगातार हर रविवार को अपने फैंस से मिलने के लिए घर के बाहर आते हैं। आज भी हर सप्ताह सैकड़ों प्रशंसक बिग बी के घर के बाहर इकट्ठा होते हैं और अपने पसंदीदा अभिनेता की एक झलक पाने के लिए उत्सुक रहते हैं। पिछले 40 साल से भी अधिक समय से चली आ रही बिग बी की ये परंपरा अपने प्रशंसकों के प्रति उनके प्रेम को दशार्ती है।

वर्कफ्रंट की बात करें अमिताभ बच्चन आखिरी बार रजनीकांत के साथ फिल्म 'वेट्टैयान' में नजर आए थे। वहीं उनकी आगामी फिल्मों में 'कल्कि 2898 एडी' के सीक्वल और आगामी कोर्टरूम ड्रामा 'सेक्शन 84' में नजर आएंगे।

सीजेएम अजय कुमार ने सेक्टर-6 सिविल हॉस्पिटल में डी-एडिक्शन सेंटर का किया औचक निरीक्षण

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

श्री अजय कुमार, चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट-कम-सेक्रेटरी, डिस्ट्रिक्ट लीगल सर्विसेज अथॉरिटी (डीएलएसए), पंचकूला, ने सेक्टर-6 सिविल हॉस्पिटल, पंचकूला में बने डी-एडिक्शन सेंटर का औचक निरीक्षण किया। इसका मकसद सेंटर में भर्ती मरीजों के कामकाज, सुविधाओं और उनकी भलाई के लिए किए जा रहे कार्यों की समीक्षा करना था।

डी-एडिक्शन सेंटर में तैनात मेडिकल ऑफिसर डॉ. मनोज ने चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट को सेंटर के पूरे कामकाज के बारे में जानकारी दी।उन्होंने बताया कि डी-एडिक्शन सेंटर में अभी 24 बेड हैं; लेकिन, इलाज और रिहैबिलिटेशन चाहने वाले मरीजों की संख्या बहुत ज्यादा है, जिससे मौजूद इंफ्रास्ट्रक्चर पर दबाव पड़ रहा है।

स्थिति को गंभीरता से लेते हुए, श्री अजय कुमार ने मरीजों की बढ़ती संख्या को देखते हुए सेंटर में सुविधाओं को मजबूत करने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने चीफ मेडिकल ऑफिसर (सीईएमओ), पंचकूला को और बेड उपलब्ध कराने के लिए तुरंत और जरूरी कदम उठाने का निर्देश दिया ताकि कोई भी मरीज समय पर इलाज और देखभाल से वंचित न रहे। उन्होंने जोर देकर कहा कि नशा छुड़ाना और रिहैबिलिटेशन समाज की भलाई के लिए बहुत जरूरी हैं और इसके लिए सही इंफ्रास्ट्रक्चर और इंसानी ध्यान की जरूरत है।

सीजीएम ने सेंटर में भर्ती हर मरीज से बात की और उनकी सेहत, इलाज, खाने, साफ-सफाई और रहने की पूरी हालत के बारे में जानकारी ली ।उन्होंने मरीजों को हिम्मत दी कि वे पक्के इरादे से ठीक होने का अपना सफर जारी रखें और उन्हें लीगल सर्विस अथॉरिटी और स्वास्थ्य विभाग से हर संभव मदद का भरोसा दिलाया।

श्री अजय कुमार ने सेंटर में रखे अटेंडेंस रजिस्टर और दूसरे रिकॉर्ड/रजिस्टर को भी अच्छी तरह से चेक किया ताकि सही डॉक्यूमेंटेशन और काम करने में ट्रांसपेरेंसी सुनिश्चित हो सके। उन्होंने संबंधित स्टाफ को सभी रजिस्टर रेगुलर और सही तरीके से, तय नियमों के हिसाब से रखने का निर्देश दिया।यह दौरा डिस्ट्रिक्ट लीगल सर्विसेज अथॉरिटी, पंचकूला के सक्रिय और संवेदनशील दृष्टिकोण को दर्शाता है, जिसका उद्देश्य समाज के कमजोर तबके के लोगों के अधिकारों, सम्मान और भलाई की रक्षा करना तथा यह सुनिश्चित करना है कि वेलफेयर इंस्टीट्यूशन बड़े जनहित में प्रभावी ढंग से कार्य करें।

स्वच्छता अभियान के साथ बागवानी एवं हरित पहल को भी दिया जा रहा है बढ़ावाः आयुक्त

पंचकूला। नगर निगम पंचकूला के आयुक्त श्री विनय कुमार ने आज सुबह सैनिटेशन टीम के साथ सेक्टर-6 का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र में चल रहे विशेष सफाई अभियान की प्रगति की समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों व कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने झाड़ू लगाने, घर-घर जाकर कचरा संग्रहण तथा कंस्ट्रक्शन एंड डेमोलीशन (सी एंड डी) वेस्ट सहित सभी प्रकार के कचरे को हटाने की व्यवस्था का विस्तार से जायजा लिया। उन्होंने निर्देश दिए कि चिन्हित सभी स्थानों से कचरे को शीघ्र एवं पूर्ण रूप से हटाया जाए, ताकि क्षेत्र को स्वच्छ एवं सुव्यवस्थित बनाया जा सके। आयुक्त श्री विनय कुमार ने मौके पर मौजूद नागरिकों से संवाद करते हुए स्वच्छता से जुड़ी आवश्यक आदतों के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने स्रोत पर ही कचरे का पृथक्करण करने, डस्टबिन का उचित उपयोग करने तथा सार्वजनिक स्थलों पर कूड़ा न फैलाने की अपील की। उन्होंने कहा कि विशेष सफाई अभियान के अंतर्गत नगर निगम द्वारा सेक्टर-6 में सार्वजनिक स्थानों से जमा कचरे को हटाने का कार्य निरंतर जारी रहेगा। सफाई अभियान के साथ-साथ क्षेत्र में बागवानी से संबंधित कार्य भी किए जा रहे हैं।

मिशन सक्षम आंगनवाड़ी एवं पोषण 2.0 की प्रगति की समीक्षा बैठक

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

भारत सरकार, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के सचिव श्री अनिल मलिक, आईएएस ने केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ में मिशन सक्षम आंगनवाड़ी एवं पोषण 2.0 की प्रगति की समीक्षा हेतु एक बैठक की अध्यक्षता की। बैठक के दौरान सामाजिक कल्याण निदेशक, चंडीगढ़ ने सचिव को योजनाओं के अंतर्गत अब तक की समग्र प्रगति से अवगत कराया तथा पोषण, प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं विकास तथा आंगनवाड़ी सेवाओं के सुदृढ़ीकरण से संबंधित प्रमुख पहलों, उपलब्धियों एवं क्रियान्वयन की स्थिति की जानकारी दी।सचिव ने कार्यक्रमों के विभिन्न घटकों की समीक्षा की, जिनमें सेवा प्रदायगी, पोषण संबंधी परिणाम, संबद्ध विभागों के साथ अभिसरण, प्रौद्योगिकी का उपयोग तथा आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की क्षमता संवर्धन शामिल है। उन्होंने प्रभावी क्रियान्वयन, परिणाम-आधारित निगरानी तथा महिलाओं और बच्चों के पोषण संकेतकों में सुधार हेतु केंद्रित प्रयासों के महत्व पर बल दिया।

श्री अनिल मलिक ने यूटी प्रशासन द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की और मिशन सक्षम आंगनवाड़ी एवं पोषण 2.0 के उद्देश्यों को समयबद्ध रूप से प्राप्त करने हेतु क्षेत्र स्तर पर हस्तक्षेपों को और सुदृढ़ करने, नियमित निगरानी तथा सामुदायिक सहभागिता बढ़ाने की सलाह दी। बैठक का समापन इन प्रमुख योजनाओं के अंतर्गत सेवाओं की गुणवत्ता एवं पहुंच को और बेहतर बनाने के लिए समन्वित प्रयास जारी रखने के निर्देशों के साथ हुआ।

मानसिक स्वास्थ्य और व्यक्तित्व विकास पर केंद्रित सात दिवसीय लाइफ स्किल्स टेस्टिंग प्रोग्राम संपन्न

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के साइकोलॉजी विभाग द्वारा आयोजित सात दिवसीय लाइफ स्किल्स टेस्टिंग प्रोग्राम सफलतापूर्वक संपन्न हो गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों के व्यक्तिगत, भावनात्मक और सामाजिक विकास से जुड़े महत्वपूर्ण मनोवैज्ञानिक पहलुओं का वैज्ञानिक मूल्यांकन करना रहा।कार्यक्रम के दौरान छात्रों की सेल्फ-इफिकेसी, आत्मसम्मान, गुस्सा नियंत्रण और समग्र मानसिक स्वास्थ्य का आकलन मानकीकृत साइकोलॉजिकल टूल्स के माध्यम से किया गया। साथ ही साइकोलॉजी के विद्यार्थियों को फील्ड ट्रेनिंग भी प्रदान की गई, जिसमें टेस्ट एडमिनिस्ट्रेशन, स्कोरिंग, रिपोर्ट राइटिंग और रिपोर्ट डिसेमिनेशन जैसे व्यावहारिक पहलू शामिल रहे। इस कार्यक्रम में कुल 122 विद्यार्थियों ने

सक्रिय भागीदारी की, जो मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता और लाइफ स्किल्स डेवलपमेंट के प्रति छात्रों की मजबूत रुचि को दर्शाता है ।यह पहल छात्रों की आत्म-जागरूकता बढ़ाने, भावनात्मक समझ विकसित करने और व्यक्तिगत व सामाजिक क्षमताओं को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुई। यह कार्यक्रम कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा के कुशल नेतृत्व में आयोजित किया गया। उनके निरंतर सहयोग से कॉलेज में स्टूडेंट-सेंट्रिक डेवलपमेंटल इनिशिएटिव्स को लगातार बढ़ावा मिल रहा है ।साइकोलॉजी विभाग की अध्यक्ष डॉ. तरुणदीप ने कार्यक्रम को अकादमिक मार्गदर्शन प्रदान किया और आत्मविश्वासी व जिम्मेदार व्यक्तित्व निर्माण में लाइफ स्किल्स की अहम भूमिका पर जोर दिया। कार्यक्रम का समन्वय और आयोजन डॉ. मीनाक्षी और डॉ. हीना द्वारा प्रभावी ढंग से किया गया। प्रतिभागियों ने कार्यक्रम को उपयोगी और ज्ञानवर्धक बताते हुए उच्च स्तर की संतुष्टि व्यक्त की। विद्यार्थियों और फैकल्टी से प्राप्त उत्साहजनक फीडबैक ने यह स्पष्ट किया कि वर्तमान शैक्षणिक परिवेश में लाइफ स्किल्स असेसमेंट की प्रासंगिकता लगातार बढ़ रही है।

पीजीआईएमईआर ने डीएनए रिपेयर और कैंसर थेरेप्यूटिक्स पर 14वां प्रो. आर. एन. चक्रवर्ती मेमोरियल ओरेशन होस्ट किया

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

पोस्टग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च चंडीगढ़ के एक्सपेरिमेंटल मेडिसिन और बायोटेक्नोलॉजी डिपार्टमेंट ने 10 फरवरी, 2026 को लेक्चर थिएटर-1, नेहरू हॉस्पिटल,पीजीआईएमईआर में 14वां प्रो. आर. एन. चक्रवर्ती मेमोरियल ओरेशन ऑर्गनाइज किया। यह मशहूर ओरेशन प्रो. सतीश सी. राघवन, डिपार्टमेंट ऑफ बायोकेमिस्ट्री और चेयर, सेंट्रल एनिमल फैसिलिटी, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस , बेंगलुरु ने स्ट्रैंड ब्रेक रिपेयरः फ्रॉम मैकेनिस्टिक अंडरस्टैंडिंग टू कैंसर ट्रीटमेंट थीम पर दिया। लोगों को संबोधित करते हुए, पीजीआई के डीन (रिसर्च) प्रो. संजय जैन ने स्वर्गीय प्रो. आर. एन. चक्रवर्ती के एक्सपेरिमेंटल मेडिसिन में शुरूआती और बदलाव लाने वाले योगदान पर रोशनी डाली और इस बात पर जोर दिया

कि उनकी विरासत देश में मेडिकल रिसर्चर्स की कई पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी। वक्ता का परिचय एक्सपेरिमेंटल मेडिसिन और बायोटेक्नोलॉजी डिपार्टमेंट के हेड प्रो. दिव्यज्योति बनर्जी ने कराया, जिन्होंने उ्ढअ रिपेयर के क्षेत्र में प्रो. राघवन के अहम योगदान पर जोर दिया, खासकर डीएनए रिपेयर पाथवे के छोटे-मॉलिक्यूल इनहिबिटर के डेवलपमेंट पर, जिसमें भारत में उनके ग्रुप द्वारा खोजे गए इन्हिबिटर भी शामिल हैं। प्रो. राघवन ने बताया कि सेल्स नुकसानदायक डीएनए डबल-स्ट्रैंड ब्रेक पर कैसे रिस्पॉन्ड करते हैं और अपनी लैब से उभर रहे ट्रांसलेशनल एडवांस पर चर्चा की। उन्होंने रोशनी डाली, जो एक संभावित एंटी-कैंसर मॉलिक्यूल है और नॉन-होमोलॉगस एंड जॉइनिंग को रोकता है, जो डीएनए रिपेयर का एक मुख्य पाथवे है, और जिसका इन विट्रो और एक्स विवो मॉडल में असर दिखाया गया है। उन्होंने क्रोमोसोमल अस्थिरता, डीएनए रिपेयर मैकेनिज्म और कैंसर थेराप्यूटिक्स में इम्यून सिस्टम की भूमिका के बारे में और बताया। प्रोग्राम एक्सपेरिमेंटल मेडिसिन और बायोटेक्नोलॉजी डिपार्टमेंट की प्रो. अलका भाटिया के धन्यवाद प्रस्ताव के साथ खत्म हुआ। इस इवेंट में प्रो. संजीव हांडा, सब-डीन (एकेडमिक्स), एमेरिटस प्रोफेसर, फैकल्टी मेंबर, रिसर्चर, स्टूडेंट और इंस्टीट्यूट के दूसरे जाने-माने लोग शामिल हुए।

संक्षिप्त-समाचार

सीजीएसटी लुधियाना द्वारा लोहा एवं इस्पात निर्माण क्षेत्र में 9.43 करोड़ की जीएसटी चोरी का किया पदार्फाश; 1.8 करोड़ की वसूली की गई एवं एक व्यक्ति को किया गिरफ्तार

लुधियाना। विशिष्ट खुफिया सूचना के आधार पर केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर (सीजीएसटी) आयुक्तालय, लुधियाना के अधिकारियों ने दिनांक 05 फरवरी 2026 को मंडी गोबिंदगढ़, जिला फतेहगढ़ साहिब, पंजाब में कई स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया। इस कार्रवाई के दौरान 9.43 करोड़ की जीएसटी चोरी का खुलासा हुआ। जांच के दौरान एक प्रमुख व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया तथा 1.8 करोड़ की राशि जीएसटी देयता के रूप में वसूल की गई है। इस मामले में आगे की जांच जारी है, ताकि पूरे नेटवर्क का पता लगाया जा सके तथा इसमें संलिप्त अन्य संस्थाओं की पहचान की जा सके। सीजीएसटी लुधियाना आयुक्तालय कर चोरी का पता लगाने तथा ईमानदार करदाताओं के लिए समान प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण सुनिश्चित करने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को पुनः दोहराता है।

ट्रेन की खिड़की से नहीं, छत से देखें कश्मीरः बड़गाम - कटरा में विस्टाडोम कोच का तोहफा

जम्मू। उत्तर रेलवे के जम्मू मंडल में यात्रियों की सुविधाओं में लगातार विस्तार किया जा रहा हैं, हाल ही में दिनांक 11 फरवरी से विशेष ट्रेन संख्या 04688/ 04687 जो बड़गाम से बनिहाल तक संचालित की जाती थी, लेकिन स्थानीय लोगों और कश्मीर आने वाले पर्यटकों को बेहतर सुविधा प्रदान करवाने हेतु, विशेष ट्रेन को यात्रा सेवा को बनिहाल की जगह श्री माता वैष्णोदेवी कटरा तक विस्तारित किया गया हैं, साथ ही कश्मीर घाटी की प्राकृतिक सुंदरता का दीदार करने वाले पर्यटकों के जम्मू मंडल ने एक बड़ी सौगात प्रदान करते हुए, विशेष ट्रेन में एक विस्टाडोम कोच लगाया गया हैं, जिससे यात्री कांच की छत और बड़ी खिड़कियों वाले विशेष कोच में आरामदायक यात्रा का आनंद उठा सकेंगे। विस्टाडोम कोचों की विशेषताओं की बात करें, तो इन कोचों में चौडी कांच की खिड़कियां और छत है, जिससे कश्मीर घूमने आए यात्री ट्रेन के बाहर के प्राकृतिक नजारों, जैसे पहाड़, नदियां और टनलों का 360 डिग्री से नजारों का आनंद लें सकते हैं। यह कोच कश्मीर की जगह अन्य पर्यटन स्थल जैसे कोंकण रेलवे और दार्जिलिंग में वर्तमान में चलाए जा रहे हैं। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, श्री उचित सिंघल ने यात्रियों को दी जाने वाली विशेष, सुविधा पर बताया, ₹ कि इससे पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, और विस्टाडोम कोच यात्रियों की यात्रा को आरामदायक और यादगार बनाएंगे। यह यात्री सुविधाओं में एक पहल, जो कांच की छत से आसमान का नजारा और बड़ी खिड़कियों से यात्रियों को प्राकृतिक खूबसूरती का अहसास उनके सफर को रोमांचक बनाएंगी।

दूरसंचार विभाग, हरियाणा द्वारा रेवाड़ी में साइबर जागरूकता पर मीडिया संवाद कार्यक्रम का आयोजन

रेवाड़ी। दूरसंचार विभाग, हरियाणा लाइसेंस प्राप्त सेवा क्षेत्र (एलएसए) द्वारा साइबर जागरूकता पर एक मीडिया संवाद कार्यक्रम का आयोजन 10 फरवरी 2026 को रेवाड़ी सचिवालय में किया गया। यह कार्यक्रम श्री राधाचरण शाक्य, अतिरिक्त महानिदेशक दूरसंचार, हरियाणा एलएसए के नेतृत्व में तथा रेवाड़ी पुलिस के सहयोग से आयोजित किया गया। कार्यक्रम में लगभग 50 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें पुलिस अधिकारी, दूरसंचार सेवा प्रदाताओं (टीएसपी) के प्रतिनिधि एवं रेवाड़ी जिले के विभिन्न प्वाइंट ऑफ सेल (पीओएस) शामिल थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री राधाचरण शाक्य ने राष्ट्र निर्माण में सुरक्षित संचार की महत्ता, नागरिकों के बीच सशक्त संपर्क तथा माननीय प्रधानमंत्री के डिजिटल भारत के विजन को साकार करने में दूरसंचार सेवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि डिजिटल शासन और प्रभावी जनसेवा वितरण में दूरसंचार सेवाएँ एक मजबूत आधार प्रदान करती हैं। उन्होंने दूरसंचार सेवाओं के दुरुपयोग के माध्यम से बढ़ते साइबर अपराधों और साइबर धोखाधड़ी की गंभीर समस्या पर भी ध्यान आकृष्ट किया। यह बताया गया कि साइबर अपराधी निरंतर नए-नए तरीकों से आम नागरिकों को ठगने का प्रयास कर रहे हैं, जिससे जन-जागरूकता और सतर्कता अत्यंत आवश्यक हो गई है। उन्होंने यह भी दोहराया कि मोबाइल नेटवर्क के जिम्मेदार उपयोग को सुनिश्चित करना तथा उपभोक्ताओं को धोखाधड़ी और दुरुपयोग से सुरक्षित रखना दूरसंचार विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

सी प्रोग्रामिंग दक्षता परीक्षा का किया गया आयोजन

पंचकूला/कालका। कंप्यूटर विज्ञान विभाग, श्रीमती अरुणा आसफ अली गवर्नमेंट पी.जी. कॉलेज, कालका द्वारा प्राचार्या डॉ. गीता सुखीजा के प्रेरणादायी नेतृत्व में बी.एससी. (कंप्यूटर साइंस), बीसीए एवं पीजीडीसीए के विद्यार्थियों के लिए सी प्रोग्रामिंग दक्षता परीक्षा का सफल आयोजन किया गया। इस बौद्धिक रूप से प्रेरक गतिविधि में विद्यार्थियों को दो एल्गोरिद्म आधारित चुनौतियाँ दी गईं। जो कि ऐरे में तत्वों की आवृत्ति (फ्रीक्वेंसी) ज्ञात करना और ऐरे से डुप्लीकेट (दोहराए गए) मानों को हटाना। इस मौके पर कुल 12 उत्साही विद्यार्थियों ने भाग लिया और अपनी तार्किक सोच व प्रोग्रामिंग कौशल का पूरे उत्साह और आत्मविश्वास के साथ प्रदर्शन किया। प्रथम स्थान सुश्री दिया (बीसीए तृतीय वर्ष), द्वितीय स्थान सुश्री पलक (बीसीए प्रथम वर्ष) और तृतीय स्थान सुश्री दिव्या (बीसीए द्वितीय वर्ष) ने प्राप्त किया। इस अवसर पर डॉ. मीनू ख्यालिया ने विजेताओं को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। विभागाध्यक्ष भूप सिंह ने विद्यार्थियों को ऐसी शैक्षणिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया तथा इनके माध्यम से विश्लेषणात्मक और समस्या-समाधान क्षमताओं के विकास पर जोर दिया। कार्यक्रम का सुचारु एवं प्रभावी संचालन डॉ. नीरू कंबोज, डॉ. सोनिया एवं डॉ. शबनम अरोड़ा द्वारा किया गया, जिससे यह सभी प्रतिभागियों के लिए एक सार्थक और रोचक शिक्षण अनुभव बना। इस प्रकार की पहलें विद्यार्थियों में तकनीकी उत्कृष्टता और तार्किक क्षमता को निरंतर प्रोत्साहित करती हैं।

राज्यसभा में सांसद कार्तिकेय शर्मा ने ई-स्पोर्ट्स को आधिकारिक खेल का दर्जा देने की मांग की

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

राज्यसभा में जीरो ऑवर के दौरान सांसद कार्तिकेय शर्मा ने मंगलवार को सरकार से ई-स्पोर्ट्स को आधिकारिक खेल का दर्जा देने और ऑनलाइन गेमिंग के लिए एक व्यापक नियामक ढांचा तैयार करने की मांग की। उन्होंने कहा कि यह विषय केवल मनोरंजन से जुड़ा नहीं है, बल्कि युवा रोजगार, डिजिटल अर्थव्यवस्था और बच्चों की सुरक्षा से सीधे तौर पर जुड़ा हुआ है।

इलेक्ट्रॉनिक गेमिंग को ह्लसंभावनाओं और जोखिमों से भरा डिजिटल फ्रंटियरह्व बताते हुए शर्मा ने कहा कि भारत की ऑरेंज इकोनॉमी अब कोई हाशिये का क्षेत्र नहीं रही है। भारत की क्रिएटिव इकोनॉमी का वर्तमान आकार लगभग 30 अरब अमेरिकी डॉलर है और यह देश की करीब 8 प्रतिशत कार्यशील आबादी को रोजगार प्रदान कर रही है। यह क्षेत्र सरकार के 1 ट्रिलियन डॉलर डिजिटल अर्थव्यवस्था के लक्ष्य का एक अहम आधार बन चुका है।

उन्होंने बताया कि भारत आज दुनिया का सबसे बड़ा गेमिंग ऑडियंस है, जहाँ 50 करोड़ से अधिक अमेच्योर गेमर्स और लाखों प्रोफेशनल खिलाड़ी मौजूद हैं। भारत का गेमिंग बाजार, जिसकी मौजूदा वैल्यू 3.7 अरब अमेरिकी डॉलर है, के 2030 तक 10 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुँचने का अनुमान है। इसके साथ ही एवीजीसी सेक्टर में 2030 तक लगभग 20 लाख कुशल पेशेवरों की आवश्यकता होगी।

इन आंकड़ों का हवाला देते हुए शर्मा ने कहा कि इस तेजी से बढ़ते क्षेत्र को संरचित दिशा देने के लिए ई-स्पोर्ट्स को आधिकारिक खेल का दर्जा दिया जाना आवश्यक है। इससे प्रोफेशनल लीग्स, मान्यता प्राप्त प्रतियोगिताएँ और संगठित प्रशिक्षण तंत्र विकसित होंगे तथा युवाओं के लिए वैध और सम्मानजनक करियर विकल्प तैयार होंगे।

हालांकि, उन्होंने अनियंत्रित शौकिया ऑनलाइन गेमिंग से उत्पन्न हो रही गंभीर चुनौतियों पर भी कड़ा रुख अपनाया। शर्मा ने कहा कि क्लिनिकल अध्ययनों के अनुसार अत्यधिक और बिना नियमन की गेमिंग का बच्चों और किशोरों में गेमिंग एडिक्शन, अउ्लऊ चिंता और अवसाद से सीधा संबंध पाया गया है। उन्होंने कहा कि कई मामलों में गेमिंग लत के कारण आत्म-हानि जैसी घटनाएँ भी सामने आई हैं।

एक अभिभावक के रूप में बोलते हुए शर्मा ने कहा कि तकनीकी प्रगति बच्चों की सुरक्षा की कीमत पर नहीं हो सकती। डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर बच्चों की सुरक्षा केवल एक नीतिगत आवश्यकता नहीं, बल्कि एक नैतिक जिम्मेदारी है।

उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि पूरे गेमिंग इकोसिस्टम—गेम डेवलपमेंट, पब्लिशिंग और स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म्स को कवर करने वाला एक समग्र नियामक ढांचा तैयार किया जाए। साथ ही उन्होंने अनिवार्य गेम ऑडिट्स लागू करने की भी सिफारिश की, ताकि डिजिटल प्लेटफॉर्म्स को बच्चों के लिए सुरक्षित बनाया जा सके।

पीजीआई की फैकल्टी एसोसिएशन ने ब्लड डोनेशन कैंप लगाया

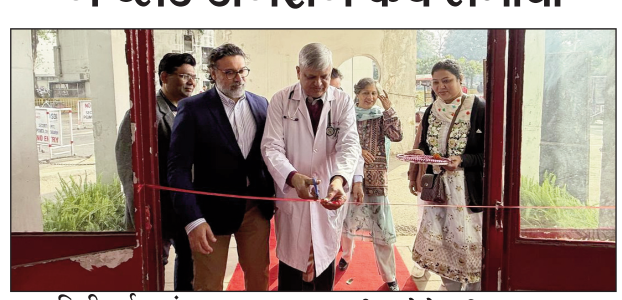

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

एक अच्छी परंपरा को जारी रखते हुए, पीजीआई की फैकल्टी एसोसिएशन ने 9 फरवरी को 7वां सालाना ब्लड डोनेशन कैंप सफलतापूर्वक लगाया।इसका मकसद अपनी मजी से ब्लड डोनेशन को बढ़ावा देना और इस अच्छे काम से जान बचाने की अहमियत के बारे में जागरूकता बढ़ाना था।

यह कैंप पीजीआई के ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन डिपार्टमेंट की मदद से लगाया गया था।इस पहल में ढञ्ञ्कके फैकल्टी, स्टूडेंट्स और स्टाफ के साथ-साथ स्थानीय लोगों सहित अलग-अलग प्रोफेशनल्स ने पूरे जोश के साथ हिस्सा लिया। कैंप के दौरान कुल 90 यूनिट ब्लड इकट्ठा किया गया। डोनर्स को शुक्रिया के तौर पर रिफ्रेशमेंट और तारीफ के सर्टिफिकेट दिए गए।

ऑर्गनाइजर्स ने कैंप को सफल बनाने में उनके सपोर्ट और सहयोग के लिए सभी डोनर्स, वॉलंटियर्स और मेडिकल टीमों का दिल से शुक्रिया अदा किया।

इस तरह की पहल खून की सही सप्लाई बनाए रखने और कम्युनिटी में सामाजिक ज़िम्मेदारी की भावना को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभाती हैं।

गुरुग्राम में 'लखपति दीदियों के सरस आजीविका मेले' का महाकुंभ शुरू

सिटी दर्पण संवाददाता
गुरुग्राम

हरियाणा की साइबर सिटी गुरुग्राम एक बार फिर देश की ग्रामीण परंपराओं, लोक कलाओं और महिला उद्यमिता के रंगों से सराबोर होने जा रही है। आज से सेक्टर-29 स्थित लेजर वैली पार्क ग्राउंड में ह्यसरस आजीविका मेला-2026ह्न का भव्य आयोजन किया जा रहा है। राष्ट्रीय स्तर के इस मेले का उद्घाटन केंद्रीय ग्रामीण विकास तथा कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान करेंगे। कार्यक्रम में ग्रामीण विकास राज्य मंत्री डॉ. चंद्रशेखर पेम्मासानी और कमलेश पासवान विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगे। 10 फरवरी से 26 फरवरी तक चलने वाले इस मेले में ह्यमिनी भारतह्न की जीवंत झलक देखने को मिलेगी।

इस वर्ष का सरस मेले में देश के 28 राज्यों से आईं लगभग 900 से अधिक महिला उद्यमी भाग ले रही हैं, जो विभिन्न स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी हैं। मेला परिसर में 450 से अधिक स्टॉल लगाए गए हैं, जहाँ उत्तर में कश्मीर के पश्मीना से लेकर दक्षिण में तमिलनाडु के सिल्क तक और पश्चिम में राजस्थान की कढ़ाई से लेकर पूर्व में असम के बांस शिल्प तक, सब एक ही छत के नीचे उपलब्ध होगें।

मेले के दौरान आयोजित संवाददाता सम्मेलन में केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुश्री स्वाति शर्मा ने स्वयं सहायता समूहों की प्रगति पर महत्वपूर्ण तथ्य साझा किए। उन्होंने बताया कि 'दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन' के तहत वर्तमान में देश की 10 करोड़ महिलाएं संगठित हैं। साथ ही उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री जी द्वारा 3 करोड़ लखपति दीदी बनने का लक्ष्य दिया गया था जिसमें से दिसंबर 2025 तक 2.9 करोड़ दीदी लखपति दीदी बन चुकी है,और आने वाले कुछ ही समय में इससे पूरा कर लिया जाएगा।स्वाति शर्मा ने एक महत्वपूर्ण वित्तीय पहलू पर प्रकाश डालते हुए कहा कि स्वयं सहायता समूह की महिलाओं की ईमानदारी और आर्थिक उन्नति के कारण बैंकिंग सेक्टर में उनका विश्वास बढ़ा है।उन्होंने साझा किया कि विभिन्न राज्यों में स्वयं सहायता समूहों का एनपीए (नॉन-परफॉर्मिंग एसेट) घटकर 2 प्रतिशत से भी कम रह गया है, जो इस बात का प्रमाण है कि ग्रामीण महिलाएं अपने ऋण का भुगतान समय पर कर रही हैं और वित्तीय प्रबंधन में कुशल हो रही हैं। संवाददाता सम्मेलन के दौरान कई सफल महिला उद्यमियों ने अपनी आपबीती और सफलता की गाथा साझा की। कई महिलाओं ने बताया कि कैसे एक समय उनके पास आय का कोई साधन नहीं था, लेकिन स्वयं सहायता समूह से जुड़ने और सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के बाद आज वे न केवल अपने परिवार का भरण-पोषण कर रही हैं, बल्कि अन्य महिलाओं को भी रोजगार दे रही हैं। मेले में लगा 'लखपति दीदी पवेलियन' ऐसी ही सशक्त महिलाओं की कहानियों को प्रदर्शित कर रहा है ।संवादताता सम्मेलन में स्वाति शर्मा, ग्रामीण विकास मंत्रालय की निदेशक डॉ. मौलिश्री समेत राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान के सहायक निदेशक चिरंजी लाल कटारिया, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन की जिला प्रबंधक सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे ।इन्होंने बताया कि सरस आजीविका मेला गुरुग्राम के लेजरवैली ग्राउंड (निकट इफको चौक मेट्रो स्टेशन) में 26 फरवरी तक चलेगा। मेले में प्रवेश पूरी तरह से निःशुल्क रखा गया है। आम नागरिक प्रतिदिन सुबह 11:00 बजे से लेकर रात्रि 9:30 बजे तक मेले का भ्रमण कर सकते हैं।

इस बार सरस मेले का एक मुख्य आकर्षण 'नॉलेज एंड लर्निंग पवेलियन' है ।यहाँ केवल उत्पादों की बिक्री नहीं हो रही, बल्कि महिला उद्यमियों के लिए प्रतिदिन विशेष कार्यशालाएं आयोजित की जा रही हैं ।इन सत्रों में महिलाओं को पैकेजिंग, ब्रांडिंग, बिजनेस प्रपोजल तैयार करने और सोशल मीडिया मार्केटिंग के गुर भी सिखाए जाएगें।

मेला प्रशासन ने दर्शकों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा है। छोटे बच्चों के लिए एक भव्य 'किड्स जोन' बनाया गया है, जहां कला गतिविधियों और कहानी सुनाने के सत्रों के माध्यम से उन्हें भारत की ग्रामीण संस्कृति से परिचित कराया जा रहा है ।बुजुर्गों और महिलाओं के विश्राम के लिए जगह-जगह विश्राम स्थल बनाए गए हैं ।मनोरंजन के लिए प्रतिदिन शाम को विभिन्न राज्यों के सांस्कृतिक दलों द्वारा लोक नृत्य और संगीत की प्रस्तुतियां दी जा रही हैं, जो मेले के माहौल को और भी उत्सवपूर्ण बना देती हैं।